THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर फिर जुटे किसान

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर के पास एक बार फिर किसानों की पंचायत हो रही है। इसमें हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान हैं। आंदोलन को स्थगित हुए आज एक साल पूरे हो गए। दिल्ली के बॉर्डरों से 11 दिसंबर 2021 को प्रदर्शन कर रहे किसान वापस घर लौटे गए थे।

आज सोनीपत के राजीव गांधी एजुकेशन सिटी के मेन गेट पर किसान पंचायत हो रही है। इस पंचायत में एमएसपी गारंटी, आंदोलन के दौरान मृत किसानों को मुआवजा और परिवार को सरकारी नौकरी देने की मांग की गई है।

वर्ष-27 अंक : 268 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष कृ.4** 2079 **सोमवार, 12 दिसंबर 2022**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

शार्ट कट नहीं स्थायी विकास करें : मोदी

मेट्रो में स्टूडेंट्स के साथ की सवारी * महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग का उद्घाटन किया

नागपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। नागपुर में विकास योजनाओं का लोकार्पण करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा, वोट पाने के लिए हमारे देश के कुछ नेता आमदनी अठन्नी खर्चा रुपया वाली योजना चलाकर देश को खोखला कर रहे हैं। जनता ऐसे नेताओं को एक्सपोज करें। दुनिया के कई देश आमदनी अठन्नी खर्चा रुपया की कुनीति से बर्बाद हुए हैं। शॉर्ट कट अपनाने वाले ऐसे नेताओं से आदरपूर्वक कहूंगा कि स्थायी विकास का महत्व समझें। शार्ट कट की जगह स्थायी विकास करके चुनाव जीत सकते हैं, बार-बार जीत सकते हैं।

मोदी ने नागपुर में मेट्रो सेवा की भी शुरूआत की। मेट्रो स्टेशन के उद्घाटन के बाद उन्होंने स्टूडेंट्स के साथ मेट्रो की सवारी की। स्टूडेंट्स ने पीएम मोदी से बातचीत भी की। इससे पहले उन्होंने सबसे पहले नागपुर रेलवे स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। ये देश की छठी वंदे भारत ट्रेन है। यह ट्रेन नागपुर से रायपुर के बीच चलेगी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को नागपुर में 520 किमी लंबे हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के पहले चरण का उद्घाटन किया। यहां ढोल बजाकर मोदी का स्वागत किया गया। मोदी कलाकारों के बीच पहुंचे और उनके साथ ढोल भी बजाया।

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेस-वे का पहला चरण पूरा हो गया है। 6 लेन के एक्सप्रेसवे को 'समृद्धि महामार्ग' नाम दिया गया है। पीएम मोदी ने नागपुर और शिर्डी को जोड़ने वाले 520 किमी लंबे समृद्धि महामार्ग के पहले चरण का उद्घाटन किया। यह एक्सप्रेस-वे उत्तरी महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के 10 जिलों से गुजरेगा।

>14

मनोहर पर्रिकर के नाम से जाना जाएगा मोपा एयरपोर्ट

पणजी, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गोवा पहुंचे। पीएम मोदी ने यहां 3 राष्ट्रीय आयुष संस्थानों का उद्घाटन किया। इसमें अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) भी शामिल है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में अधिकतम सुविधाएं हैं। यह जनता में आयुर्वेद के बारे में जागरूकता पैदा करेगा। पीएम ने गोवा में मोपा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का भी उद्घाटन किया। इसका नाम गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के नाम पर रखा गया है। जानकारी के मुताबिक,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पणजी में 9वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस (डब्ल्यूएसी) के समापन समारोह में एम्स के आयुष अस्पताल का उद्घाटन किया। इसी के साथ उन्होंने उत्तर प्रदेश के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन और दिल्ली के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी का वर्चुअल उद्घाटन किया।

कर्नाटक के मंदिरों में अब सलाम नहीं संध्या आरती

टीपू सुल्तान का दिया 300 साल पुराना नाम बदला, हिंदू संगठनों की मांग पर फैसला

मंगलुरू, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के कुछ मंदिरों में होने वाली सलाम आरती का नाम बदल दिया गया है। अब इसे संध्या आरती के नाम से जाना जाएगा। यह फैसला हिंदुत्व संगठनों की मांग पर लिया गया। इन संगठनों ने राज्य सरकार से टीपू सुल्तान के नाम पर होने वाले अनुष्ठानों को खत्म करने की मांग की थी, जिसमें सलाम आरती भी शामिल थी।

हिंदू मंदिरों की देखरेख करने वाले स्टेट अथॉरिटी मुजरई ने छह महीने पुराने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। माना जाता है कि 18वीं शताब्दी में मैसूर शासक टीपू ने इन मंदिरों में अपनी यात्रा के दौरान आरती का नामकरण किया था।

पहले जानिए क्या है पूरा मामला

मेलकोट में ऐतिहासिक चालुवनारायण स्वामी मंदिर है। जहां हैदर अली और उसके बेटे टीपू सुल्तान के शासनकाल से हर दिन शाम 7 बजे सलाम आरती (मशाल सलामी) होती आ रही है। स्कॉलर और कर्नाटक धर्मिका परिषद के सदस्य कशेकोडि सूर्यनारायण भट ने इसका नाम बदलने की मांग की थी। भट ने कहा था सलाम शब्द हमारा नहीं टीपू का दिया हुआ है।

सभी मंदिरों पर लागू होगा आदेश

हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग (मुजरई) सीएम बसवराज बोम्मई से अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहा है। इस कदम के बाद जल्द ही एक आधिकारिक आदेश जारी किया जाएगा, जिसके बाद न केवल मेलकोट में बल्कि कर्नाटक के सभी मंदिरों में आरती सेवाओं का नाम बदल दिया जाएगा।

मुजरई मंत्री शशिकला जोले ने कहा, इन फारसी नामों को बदलने और मंगला आरती नमस्कार या आरती नमस्कार जैसे पारंपरिक संस्कृत नामों को बनाए रखने के प्रस्ताव और मांगें थीं। इतिहास को देखें तो हम वही वापस लाए हैं जो पहले चलन में था।

>14

सुखविंदर सुक्खू ने सीएम पद की शपथ ली

मुकेश अग्निहोत्री बने डिप्टी सीएम

शिमला, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश के सीएम पद की शपथ ग्रहण कर ली हैं। वहीं मुकेश अग्निहोत्री ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। सुखविंदर सुक्खू को हिमाचल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने शपथ दिलाई। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के साथ राहुल-प्रियंका गांधी भी मौजूद रहे। इसी के साथ कांग्रेस नेता सुखविंदर सिंह सुक्खू हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गए हैं।

केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हिमाचल प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और वरिष्ठ नेता सचिन पायलट भी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित रहे। हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने शपथ ग्रहण करने के बाद कहा, हम पहली कैबिनेट बैठक में जनता से किए गए अपने वादों को पूरा करेंगे। पुरानी पेंशन योजना बहाल होगी। पहले लोग कहते थे कि कांग्रेस किसी भी राज्य में सत्ता में नहीं आएगी, लेकिन आज हमने बीजेपी का 'रथ' को रोक दिया है।

शिमला में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सुक्खू को विधायक दल का नेता चुना गया था। दरअसल कांग्रेस में हिमाचल चुनाव जीतने के बाद सीएम पद को लेकर कई दावेदारों के नाम सामने आ रहे थे। कई समर्थक राज्य के पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह (दिवंगत) की पत्नी प्रतिभा सिंह को सीएम बनाने की मांग कर रहे थे, लेकिन तमाम खींचतान के बीच कांग्रेस आलाकमान ने सुखविंदर सुक्खू को हिमाचल का नया सीएम बनाया।

शपथ ग्रहण के ठीक बाद मंच पर पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह (दिवंगत) की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया और सभी नेताओं ने हाथ जोड़कर उन्हें नमन किया। पहाड़ी राज्य के हमीरपुर जिले के नादौन से विधायक सुक्खू ने हाल ही में हुए राज्य चुनावों के लिए कांग्रेस की अभियान समिति का नेतृत्व किया। सुखविंदर को राहुल गांधी की टीम का माना जाता है।

आदिवासी बेटी पिता की प्रॉपर्टी की समान हकदार

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। आदिवासी महिलाओं के उत्तराधिकार से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

कोर्ट ने कहा है कि जब गैर-आदिवासी की बेटी पिता की प्रॉपर्टी में समान हिस्से की हकदार है तो आदिवासी बेटी को इस तरह के अधिकार से वंचित करने का कोई कारण नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र को इस मुद्दे की जांच करने और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के प्रोविजन में संशोधन करने पर विचार करने का निर्देश दे दिया है।

शीर्ष अदालत का यह निर्देश उस याचिका को खारिज करने के फैसले में आया है कि क्या अनुसूचित जनजाति से संबंधित एक बेटी, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के प्रोविजन के तहत सर्वाइवरशिप के आधार पर एक्यूर्ड लैंड के संबंध में मुआवजे में हिस्सेदारी की हकदार है।

गुजरात में दलबदल का खेल शुरू

शपथ ग्रहण से पहले आप के एक और 3 निर्दलीय विधायक की बीजेपी जॉइन करने की चर्चा

जूनागढ़, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात में भाजपा की रिकॉर्ड जीत के बाद आज सोमवार को भूपेंद्र पटेल सीएम पद की शपथ लेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शपथ समारोह में शामिल होंगे। इससे पहले ही राज्य में दलबदल का खेल शुरू हो गया है। ऐसी चर्चा है कि आम आदमी पार्टी (आप) के एक और तीन निर्दलीय विधायक जल्द ही भाजपा का दामन थाम सकते हैं।

आप विधायक भूपत भयाणी पहली बार जूनागढ़ जिले के विसावदर सीट से जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। वे पहले भाजपा में भी रह चुके हैं। चुनाव से कुछ महीने पहले ही आप में शामिल हुए थे। हालांकि मीडिया से बातचीत में भूपत ने भाजपा में शामिल होने से इनकार किया है। भूपत ने कहा कि मैं पार्टी से गद्दारी नहीं करूंगा।

गुजरात विधानसभा के चुनाव दो चरणों में हुए। पहले चरण की वोटिंग 1 और दूसरे चरण की वोटिंग 5 दिसंबर को हुई। मतदान 8 दिसंबर को हुआ, जिसमें भाजपा ने 156, कांग्रेस ने 17 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं आम आदमी पार्टी सिर्फ 5 सीटे ही जीत सकी। वहीं, समर्थन देने वाले 3 विधायकों में बायड़ से धवल झाला, धानेरा से मावजी देसाई और वाघोड़िया से धर्मेंद्र वाघेला शामिल हैं। धवलसिंह झाला और मावजी देसाई बीजेपी से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय चुनाव लड़े थे और जीत भी गए।

फारूक समेत 20 नेताओं की सुरक्षा छिनी

जम्मू, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में बीस राजनेताओं की सुरक्षा वापस ले ली गई है। यह आदेश दस दिसंबर को जारी हुआ है। कुछ नेताओं के सुरक्षा घेरे में कटौती हुई है। राजनेताओं को मिल रहे सुरक्षा कर्मियों के अलावा इनकी एस्कोर्ट सुविधा भी वापस ली गई है। इनमें अधिकांश नेता पूर्व विधायक हैं, जबकि एक पूर्व सांसद है। इनके अलावा पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला के दामाद एवं निदेशक, जेएंडके सॉफ़्टवेयर टेक्नॉलाजी पार्क ऑफ इंडिया, मोहम्मद असीम खान की सुरक्षा हटाई गई है। कई नेताओं की सुरक्षा के एक दो सेक्शन कम किए गए हैं। सुरक्षा वापस लिए जाने वाले व्यक्तियों की सूची में नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के नेता शामिल हैं।

बता दें कि इन नेताओं के पास लम्बे समय से जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और एसएसबी की सुरक्षा रही है।

भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिया पद से इस्तीफा

वीरेंद्र सचदेवा होंगे कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। एमसीडी चुनाव में मिली हार के बाद दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं ने दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता का पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। वीरेंद्र सचदेवा को वर्तमान में दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष को अगली व्यवस्था तक कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल पर फेंकी गई थी स्याही

10 पुलिसकर्मी निलंबित

मुंबई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जले के पिंपरी चिंचवड शहर में शनिवार को महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री चंद्रकांत पाटिल पर स्याही फेंकने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। पाटिल की सुरक्षा में चूक के बाद तीन अधिकारियों सहित 10 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। बता दें कि बीआर आंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले पर टिप्पणी करने के एक दिन बाद चंद्रकांत पाटिल पर कुछ लोगों ने उनके ऊपर स्याही फेंकी थी।

फडणवीस ने घटना की निंदा की

मामले में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ये बहुत ही दुखद घटना है। चंद्रकांत पाटिल ने जो बात कही थी उसका अर्थ समझना चाहिए था। उसका अर्थ ये था कि डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर या कर्मवीर भाउराव पाटिल ने कभी भी सरकार से अनुदान मांगकर संस्थाएं नहीं चलाई। उन्होंने लोगों के शिक्षा की व्यवस्था समाज से पैसा खड़ा कर और दानवीर लोगों को साथ में लेकर किया। मगर उनके शब्दों को पकड़कर इस तरह की घटना करना बहुत गलत बात है।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर अपना रुख साफ करें पीएम: उद्धव ठाकरे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागपुर यात्रा से एक दिन पहले शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने पीएम से महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच जारी सीमा विवाद का रुख स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर अपना रुख साफ करना चाहिए। महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के इस बयान की निंदा की है कि महाराष्ट्र के सांसदों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बैठक से दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस बीच भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि उच्चतम न्यायालय को सीमा विवाद मामले में जल्द फैसला सुनाना चाहिए क्योंकि दोनों राज्यों के बीच स्थिति तनावपूर्ण होती जा रही है तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून व्यवस्था के मुद्दे सामने आए हैं।

आप ने खेल बिगाड़ दिया

गुजरात में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर बोले पी चिदंबरम

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात और हिमाचल विधानसभा चुनावों के नतीजे आ चुके हैं. जहां गुजरात में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा. वहीं इस बार हिमाचल में कांग्रेस बीजेपी से सत्ता हथियाने में कामयाब रही. कांग्रेस नेता पी चिदंबरम से पीटीआई से बात करते हुए कहा कि भाजपा गुजरात, हिमाचल प्रदेश और एमसीडी में सत्ता में थी, इन तीन में से दो चुनावों में हार से उसे 'बड़ा झटका' लगा है. उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने गुजरात में खेल बिगाड़ दिया, जैसा कि पहले गोवा और उत्तराखंड में किया था.

उत्तराखंड और गोवा की तरह गुजरात में भी 'आप' ने खेल बिगाड़ा, जबकि दिल्ली से बाहर अन्य स्थानों पर उसकी लोकप्रियता घट जाती है. पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि कांग्रेस 2024 के आम चुनावों के लिए एक ध्रुव बनने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है, जिसके चारों ओर एक गैर-भाजपा मोर्चे का गठन किया जा सकता है. चिदंबरम ने इस बात पर भी जोर दिया कि गुजरात की हार से कांग्रेस को कुछ सीख लेनी चाहिए, उन्होंने कहा कि कड़े मुकाबले वाले चुनाव में गुप्त अभियान जैसी कोई चीज नहीं होती है. उन्होंने गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश विधानसभाओं और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के हालिया चुनावों के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बात पर चिंतन करना चाहिए कि भाजपा जिन तीनों जगहों पर सत्ता पर काबिज थी, लेकिन उसे दो में हार झेलनी पड़ी. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''यह भाजपा के लिए बड़ा झटका है. गुजरात में जीत महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे यह सच्चाई नहीं छिप सकती कि सत्ता पर काबिज भाजपा को हिमाचल प्रदेश और एमसीडी में निर्णायक हार झेलनी पड़ी."

सिद्दड़ा ग्रेनेड हमला: नाके से गुजरे वाहन मालिकों से होगी पूछताछ, पुलिस ने 30 सीसीटीवी से फुटेज ली

जम्मू, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस नाके पर ग्रेनेड हमला मामले में पुलिस ने पांच लोकेशन से ली गई सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू कर दिया है। हालांकि अभी तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। वहीं, जिस दिन हमला हुआ था, उस समय मौके से गुजरे वाहनों की पहचान करना भी पुलिस ने शुरू कर दिया है। क्रमवार वाहन मालिकों को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। शुक्रवार को पुलिस ने पंजतीर्थी, सर्कुलर रोड, नगरोटा, टीसीपी और सिद्दड़ा पुल गोल्फ कोर्स चौक और एक मंदिर से फुटेज ली थी। शनिवार को सिद्दड़ा पुल के आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ जारी रही। हालांकि अभी तक पुलिस के हाथ कोई जानकारी नहीं लगी है कि हमला किसने किया। पुलिस ने अभी तक 30 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज ली है। पुलिस के अनुसार हमले के बाद आरोपी वाहन के जरिये दूसरी जगह के लिए रवाना हुआ है। अब वाहनों की पहचान करना शुरू किया गया है। इसके बाद मामले की परतें खुलेंगी।

दमोह से पकड़ाए शातिर बाइक चोर, नंबर प्लेट के साथ चेचिस नंबर में भी कर देते थे हेरफेर

दमोह, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के दमोह जिले से पुलिस ने तीन ऐसे बाइक चोरों को पकड़ा है, जो काफी शातिर हैं। पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए ये बाइक का चेचिस नंबर हटा देते थे, जिससे बाइक की पहचान मुश्किल हो जाती थी। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार दमोह की कोतवाली पुलिस ने तीन बाइक चोरों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। जिनके पास से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं। कोतवाली टीआई विजय राजपूत ने बताया कि कुछ समय से दमोह शहर से बाइक चोरी के मामले सामने आ रहे थे। पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

बिलकिस बानो की याचिका पर 13 दिसंबर को सुनवाई

इससे पहले कुछ जनहित याचिकाएं दायर कर घटना के 11 दोषियों की समय पूर्व रिहाई को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट बिलकिस बानो की याचिका पर 13 दिसंबर को सुनवाई करेगा। बिलकिस बानो ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान उसके साथ हुए गैंगरेप और परिवार के सात सदस्यों की हत्या मामले के 11 दोषियों को रिहा करने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी है। जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ बानो की याचिका पर विचार कर सकती है। 15 अगस्त को दोषियों की रिहाई के खिलाफ अपनी याचिका में बानो ने कहा कि राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से निर्धारित कानून की आवश्यकता को पूरी तरह अनदेखा करते हुए आदेश पारित किया है। बिलकिस ने याचिका में कहा कि घटना की पीड़ित होने के बावजूद उन्हें दोषियों की समय पूर्व रिहाई या माफी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।

ये याचिकाएं नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमेन, माकपा सदस्य सुभाषिनी अली, पत्रकार रेवती लाल, सामाजिक कार्यकर्ता रूपरेखा वर्मा और तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने दायर की थीं। गुजरात सरकार ने यह कहते हुए दोषियों की रिहाई और माफी का बचाव किया था कि उन्होंने जेल में 14 साल काट लिए हैं और इस दौरान उनका व्यवहार अच्छा रहा है। सरकार ने यह भी कहा था कि उसने 1992 के माफी नीति के तहत इन 11 दोषियों की रिहाई पर फैसला लिया है। इन दोषियों की रिहाई का फैसला 10 अगस्त, 2022 को लिया गया था।

गुजरात सरकार की माफी का आदेश निर्धारित कानूनों का पूरी तरह उल्लंघन है।

ये कैसी सजा! छात्र से स्कूल ने लिखवाया 'मैं शैतान हूं', मां को भी घंटों धूप में बैठाया

शिवपुरी, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक स्कूल ने अपने छात्र को अजीब सजा दी, उससे लिखवाया गया कि मैं शैतान हूं, मुझसे सब परेशान हैं। इतना ही नहीं छात्र की मां को भी स्कूल बुलाकर तीन घंटे तक धूप में बिठाए जाने का आरोप भी लगाया गया है। अब परिजनों ने बाल कल्याण समिति को दर्ज कराई है। स्कूल संचालक को नोटिस जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार मामला शिवपुरी शहर के गुरुनानक स्कूल का है। आरोप है कि यहां क्लास 9 में पढ़ने वाले छात्र को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। मामले में बाल कल्याण समिति ने शिकायत मिलने के बाद स्कूल संचालक को नोटिस जारी किया गया है।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर चलती कार में महिला से छेड़छाड़

आरोपियों ने 10 महीने की बच्ची को फेंका, उसे बचाने महिला भी कूदी

मुंबई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई से सटे पालघर में कुछ लोगों ने चलती कार में महिला से छेड़छाड़ की। खुद को बचाने महिला ने कार से छलांग लगा दी। मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर हुई इस घटना में उसकी 10 महीने की बच्ची की मौत हो गई। महिला का आरोप है कि आरोपियों ने उसकी बच्ची को चलती कार से बाहर फेंका था, जिससे उसकी मौत हो गई। जबकि महिला खुद बुरी तरह घायल है। पालघर में मांडवी पुलिस स्टेशन में घटना की शिकायत दर्ज हुई है। पुलिस ने कार ड्राइवर विजय कुशवाह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है पीड़ित महिला अपना बयान बार-बार बदल रही है। उसने 3 बार बयान बदला है, ऐसे में मामले की गहन जांच करने की आवश्यकता है। वह घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी भी खंगाल रही है। पीड़ित ने पुलिस को दिए बयान में कहा- मेरे पीछे बैठा आदमी बार-बार हाथ लगा रहा था। यहां-वहां छू रहा था। मैंने विरोध किया तो उसने मेरे हाथ से बच्ची को छीनकर बाहर फेंक दिया। उसे बचाने के लिए मैं कूद गई। मुझे पता नहीं किसने उसे बाहर फेंका, कार में पीछे 3 लोग बैठे थे। मुझे पता नहीं वो कौन थे।

'गरीब लोग आर्थिक तंगी के कारण

अदालत तक नहीं पहुंच पाते हैं न्यायिक प्रणाली सभी के लिए समान है'- जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय

कोलकाता, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के शिक्षक भर्ती घोटाले पर अपने फैसलों और टिप्पणियों के लिए राष्ट्रीय सुर्खियों में रहने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने शनिवार को कहा है कि वह गरीब लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए अलग तरीके से काम करते हैं. दार्जिलिंग के सिलीगुड़ी में एक निजी लॉ कॉलेज के समारोह में कहा, मेरे काम करने का तरीका कुछ अलग है. मेरा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि न्याय प्रणाली और न्याय का लाभ समाज के गरीब और पिछड़े वर्गों तक पहुंचे. न्याय उनका अधिकार है और मैं उसी उद्देश्य के साथ काम करता हूं. कई गरीब लोग हैं जो आर्थिक तंगी के कारण अदालत तक नहीं पहुंच पाते है लेकिन न्यायिक प्रणाली सभी के लिए समान है.

जस्टिस गंगोपाध्याय ने टीएमसी को दी थी चेतावनी

जस्टिस गंगोपाध्याय तब सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने कोर्ट में चुनाव आयोग को टीएमसी की मान्यता रद्द करने और उनका लोगो रद्द करने का आदेश देने की चेतावनी दी थी. न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय की टिप्पणियों की तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कड़ी आलोचना की है. टीएमसी नेता ने कहा कि जस्टिस गंगोपाध्याय सेवानिवृत्ति के बाद अपनी राजनीतिक चालों को सुचारू बनाने के लिए काल्पनिक छवि पेश करने की कोशिश कर रहे है. शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े अलग-अलग मामलों को हैंडल करते हुए जस्टिस गंगोपाध्याय बार-बार अपरंपरागत रास्ते पर चल रहे थे. यहां तक कि शिक्षकों की भर्ती घोटाले की जांच कर रही सीबीआई के अधिकारियों को भी जांच की धीमी गति के लिए कई बार उनके गुस्से का सामना करना पड़ा था.

2014 में हुआ था शिक्षक भर्ती घोटाला

शिक्षक भर्ती घोटाला 2014 का है. तब पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन (एससी) ने पश्चिम बंगाल में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती निकाली थी. यह भर्ती प्रक्रिया 2016व में शुरू हुई थी. उस वक्त बंगाल में पार्थ चटर्जी शिक्षा मंत्री थे. शिक्षक भर्ती में गड़बड़ी की कई शिकायतें कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल हुई थी.

अंबाला कैंट में युवती का छीना मोबाइल

ऑफिस से वापस लौट रही थी घर

अंबाला, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला कैंट में स्नैचरों के हौसले बुलंद हैं। दिन-दहाडे छीना-झपटी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। नकाबपोश 2 बदमाश ड्यूटी से वापस घर लौट रही युवती का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। युवती ने अंबाला कैंट थाना पुलिस को शिकायत सौंप कार्रवाई की मांग की है। अंबाला कैंट के धर्मपुरा मोहल्ला निवासी हेरिका भारद्वाज ने बताया कि वह अंबाला कैंट में ही प्राइवेट नौकरी करती है। शनिवार शाम करीब साढ़े 5 बजे वह ऑफिस से अपने वापस पैदल-पैदल अपने घर जा रही थी।

तमिलनाडु-आंध्र में कहर बरपाने के बाद कमजोर पड़ा मैंडूस

पांच की मौत, हजारों प्रभावित

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। चक्रवाती तूफान 'मैंडूस' ने तमिलनाडु के तट पर टकराने के बाद कहर बरपाया। इसके प्रभाव के कारण तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश हुई। वहीं, तेज रफ्तार हवाओं के कारण कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में तूफान के कारण हुई घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है और हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी।

तिरुपति में सबसे अधिक 258 मिमी बारिश दर्ज

चक्रवात के असर के कारण शनिवार को, आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में केवीबी पुरम मंडल में सबसे अधिक 258 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के साथ-साथ तमिलनाडु के कई अन्य हिस्सों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं। खराब मौसम के कारण चेन्नई एयरपोर्ट पर 10 से अधिक उड़ानों को रद्द करना पड़ा।

हालांकि, अब मैंडूस ने कमजोर पड़ना शुरू कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को एक बयान में कहा कि चक्रवात मैंडूस उत्तर तमिलनाडु और उसके असापास पड़ोस में निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर हो गया है। आईएमडी ने कहा कि मैंडूस पिछले छह घंटों के दौरान लगभग पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ गया। अब इसके लगभग पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ने और धीरे-धीरे और कमजोर होने की संभावना है।

'डॉटी' तीन शावकों के साथ निकली जंगल की सैर पर, एक साथ चार बाघ देखना रोमांचकारी

उमरिया, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में बाघों के लिए प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में रोमांचित करने वाला सामना आया है। यहां की फेमस टाइग्रेस डॉटी अपने तीन शावकों के साथ जंगल की सैर पर निकला। पर्यटकों ने एक साथ चार बाघ देखे तो वे रोमांचित हो उठे और इस सीन को उन्होंने कैमरों में कैद कर लिया। टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश में टूरिस्ट बाघों को निहारने दूर-दूर से पहुंचते हैं। जहां बाघों को देखे जाने की संभावना ज्यादा रहती है, उन जगहों में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व भी शामिल है। बीते दिन मगधी जोन में सफारी में गए पर्यटकों की टाइगर देखने की ख्वाहिश पूरी हो गई। एक साथ चार बाघ देखना रोमांचकारी अनुभव रहा। बाघिन डॉटी अपने तीन शावकों के साथ जंगल में सैर में निकली थी कि पर्यटकों की नजर टाइगर फैमिली पर पड़ गई।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर फारुक अब्दुल्ला बोले

'हमारे सरकारी कर्मचारी बहुत दबाव में काम कर रहे हैं'

जम्मू, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने एक बार फिर कश्मीर को लेकर बयान दिया है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि वो बयान दे रहे हैं। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद फारूक की राजनीतिक जमीन खत्म हो गई है। वो तलाश में रहते हैं कि कैसे भी करके केंद्र सरकार को घेरते रहे। इसलिए आए दिन वे किसी न किसी बात को लेकर सरकार को घेरते रहते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मानवधिकार दिवस पर उन्होंने एक बयान दिया है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के सर्वांगीण विकास का विचार तब तक सार्थक नहीं हो सकेगा, जब तक उनके बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता।

कश्मीर को कौन कर रहा है इस्तेमाल

उन्होंने कहा कि मानवाधिकार अपरिहार्य हैं और हर व्यक्ति की गरिमा में निहित हैं। श्रीनगर से लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर दिए अपने संदेश में कहा, "सत्तारूढ़ गठबंधन ऐसा आख्यान देकर राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक सीढ़ियां चढ़ने के लिए जम्मू-कश्मीर का इस्तेमाल कर रहा है, जो जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाता है।"

युवाओं को लेकर कही ये बड़ी बात

उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं को नौकरी देना तो दूर की बात है, जम्मू-कश्मीर से जुड़े मामलों पर नियंत्रण रखने वाली केंद्र सरकार ने सैकड़ों नौकरीपेशा युवाओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। अब्दुल्ला ने कहा, "एक भी चयन प्रक्रिया ऐसी नहीं है, जो किसी घोटाले के रूप में समाप्त न हुई हो।

प्रेस की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है

हमारे सरकारी कर्मचारी बहुत दबाव में काम कर रहे हैं। इस सरकार द्वारा श्रम अधिकारों का व्यापक अधिग्रहण हम सभी के लिए चिंता का मुख्य विषय है।

दोस्त जेल गया तो जमानत कराने का लालच देकर 'दोस्त' ने किया उसकी पत्नी से रेप

इंदौर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर के चंदन नगर थाना क्षेत्र के राजकुमार नगर में एक दोस्त ने ही अपने दोस्त की पत्नी से रेप की घिनौनी वारदात को अंजाम दे डाला. यहां एक शादीशुदा महिला से उसके पति के जेल जाने के बाद पति के दोस्त ने दुष्कर्म किया. इस मामले में आरोपी के दो दोस्तों ने भी मदद की. पुलिस ने दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन मुख्य आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर है. इंदौर पुलिस मुख्य आरोपी की तलाश में कई जगह दबिश डाल रही है, ताकि दोस्ती के नाम पर कलंक इस दगाबाज दोस्त को गिरफ्तार करके सजा दिलाई जा सके.

बेलागवी सीमा विवाद पर भड़के आदित्य ठाकरे, बोले

'असंवैधानिक' शिंदे सरकार स्टैंड नहीं ले पा रही

मुंबई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद का मुद्दा थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले को लेकर शिंदे और ठाकरे गुट के बीच लगातार जुबानी जंग जारी है। ठाकरे गुट के कई नेता शिंदे सरकार को घरने में लग गए हैं। इसी क्रम में आज आदित्य ठाकरे का भी बयान सामने आया है। आदित्य ठाकरे ने कहा है कि मामला सुप्रीम कोर्ट में है, इसे वहीं सुलझाना चाहिए, हिंसा नहीं होनी चाहिए। 'असंवैधानिक' तरीके से बनी शिंदे सरकार स्टैंड नहीं ले पा रही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों भाजपा शासित राज्य हैं, केंद्र को हस्तक्षेप करना चाहिए। इसके अलावा ठाकरे ने मुंबई में बढ़ते प्रदूषण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि शिंदे सरकार इस मामले पर भी खामोश है। जनसरोकार से जुड़े मसले पर उचित कदम उठाने की जरूरत है लेकिन शिंदे सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है।

जानें क्या है दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद

बेलगावी सीमा विवाद या बेलगांव सीमा विवाद कर्नाटक और महाराष्ट्र के भारतीय राज्यों के बीच एक विवाद है। वर्तमान में बेलगावी कर्नाटक का एक जिला है, लेकिन ब्रिटिश भारत में, वर्तमान गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ क्षेत्रों के साथ, बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था। 1881 की जनगणना में बेलागवी जिले में 864,014 निवासियों की आबादी दर्ज की गई थी। उनमें से 556,397 (64.39 प्रतिशत) कन्नड़ भाषी थे और 225,008 (26.04 प्रतिशत) मराठी बोलते थे। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के साथ, पूर्व बॉम्बे प्रेसीडेंसी का बेलागवी जिला बॉम्बे राज्य का हिस्सा बन गया। 1956 में, राज्य पुनर्गठन अधिनियम ने बेलगावी जिले को नवगठित मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) में शामिल कर लिया। इसने बेलागवी को अपने बहुसंख्यक मराठी भाषियों के साथ कन्नड़-बहुसंख्यक कर्नाटक के भीतर रखा। इसके बाद से ही दोनों राज्यों में मतभेद शुरू हो गया।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 12 दिसंबर, 2022

सु वि चा र

अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाओ और इसके बाद अपनी सारी शारीरिक और मानसिक ताक जो ईश्वर ने तुम्हें दी है उसमें लगा दो।

सीबीआई ने कविता से 7 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दिल्ली शराब घोटाला मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता से हैदराबाद में उनके आवास पर सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। सीबीआई अधिकारियों की एक टीम भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के बंजारा हिल्स स्थित आवास पर उनका बयान दर्ज करने पहुंची। सुबह करीब 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच एक महिला सहित अधिकारी दो वाहनों में पहुंचे और तभी से पूछताछ जारी थी। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान लंच ब्रेक भी था। सीबीआई अधिकारियों के आने से पहले कविता के घर के आसपास सुनसान था। एमएलसी ने अपने समर्थकों और बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं से वहां इकट्ठा न होने का अनुरोध किया था। भीड़ इकट्ठा न हो इसके लिए बेरिकेड्स लगाए गए थे। बीआरएस सूत्रों ने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि इसे सीबीआई जांच में बाधा पैदा करने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। सीबीआई ने कविता को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 160 के तहत नोटिस देकर उनसे स्पष्टीकरण मांगा था। सीबीआई ने अपने नोटिस में उल्लेख किया था कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 14 अन्य के खिलाफ आबकारी नीति से संबंधित आरोपों के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय में निदेशक प्रवीण कुमार राय से प्राप्त लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था।

सीबीआई के नोटिस में कहा गया है, "विषय उद्धृत मामले की जांच के दौरान, कुछ तथ्य सामने आए हैं, जिनसे आप परिचित हो सकते हैं, इसलिए ऐसे तथ्यों पर आपकी जांच आवश्यक है।" दिल्ली शराब नीति घोटाले में कारोबारी अमित अरोड़ा को रिमांड पर लेने के लिए बुधवार को दिल्ली की एक अदालत में ईडी द्वारा दायर रिमांड रिपोर्ट में 30 नवंबर को कविता का नाम सामने आया था। हालांकि कविता ने शुरू में 6 दिसंबर को उनसे मिलने के सीबीआई के अनुरोध पर सहमति जताई थी। हालांकि, बाद में उन्होंने एजेंसी को एक पत्र लिखकर केंद्रीय गृह मंत्रालय से शिकायत की प्रतियां और प्राथमिकी मांगी थी। जवाब में सीबीआई ने उन्हें बताया कि एफआईआर और शिकायत की कॉपी वेबसाइट पर उपलब्ध है। कविता ने 5 दिसंबर को अपने जवाब में केंद्रीय एजेंसी को बताया कि उसने प्राथमिकी की सामग्री, आरोपी व्यक्तियों की सूची और शिकायत की सामग्री को ध्यान से देखा है लेकिन पाया कि उसका नाम किसी भी तरह से शामिल नहीं है। उन्होंने केंद्रीय एजेंसी को बता दिया था कि वह 6 दिसंबर को उनसे मिलने की स्थिति में नहीं हैं और वैकल्पिक तारीखों का प्रस्ताव दिया था। सीबीआई ने 6 दिसंबर को कविता को सूचित किया कि एक टीम 11 दिसंबर को हैदराबाद में उनके निवास का दौरा करेगी और मामले की जांच के संबंध में उनकी पूछताछ और बयान दर्ज करेगी। केंद्रीय एजेंसी ने उनसे उक्त तिथि और समय पर उपलब्धता की पुष्टि करने को कहा था। कविता ने उसी दिन अपनी उपलब्धता की पुष्टि करते हुए उसी दिन एक उत्तर भेजा।

सीबीआई की पूछताछ के बाद अपने समर्थकों को विजय चिन्ह दिखाती हुई एमएलसी. कविता।

सीबीआई पूछताछ से पहले कविता के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में रविवार को केंद्रीय जांच ब्यूरोद्वारा तेलंगाना राष्ट्र समितिएमएलसी के कविता से पूछताछ के घंटों पहले उनके आवास के पास सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस ने उसके आवास के पास बैरिकेड्स लगा दिए हैं और किसी को भी उसके घर के पास जाने की अनुमति नहीं है। टीआरएस सूत्रों के मुताबिक, पार्टी कार्यकर्ताओं को टीआरएस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा निर्देश दिया गया है कि वे अनावश्यक रूप से आवास पर इकट्ठा न हों। सूत्रों ने कहा कि हम एजेंसी के साथ पूरा सहयोग करेंगे। सीबीआई द्वारा टीआरएस नेता से पूछताछ के एक दिन पहले, हैदराबाद में "लड़ाकू की बेटी कभी नहीं डरेगी" के नारे के साथ कई पोस्टर देखे गए थे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता ने 6 दिसंबर को कहा था कि वह दिल्ली आबकारी नीति मामले के संबंध में 11 दिसंबर को सुबह 11 बजे अपने आवास पर पूछताछ के लिए उपलब्ध रहेंगी।

कविता से सीबीआई की पूछताछ के पीछे बड़ी साजिश : भाकपा

खम्मम, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव के. संबाशिव राव ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में बीआरएस एमएलसी के. कविता से पूछताछ करने के सीबीआई के कदम के पीछे एक साजिश का संदेह जताया। उन्होंने रविवार को यहां मीडिया से कहा कि मामले में एमएलसी से सीबीआई की पूछताछ जांच नहीं, बल्कि साजिश लगती है। उन्होंने मामले की पारदर्शी जांच की मांग की। बीआरएस विधायकों की खरीद-फरोख्त की असफल कोशिश के बाद भाजपा ने ईडी और सीबीआई जांच तेज कर दी है। संबाशिव राव ने आरोप लगाया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार मामले के संबंध में बेशर्म टिप्पणी कर रहे हैं और उनकी पार्टी राजनीतिक दल-बदल को बढ़ावा देने के लिए धमकियों का सहारा ले रही है।

उन्होंने कहा कि सीबीआई को किसी भी राज्य में जांच करने के लिए संबंधित राज्य सरकार से पूर्व अनुमति लेनी होगी। उन्होंने सवाल किया कि बिना सरकार की अनुमति के सीबीआई कैसे जांच कर सकती है।

भाजपा पर सभी केंद्रीय एजेंसियों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए, भाकपा नेता ने जानना चाहा कि विभिन्न मामलों में शामिल कितने भाजपा नेताओं पर ईडी ने छापे मारे। केंद्र ईडी और सीबीआई के छापे के रूप में हमलों का सहारा ले रहा है जब विपक्ष अपनी विफलताओं पर सवाल उठा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व हिमाचल प्रदेश में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में निर्वाचित हुए कांग्रेस विधायकों को छिपाने के स्तर तक गिर गया है और देश में लोकतंत्र को नष्ट करने वाले दोहरे मानकों को बनाए हुए है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र बीआरएस नेता नामा नागेश्वर राव, गंगुला कमलाकर, वदिराजू रविचंद्र और च मल्ला रेड्डी को निशाना बना रहा है। दूसरी ओर, केंद्र आर्थिक अपराधियों विजय माल्या और ललित मोदी के खिलाफ कार्रवाई में देरी कर रहा है।

कागजनगर में बाघ को बाइक ने टक्कर मारी, चलक घायल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क पर कूदते कुत्तों को टक्कर मारने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार लोगों का घायल होना लगभग एक नियमित घटना है, लेकिन कागज़नगर मंडल के इरफ़ान नगर के एक बिजली मिस्त्री मोहम्मद ताहिर को जीवन भर याद रहेगा कि रविवार को वह कैसे घायल हो गया। हंसापुर और अनुषापुर गांवों को जोड़ने वाली वन सड़क के साथ यात्रा करते समय उसके रास्ते में कोई कुत्ता या भैंस नहीं आया, बल्कि एक बड़ा पूर्ण विकसित बाघ था!

ताहेर, जिन्हें मामूली चोटें आईं और थोड़ी देर बाद आए एक अन्य मोटर चालक की मदद से कागजनगर के एक अस्पताल में पहुंचने में कामयाब रहे, ने मीडिया को बताया कि वह दोपहर 2.30 बजे के आसपास जंगल की सड़क पर एक मोड़ पर गुजर रहे थे जब बाघ अचानक सामने आ गया। हालांकि ताहेर ने अचानक ब्रेक लगाया, लेकिन वह बाघ से टकरा गया और बाइक से गिर गया।

टाइगर अचानक मोड़ पर मेरी बाइक के सामने आ गया और मेरे ब्रेक लगाने के दौरान ही गाड़ी से जा टकराया। यह वाहन पर कूद गया और भाग गया, उन्होंने कहा 'टक्कर' के बाद उन्होंने बाघ को नहीं देखा। ताहिर के हाथ और पैर में मामूली चोटें आई हैं, जिनका उपचार किया गया और बाद में उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वन अधिकारियों ने कहा कि कागजनगर के जंगलों में रहने वाला एक बाघ कई बार मैदानी इलाकों में घूम रहा था। इसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।

एजेंसी के लोग पीएलजीए सप्ताह समारोह से दूर रहे : एसपी

कोत्तागुडेम, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक डॉ. विनीत ने कहा कि प्रतिबंधित भाकपा-माओवादी पार्टी ने एजेंसी के लोगों से पत्रक और पोस्टर के माध्यम से बड़े पैमाने पर पीएलजीए सप्ताह मनाने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने इस कॉल को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने रविवार को यहां एक बयान में कहा, तेलंगाना के गांवों में जनता ने आदिवासियों के खिलाफ माओवादियों द्वारा किए गए अत्याचारों को महसूस किया है और नक्सलियों द्वारा तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमाओं पर आयोजित बैठकों से दूर रही है। एसपी ने कहा कि माओवादी आदिवासियों के विकास में बाधक बन गए हैं और वे अपनी असामाजिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आदिवासियों को मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर छत्तीसगढ़ के जंगलों में छिपे हुए हैं। तेलंगाना राज्य माओवादी समिति के नेता छत्तीसगढ़ के जंगलों में बैठकर विभिन्न तरीकों से आदिवासी लोगों, ठेकेदारों और किसानों से उनके ऐशो-आराम की जिंदगी के लिए पैसे वसूल रहे थे। नाबालिग लड़के-लड़कियों को जबरन पार्टी में भर्ती करने के माओवादी नेताओं के प्रयास विफल हो रहे थे। पार्टी के निचले स्तर के कैडर के खिलाफ शीर्ष माओवादी नेताओं द्वारा दिखाए गए भेदभाव को देखते हुए, कई नक्सलियों ने पहले ही पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

तेलंगाना में अपनी उपस्थिति महसूस कराने के लिए नक्सली उन एजेंसी क्षेत्रों में बूबी ट्रैप, बारूदी सुरंगें और प्रेशर माइन लगा रहे थे, जहां आदिवासी और मवेशी घूमते हैं और इस तरह उनके जीवन के लिए खतरा बन रहे हैं। डॉ. विनीत ने कहा कि तेलंगाना में माओवादी पार्टी का अध्याय समाप्त हो गया है।

अयप्पा दीक्षा से बढ़ती है आध्यात्मिकता, भक्तों में सेवा भाव : किशन

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज केशव मेमोरियल कॉलेज में आयोजित महा पदीपूजस्वम कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मंत्री पिछले 22 वर्षों से कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि अयप्पा दीक्षा का पालन करने वालों में आध्यात्मिकता और सेवा भावना बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि लाखों भक्त कार्तिक मास के महीने में दीक्षा लेकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव का स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि वह पिछले 22 वर्षों से कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और कहा कि अयप्पा स्वामी का आशीर्वाद हमेशा तेलंगाना राज्य के लोगों पर रहेगा। किशन रेड्डी और उनकी पत्नी ने भोजन परोसा।

स्वास्थ्य मंत्री ने अलेयर के डायलिसिस सेंटर का औचक निरीक्षण किया

यादाद्री-भोंगिर, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश रावने रविवार को महावीर जैन फ़ाउंडेशन की मदद से अलेयरसरकारी अस्पतालमें बनाए गए 10-बेड वाले डायलिसिस सेंटर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने डायलिसिस सेंटर के कर्मचारियों और मरीजों से बातचीत की और वहां उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। जब डॉक्टरों ने उनके संज्ञान में लाया कि जैन फाउंडेशन केंद्र में 20 और बिस्तर जोड़ने के लिए तैयार है, तो उन्होंने आश्वासन दिया कि सोमवार को इसकी अनुमति देने के लिए एक शासनादेश जारी किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वह जल्द ही केंद्र का दौरा करेंगे और डॉक्टरों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

लोगों के लिए मर मिटने को तैयार : बंडी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने केसीआर को बताया देश का सबसे धनी व्यक्ति

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव देश के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। रविवार को बीआरएस पार्टी एमएलसी के. कविता के साथ सीबीआई अधिकारियों की बैठक का जिक्र करते हुए, बंडी ने कहा कि सीबीआई अधिकारी उनकी आलीशान हवेली को देखकर हैरान रह गए। अपनी चल रही प्रजा संग्राम पदयात्रा के 13वें दिन कोरुटला विधानसभा क्षेत्र के मोहनरावपेट गांव के निवासियों के साथ बातचीत करते हुए संजय ने आरोप लगाया कि सीएम ने सार्वजनिक समस्याओं को उठाने और उनके समाधान की मांग करने के लिए उन्हें खुलेआम जान से मारने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि वह लोगों के लिए मर मिटने को तैयार हैं, अगर मुख्यमंत्री डबल बेड रूम मकानों के निर्माण, कृषि ऋण माफी, बेरोजगारी मजदूरी, दलित और गिरिजन बंधु योजनाओं जैसे अपने वादों को पूरा करते हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि वे पिछले एक साल से उनके लिए पदयात्रा कर रहे हैं और कहा कि किसी चुनाव को ध्यान में रखकर उनकी पदयात्रा नहीं की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह वोट मांगने के लिए लोगों से नहीं मिल रहे हैं। संजय ने आरोप लगाया कि केसीआर ने बीड़ी श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया और गरीब लोग रोजगार की तलाश में खाड़ी देशों में जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खाड़ी के श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और राज्य सरकार छह महीने बाद भी खाड़ी के एक श्रमिक के मृत शरीर को वापस लाने में विफल रही, जिसकी वहां मृत्यु हो गई थी। संजय ने दावा किया कि वह केंद्र की मदद से व्यवस्था करके खाड़ी के श्रमिकों के 500 शवों को वापस लाए। उन्होंने लोगों को यह भी आश्वासन दिया कि वे खाड़ी के श्रमिकों के कल्याण के लिए एक विशेष नीति लेकर आएंगे। संजय ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केसीआर ने राज्य में डबल बेडरूम घर नहीं बनाए, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम आवास योजना के तहत राज्य को 2.4 लाख घर आवंटित किए। सरकारी रिक्तियों के बारे में, उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर रिक्त पदों को नहीं भर रहे हैं और कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने हाल ही में बेरोजगार युवाओं को केंद्र सरकार की 1.46 लाख नौकरियां प्रदान की हैं।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का विकास जल्द : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली/हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे मंत्रालय ने तेलंगाना में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का विकास करने के लिए चयन किया है। इसका चयन स्टेशनों के प्रमुख उन्नयन योजना के तहत किया गया है। इसके पुनर्विकास के वास्ते निविदा प्रदान कर दी गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तेलंगाना राष्ट्र समिति के राज्यसभा सदस्य दामोदर राव दिवाकोंडा के सवाल में यह जानकारी दी। गौरतलब है कि दिल्ली स्थित फर्म गिरधारी लाल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के उन्नयन का ठेका मिला है। लगभग आठ फर्मों ने उस बोली में भाग लिया जिसमें दिल्ली स्थित फर्म ने अनुबंध जीता। परियोजना की अनुमानित लागत 699 करोड़ है। इसे 36 महीने की अवधि में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर औसतन लगभग 200 ट्रेनें प्रतिदिन 1.8 लाख यात्रियों के आने-जाने के साथ संचालित होती हैं। आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए रेल यात्रियों की सुविधाओं का उन्नयन करने की खातिर हैदराबाद रेलवे स्टेशन को चिन्हित किया गया था। पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से रेलवे स्टेशनों की संयुक्त विकास योजना के तहत इस स्टेशन का विकास किया और कार्य पूरा हो गया है। श्री वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा तेलंगाना राज्य में हैदराबाद, काचेगुडा और बेगमपेट स्टेशनों के विकास के लिए, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन करने के वास्ते चिह्नित किया गया है।

चक्रवात प्रभाव से हैदराबाद में हुई बारिश

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और उसके बाहरी इलाकों में रविवार को रुक-रुक कर बारिश हुई, जिससे दिन के तापमान में और गिरावट आई। शुक्रवार को तमिलनाडु तट को पार करने वाले चक्रवाती तूफान मांडौस के प्रभाव में शहर में सुबह से हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। तेलंगाना की राजधानी और आसपास के जिलों में पिछले कुछ दिनों से छाए काले बादलों और बूंदाबांदी ने मौसम में ठंडक बढ़ा दी है। ज्यादातर लोगों ने घर के अंदर ही रहना पसंद किया। बशीरबाग, लिबर्टी, हिमायत नगर, नारायणगुडा, लकड़ी का पुल, नामपल्ली, कोटी, सुल्तान बाजार, सैदाबाद, चपापेट, सरूरनगर और राजेंद्रनगर जैसे इलाकों में बारिश हुई। इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने अगले तीन दिनों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान लगाया है। आईएमडी हैदराबाद केंद्र के अनुसार, तेलंगाना के कुछ जिलों में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है। तमिलनाडु तट को पार करने के बाद, मंडौस अवसाद में कमजोर हो गया और उत्तर आंतरिक तमिलनाडु और आसपास के दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और उत्तर केरल में कम चिन्हित क्षेत्रों में आगे बढ़ गया।

ड्रग नियंत्रण पर पुलिस विभाग का विशेष ध्यान

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस विभाग, जो कानून और व्यवस्था के रखरखाव में अन्य राज्यों में पुलिस बलों के लिए एक रोल मॉडल बन गया है, एक नया प्रोत्साहन पाने के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को नई भर्तियां करके इसे मजबूत करने और अपराध को नियंत्रित करने के लिए नई तकनीक को लागू करने का फैसला किया। पहले चरण में विभिन्न विंगों में लगभग 4,000 पदों को भरा जाएगा। यहां प्रगति भवन में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर रावकी अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में बढ़ती तकनीक, बदलती सामाजिक परिस्थितियों और अपराध के बदलते पैटर्न को देखते हुए अपराध को नियंत्रित करने के लिए नई तकनीक को अपनाने की आवश्यकता पर विचार किया गया। इसमें गांजा सहित मादक पदार्थों के प्रतिकूल प्रभाव पर चर्चा की गई, जो न केवल युवाओं के भविष्य को नष्ट कर रहे थे बल्कि अंततः कानून और व्यवस्था की समस्या भी बन रहे हैं।

नशीली दवाओं के उन्मूलन और संबंधित अपराधों को रोकने के लिए, पुलिस विभाग के भीतर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की स्थापना पहले ही की जा चुकी है। इसके अलावा, कैबिनेट ने हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा कमिश्नरेट, कमांड कंट्रोल सेंटर, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और तेलंगाना साइबर सेफ्टी ब्यूरो के तहत विभिन्न श्रेणियों में 3,966 पदों को भरने का फैसला किया है। गृह विभाग को भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

इसके अलावा, कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार के साथ-साथ हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा आयुक्तालयों में पुलिस संचालन को मजबूत करने के लिए नए पुलिस थानों, नए हलकों और नए मंडलों की स्थापना के लिए मंजूरी दी गई।

एनसीसी की 'यूनिटी फ्लेम रन' वनपर्ती पहुंची

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी के प्लेटिनम जुबली समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित की जा रही 'यूनिटी फ्लेम रन' को 20 नवंबर को कन्याकुमारी से हरी झंडी दिखाई गई और यह देश के सभी राज्यों में 3000 किमी की दूरी तय करेगी। 22 तारीख को तेलंगाना राज्य के वानापर्थी शहर में प्रवेश किया। आशीष सांगवान, वानापर्ती जिले के अतिरिक्त कलेक्टर ने कर्नल राव, कमांडिंग ऑफिसर, 8 तेलंगाना एनसीसी बटालियन के साथ दौड़ में हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और एनसीसी कैडेट मौजूद थे और उन्होंने टीम को बधाई दी। 30 एनसीसी कैडेट्स टीम के साथ 1 किमी तक दौड़े। श्री सांगवान ने अपने संबोधन में कैडेटों को जीवन में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कैडेटों को जिला प्रशासन द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों का हिस्सा बनने का भी सुझाव दिया। मशाल लेकर चलने वाले अल्ट्रा रनर कर्नल कृष्ण सिंह बधवार ने टीम का भव्य स्वागत करने के लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस, मेडिकल स्टाफ, एनएचएआई स्टाफ, कमांडिंग ऑफिसर 8 एनसीसी तेलंगाना बटालियन, ग्रामीणों और अन्य लोगों को धन्यवाद दिया। इससे पहले कर्नल झा ने कर्नल बधवार के सैन्य जीवन और अल्ट्रा रनर की उपलब्धियों के बारे में बताया। कैडेट्स दौड़ का हिस्सा बनकर खुश थे।

जेडीयू के खुले अधिवेशन में गरजे नीतीश कुमार

कहा- भाजपा ने साजिश करके हमारे विधायकों को हराया, जनता लेगी हिसाब

पटना, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। जेडीयू के खुला अधिवेशन रविवार को पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में शुरू हो गया है। पार्टी के खुला अभिवेशन में नेशनल एजेंडा पर चर्चा की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी, राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा के साथ पार्टी के सभी बड़े और कदावर नेता इसमें मौजूद हैं। कार्यक्रम में सीएम के पहुंचने से पहले ही, 'देश का पीएम कैसा हो, नीतीश कुमार जैसा हो' के नारे से पूरा हॉल गुंज गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी पर जमकर हमला किया है। उन्होंने कहा कि जनता 2024 में बीजेपी से हिसाब लेगी।

2020 चुनाव में भाजपा ने की साजिशः सीएम

सीएम नीतीश कुमार ने बीजेपी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 2020 के चुनाव में जदयू ने बीजेपी का पूरा साथ दिया। मगर उन्होंने साजिश करके हमारे प्रत्याशी हो ही हराने का काम किया। 2005 से लगातार हमारे विधायकों की संख्या बीजेपी विधायकों से ज्यादा रही है। चुनाव में खड़े प्रत्याशियों ने खुलकर बीजेपी के साजिश की बात कही है। बीजेपी वाले कुढ़नी में जीत पर खुश हैं। मगर हिमाचल और अन्य जगह पर मिली हार की चर्चा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने अपने नेताओं से अपनी की कि अगर कहीं कोई गड़बड़ी की सूचना मिले तो शिकायत करें। ताकि उसकी जांच पड़ताल करके आगे की कार्रवाई की जा सके।

एकजूट रहें, जीतेंगे ज्यादा सीट

खुला अधिवेशन में नीतीश कुमार ने कहा कि सभी एकजुट रहें। अगर एकजुट रहेंगे तो 2024 में ज्यादा से ज्यादा सीट जीतेंगे। इस बार थर्ड फ्रंट नहीं मुख्य फ्रंट बनकर काम करेंगे। अगर हमारी सलाह दूसरे राजनीतिक दल मानेंगे तो वो भी निश्चित रुप से बीजेपी को हराने में मदद करेंगे। नहीं तो वो अपने स्तर से कोशिश करते रहें। मुख्यमंत्री ने सुशील मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी में कुछ पद पाने के लिए मेरे खिलाफ उलटा-पुलटा बोलतें रहते हैं। ये लोग झंझट करवाकर विभेद पैदा करवाना चाहतें हैं।

निकाय चुनाव का फूंका बिगुल

नए यूपी के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार की जरूरत

वाराणसी, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को वाराणसी पहुंचे। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित कर स्थानीय नगर निकाय चुनाव का बिगुल फूंका। अपने संबोधन में उन्होंने व्यापारी, उद्यमियों और प्रबुद्धजनों से कहा कि काशी में निवेश की संभावना तलाशें। मुख्यमंत्री ने नए भारत के नए यूपी बनाने के लिए डबल इंजन के साथ ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने में सहयोग करने को कहा। स्थानीय नगर निकाय चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने को कहा।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के साथ ही ट्रिपल इंजन की सरकार की जरूरत है। ताकि केंद्र और प्रदेश की सरकार के विकास कार्यक्रम को स्थानीय स्तर पर भी उसी तरह से लागू किया जा सके। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यूपी में हुए विकास कार्यों और काशी में हुए विकास कार्यों की उपलब्धियां बताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश की संसद में काशी का प्रतिनिधित्व दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। यह गर्व की बात है कि इसी काल में भारत ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पछाड़ दिया है। हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। आज जी-20 सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर रहा है।

लखीमपुर खीरी कांडः मुख्य गवाह के भाई पर तलवार से हमला

आशीष मिश्र के करीबी पर आरोप

लखीमपुर खीरी, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया हिंसा में किसानों की हत्या के केस में गवाह के भाई ने खुद पर विपक्षियों की तरफ से जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। उधर आरोप है कि तहरीर देने के बावजूद भी न तो थाना प्रभारी राजू राव ने तहरीर ली और न ही घायल का मेडिकल करवाया।

कोतवाली क्षेत्र के कल्होरी गांव निवासी सर्वजीत सिंह 25 पुत्र अंग्रेज सिंह ने शनिवार को पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 9 दिसम्बर की रात 10 बजे के करीब अपने मित्र के यहां मुंडन संस्कार की पार्टी में शामिल होने शिवा पैलेस गया था। आरोप है कि उसका भाई तिकुनिया हिंसा में गवाह है। जहां विपक्षी और मुख्य आरोपी आशीष मिश्र मोनू का खास आदमी विकास चावला पहले से ही मौजूद था। जो कि उससे रंजिश रखता है। आरोप है कि विकास ने

जैसे ही उसे पार्टी में देखा तभी उसने अपने अन्य साथियों के साथ एक तलवार लेकर आ गया और गाली गलौज करते हुए तलवार से हमला कर दिया। मामले में घायल सर्वजीत सिंह के भाई प्रभुजीत सिंह जो कि तिकुनिया हिंसा में गवाह भी है, उसने बताया कि शनिवार को थाने में तहरीर दी लेकिन प्रभारी थाना राजू राव ने न तो तहरीर ली और न ही मुकदमा दर्ज कराया। यहां तक कि मेडिकल भी नहीं करवाया। मजबूरन गंभीर हालत में उन्हें घायल भाई को लखीमपुर के निजी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। उधर, कोतवाली प्रभारी राजू राव का कहना है कि उन्हें तहरीर ही नहीं मिली है।

मोबाइल फटने से झुलसा मासूम

मोबाइल पर गेम खेलने के दौरान हुआ हादसा, हाथ और मुंह में लगी चोट

मथुरा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा में मोबाइल पर गेम खेलते समय अचानक मोबाइल फट गया। हादसे में 13 साल का बच्चा झुलस गया। उसके हाथ और मुंह पर चोट आ गई। घायल अवस्था में बच्चे को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। शहर कोतवाली इलाके में स्थित मेवाती मोहल्ले में एक घर से विस्फोट की आवाज आई। आवाज सुनकर जब लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि वहां पर मोबाइल फटा था और उस मोबाइल पर गेम खेल रहा बच्चा घायल है। परिजन और मोहल्ले के लोग तत्काल बच्चे को लेकर अस्पताल लेकर पहुंचे।

मेवाती मोहल्ला के रहने वाले मोहम्मद जावेद ने बताया कि उनका 13 वर्षीय बेटा मोहम्मद जुनैद मोबाइल पर गेम खेल रहा था। घर के अंदर गेम खेलते समय अचानक मोबाइल फट गया।

एसटीएफ ने तीन हथियार तस्करों को किया अरेस्ट

बस को एनएच के बीच खड़ी कर कार को रोका, तलाशी के दौरान बरामद हुआ हथियार

बेगूसराय, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में एसटीएफ लगातार हथियार तस्कर के खिलाफ एक्शन मोड में काम कर रही है। बिहार पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और बेगूसराय पुलिस को शनिवार की देर रात बस स्टैंड के पास कार्रवाई की है। एसटीएफ की टीम ने नगर थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास मोतिहारी जिला के निवासी तीन हथियार तस्करों को हथियार और गोली सहित गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार हथियार तस्करों से पुलिस के वरीय अधिकारी लगातार पूछताछ में जुटे हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मोतिहारी जिला निवासी अमु कुमार, अजीत कुमार और परमेश्वर गिरी शामिल है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटना एसटीएफ-एसओजी- 1 को सूचना मिली थी कि हथियार तस्कर बड़े पैमाने पर हथियार लेकर बेगूसराय के रास्ते से क्रॉस करने वाले हैं। सूचना

मिलते ही एसटीएफ की टीम एक्टिव हुई और एनएच-31 पर सादे ड्रेस में छिपकर घेराबंदी किया। इसी दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि खगड़िया की ओर से कार से आ रहे तस्कर बेगूसराय बस स्टैंड के पास अब पहुंचने वाले हैं।

इसके बाद एसटीएफ की टीम ने टाइगर मोबाइल और स्थानीय थाना के सहयोग से फिल्मी स्टाइल में बस को एनएच पर लगवा दिया और कार को रोका। इसके बाद कार में जांच के दौरान 7.65 एमएम के दो पिस्टल, चार देशी पिस्तौल एवं 7.65 एमएम की 20 गोली बरामद की गई।

4 जिलों का तापमान 10 डिग्री से नीचे

गया का पारा गिरकर 7.8 डिग्री पहुंचा, औरंगाबाद, भागलपुर और बांका में भी बढ़ी कनकनी

पटना, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के 4 जिलों में 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं पटना के न्यूनतम तापमान में 0.5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। शनिवार के दिन गया सबसे ठंडा शहर आ यहां का न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। फिलहाल बिहार के 4 जिलों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे है। इसमें गया का 7.8 डिग्री, भागलपुर का 9.5 डिग्री, बांका का 9.1 डिग्री और औरंगाबाद जिले का तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बता दें कि मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ों पर हुई बर्फबारी का असर अब बिहार में भी देखने को मिल रहा है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवा बिहार में ठंड बढ़ा रही है। इसी कारण से बिहार में कई जिलों का पारा तेजी से गिर रहा है। शनिवार को गया सबसे ठंड शहर रहा। यहां 7.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा पटना में 10.8, बांका 9.1, पूर्णिया में 12.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा। मौसम विभाग का

कहना है कि प्रदेश में पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवा बिहार में ठंड बढ़ा रही है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले साल की तुलना में इस साल अधिक ठंड पड़ने की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि इसका दो वजह है। पहला वजह यह है कि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो चुका है प्रदेश में पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवा बिहार में ठंड बढ़ा रही है। वही दूसरी वजह यह है कि इस साल मानसून की वापसी सामान्य समय से 10 दिन बाद हुई थी। वहीं मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल पिछले साल की तुलना में अधिक ठंड पड़ने की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि मौसम में बदलाव होने के कारण सर्दी खांसी और बुखार होने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। ऐसी में मौसम के इस बदलते दौर में लोगों को अपनी तबीयत का भी ख्याल रखना बेहद ही जरूरी हो जाता है। डॉक्टरों के अनुसार इस बदलते मौसम में रहन-सहन और खान-पान में बदलाव की सलाह दी जाती है। उनका कहना है कि मौसम के इस बदलते दौर में इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है जिसके कारण से सर्दी खांसी और जुकाम होना आम बात है। ऐसे में लोगों को अपने रहन-सहन खान-पान पर ध्यान देना चाहिए।

इधर, कोहरे की वजह से ट्रेनों और विमानों का लेट होने का सिलसिला शुरू हो गया है। वहीं शनिवार के दिन पटना से लगभग 8 ट्रेनें लेट रहीं।

जबकि करीब 6 विमान लेट से गए और आए भी। बता दे कि पटना एयरपोर्ट पर मुंबई दिल्ली बेंगलुरु से आने वाली फ्लाइट काफी देरी से पहुंची।

भागलपुर में भीषण आग

केमिकल फटने से स्थिति हुई भयावह, तीन दमकल के साथ फायर बिग्रेड के कर्मी पहुंचे

भागलपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। भागलपुर के तातारपुर थाना क्षेत्र के गोलाघाट चौक के पास एक मकान में आग लग गयी है। देखते ही देखते आग भयावह रूप ले लिया। आग लगने का कारण शर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि मकान में रहने वाले सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गये है। बताया जा रहा है कि आग बेकाबू होने से पहले ही मनीष अपने परिवार के साथ घर के बाहर निकल गये। मनीष गोलाघाट निवासी रंजन रूटगा के मकान में पिछले तीन साल से किराये पर रह रहे है। मनीष ने बताया रविवार की सुबह करीब सवा नौ बजे कमरे में शार्ट सर्किट हो गया। जिससे रूप में आग लग गयी। आनन फानन में किचन से गैस सिलेंडर को बाहर फेंक दिया। इसके बाद फायर बिग्रेड को इसकी सूचना दी। धीरे धीरे आग डीयू में लगना आरंभ हो गया। डीयू आग के चपेट में आते ही तेज आवाज के साथ फटने लगा। इससे निकलने वाला केमिकल के संपर्क में आकर आग और तेज हो गया। आग के साथ तेज धुआं से स्थिति भयावह होने लगी। आग की वजह से मकान का छज्जा भी गिरने लगा। सूचना पर तीन दमकल वाहन के साथ फायर बिग्रेड कर्मी पहुंच कर आग बुझाने में जुट गये है। केमिकल की वजह से लगी आग को काबू करने वाला यंत्र भी लेकर फयर ब्रिगेड के कर्मी पहुंचे है। करीब दो घंटे के बाद दमकल के तीनों वाहन का पानी खत्म हो गया। अंत में दो और वाहन को बुलाना पड़ा।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

तीन युवकों की मौत, छानबीन में जुटी पुलिस

हरदोई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। हरदोई जिले में पिहानी थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां जहानीखेड़ा रोड पर ग्राम पंडरवा किला के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। हादसे को लेकर मृतकों के परिजनों में मातम छाया हुआ है। हरियावां थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर मजरा जरेली निवासी राज कुमार राजगीरी करता था। बब्लू और संजय उसके साथ मजदूरी करते थे। तीनों जहानीखेड़ा में रात को टाइल्स लगाकर रविवार की सुबह वापस गांव लौट रहे थे। पिहानी-जहानीखेड़ा मार्ग पर सुबह लगभग सात बजे उनकी बाइक में सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे एक ही बाइक पर सवार राजकुमार (35) पुत्र हाकिम, बब्लू (40) पुत्र जगदीश और संजय (30) पुत्र राम नरेश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी होने पर सुबह परिजन मौके पर पहुंचे। इसके बाद घटना स्थल पर काफी भीड़ जमा हो गई। इससे यातायात बाधित होने लगा। सूचना पाकर कोतवाल वेणी माधव त्रिपाठी और कस्बा चौकी प्रभारी रजनीश त्रिपाठी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित कर यातायात सुचारू करवाया। पुलिस टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन के बारे में छानबीन कर रही है। साथ ही, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है।

निलंबन के बाद अब राजगीर में सीओ गिरफ्तार

सरकारी जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाने का मामला

नालंदा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। नालंदा के राजगीर में पदस्थापित अंचल अधिकारी संतोष कुमार चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पैसों के लालच में रेलवे सहित कई सरकारी जमीनों का फर्जी दस्तावेज बनाकर हेराफेरी करने के मामले में इसी महीने निलंबित किए गए संतोष चौधरी को जिलाधिकारी शशांक शुभंकर के आदेश पर शनिवार को नालंदा पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

संतोष कुमार चौधरी पर कई सरकारी जमीन का दाखिल खारिज फर्जी कागजातों के आधार पर करने का आरोप है। राजगीर में रेलवे, जिला परिषद, धार्मिक न्यास परिषद आदि की जमीन का मामला सामने आ चुका है। इसके अलावा हसनपुर मठ की जिस जमीन को लेकर भारी मारकाट हुई थी, सीओ ने उसके दाखिल खारिज की भी स्वीकृति दी थी। पिछले महीने नालंदा डीएम ने राजगीर के अंचलाधिकारी संतोष कुमार चौधरी पर विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की थी। डीएम ने सरकारी प्रावधान के तहत चौधरी के खिलाफ प्रपत्र 'क' गठित किया था। हेराफेरी का यह मामला सामने आने पर दो राजस्व कर्मी का निलंबन हुआ था, जबकि एक को बर्खास्त कर दिया गया था।

गर्लफ्रेंड के महंगे शौक पूरे करने के लिए व्यापारी से लूटे 15 लाख रुपये, दो गिरफ्तार किए गए

लखनऊ, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। किराना व्यापारी नीरज गुप्ता से 15 लाख की लूट के दो आरोपियों को आलमबाग पुलिस व क्राइम टीम ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। जेसीपी क्राइम नीलाब्जा चौधरी के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी राजा मिश्रा व जवाहर भवन में संविदाकर्मी विशाल पाल है। पूछताछ में राजा ने बताया कि गर्लफ्रेंड के महंगे खर्च पूरे करने के लिए लूट करता था। पूछताछ में राजा ने बताया कि चूड़ी बेचने वाले ने बताया था कि किराना व्यापारी मंगलवार को रकम लेकर जाता है। इसके बाद राजा के साथी ने आठ महीने तक हर मंगलवार नीरज का पीछा किया। इसके बाद ही लूट की वारदात अंजाम दी थी। दोनों के पास से 5.20 लाख नकद, बाइक और अवैध तमंचा बरामद हुआ है।

एएमयू सिटी स्कूल से गायब हुआ 10वीं का कश्मीरी छात्र

अलीगढ़, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के राजा महेंद्र प्रताप सिंह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय सिटी स्कूल में पढ़ने वाले एक कश्मीरी छात्र मसरूर अब्बास मीर के लापता होने से हड़कंप मच गया है। मसरूर 10वीं कक्षा का छात्र है। छात्र की गुमशुदगी के बारे में क्वारसी थाना प्रभारी को पत्र लिखकर अवगत कराया गया है।

मसरूर के लापता होने पर उसके कजीन अनायत अब्बास मलिक ने लिखा, "मेरा चचेरा भाई 8 दिसंबर को सुबह करीब 8 बजे स्कूल के लिए निकला था। वह मेरा एटीएम कार्ड और मोबाइल फोन साथ ले गया था। वह अभी तक स्कूल से वापस नहीं आया है। उसने रामघाट रोड एटीएम में मेरे एटीएम कार्ड से 5,000 रुपये निकाले थे।"

एक पुलिस सूत्र ने बताया कि मसरूर के भाई द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले

एसपी कुलदीप सिंह गुणावत

की जांच शुरू कर दी गई है।

महबूबा मुफ्ती ने भी किया ट्वीट

इस घटना को लेकर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने कहा, "अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दसवीं कक्षा का छात्र मसरूर अब्बास मीर कल सुबह से लापता है। कृपया उसके परिवार की मदद करें।" मुफ्ती के ट्वीट पर अलीगढ़ पुलिस ने जवाब में कहा, "यह छात्र, जिसकी उम्र लगभग 17 वर्ष है, वह राजा महेंद्र प्रताप सिटी हाई स्कूल में कक्षा 10वीं, सेक्शन ए-2 का छात्र है। उसके पास अपने चचेरे भाई का एटीएम कार्ड और मोबाइल फोन था। हमने रेलवे प्लेटफॉर्म की फुटेज ली हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है और लापता छात्र की तलाश जारी है।

पुलिस ने रेलवे स्टेशन की सीसीटीवी फुटेज खंगाली

अलीगढ़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुलदीप सिंह गुणावत ने कहा, "मसरूर अब्बास मीर 8 दिसंबर को घर से निकला था। उसके चचेरे भाई ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के बाद लापता छात्र द्वारा रामघाट रोड एटीएम से पैसे निकाले जाने की पुष्टि हुई है।" उन्होंने आगे बताया, "8 दिसंबर का सीसीटीवी फुटेज रेलवे स्टेशन से एकत्र किया गया है। फुटेज में लापता लड़का खुलेआम घूमता दिख रहा है।" अलीगढ़ पुलिस ने रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज को ट्विटर पर साझा किया है और आगे की जांच जारी है।

बीजेपी की जीत के लिए प्रशांत किशोर ने महागठबंधन को ठहराया जिम्मेदार

बोले- भ्रष्टाचार से तंग आ गए लोग

पटना, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के कुढ़नी उपचुनाव में बीजेपी की जीत के लिए राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने महागठबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि यहां बीजेपी की जीत दिखाती है कि लोगों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके महागठबंधन को लेकर गुस्सा है।

प्रशांत किशोर इस समय राज्य की 3,500 किलोमीटर लंबी पदयात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों के साथ बातचीत के दौरान पता चला कि वे बिहार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं।

राज्य में भ्रष्टाचार से तंग आ गए हैं लोगः प्रशांत किशोर

शुक्रवार (9 दिसंबर, 2022) को मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) के घोड़ासहन क्षेत्र में पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, "लोग 'महागठबंधन' सरकार के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। मैं पिछले कई दिनों से लोगों के साथ बातचीत कर रहा हूं। उससे मैं पूरे विश्वास के साथ

कह सकता हूं कि वे राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं। कुढ़नी उपचुनाव का परिणाम नीतीश कुमार के खिलाफ लोगों के गुस्से को दिखाता है।"

उन्होंने दावा किया, "चुनाव से पहले कुढ़नी में अपने चुनाव अभियान के दौरान लोगों ने गुस्से में विरोध प्रदर्शनों के साथ नीतीश कुमार का अभिवादन किया। जैसे ही नीतीश कुमार कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो प्रदर्शनकारियों ने हंगामा किया, उनके खिलाफ नारेबाजी की और कुर्सियां उठाकर फेंकने लगे, मुख्यमंत्री के खिलाफ लोगों का यह गुस्सा बढ़ भी सकता है। देखा गया है कि मुख्यमंत्री राज्य के एक छोटे से गांव में भी सुरक्षा गार्ड के बिना नहीं जा सकते।"

प्रशांत किशोर 2018 में जद (यू) में शामिल हुए थे और दो साल बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। वह इस समय अपने जन सुराज अभियान के तहत पूरे बिहार में पैदल यात्रा कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य लोगों से जुड़ना है।

बिहार की कुढ़नी विधानसभा सीट पर 5 दिसंबर को उपचुनाव हुआ था, जिसके नतीजे 8 दिसंबर को जारी किए गए। इस सीट पर बीजेपी के केदार प्रसाद गुप्ता ने जीत दर्ज की है। उन्होंने जेडीयू को 3645 वोटों से हराया है। बीजेपी को 76,653 और जेडीयू को 73,008 वोट मिले हैं।

आपकी गाड़ी शराब तस्करी में तो नहीं!

दौड़ रही कार के मालिक को पटना से नोटिस- थाने में कार जब्त है

सहरसा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। आपकी गाड़ी बिहार या देश में कहीं दौड़ रही हो और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) में दर्ज पते पर नोटिस आए- आपकी गाड़ी फलां तारीख को फलां जगह पर शराब तस्करी के दौरान जब्त की गई है। आप क्या करेंगे? तत्काल कुछ समझ में नहीं आएगा, क्योंकि उत्पाद विभाग एक-दो नोटिस भेजने के बाद निलामी की प्रक्रिया में आगे बढ़ जाएगा। यही डर सहरसा जिला के सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के बघवा निवासी प्रणव राय को परेशान किए हुए है। प्रणव राय ने पुलिस और मद्य निषेध विभाग को पहली ही नोटिस पर बता दिया कि उनकी कार उनके पास है, लेकिन एक बार फिर नोटिस आ गया। उत्पाद न्यायालय वरीय उप समाहर्ता पटना के कार्यालय से वाहन अधिहरण वाद के तहत जिला मुख्यालय के कहरा ब्लॉक रोड में कंप्यूटर कोचिंग चलाने वाले प्रणव राय ने दोबारा नोटिस आने के बाद अब मुख्यमंत्री से गुहार लगाई गई है। नंबर पहली नजर में फर्जी नहीं पकड़ा जाए,

इसलिए शराब तस्करों ने उसी कंपनी की गाड़ी का नंबर प्लेट लगाया था। पटना पुलिस ने शराब तस्करी में 30 मई को जब्त गाड़ी को बिहटा थाने में रखा और आरसी का रिकॉर्ड निकाला। रिकॉर्ड में गाड़ी के नंबर (बीआर 19 पी 0817) से मेक का मिलान किया गया और आरसी में दिए पते पर नोटिस भेज दिया गया। इस दरम्यान यह नहीं देखा गया कि मूल गाड़ी का रंग सफेद है, जबकि जब्त फर्जी नंबर प्लेट वाली कार का रंग भूरा। पहली बार जब नोटिस मिला तो प्रणव राय ने मद्य निषेध विभाग व अन्य को 29 सितंबर को आवेदन भेज न्याय की गुहार लगाई।

प्रणव के आवेदन की अनदेखी करते हुए 10 नवंबर 2022 की तारीख से दोबारा नोटिस भेजा गया, जो अब मिला है।

दादी से कुंडल लूट का प्रयास करने वाले बदमाश मुठभेड़ में घायल

पैर में लगी गोली, पोती ने दिखाया था साहस

मेरठ, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ के लाल कुर्ती क्षेत्र अंतर्गत मैदा मोहल्ले में शनिवार शाम महिला से कुंडल लूट का प्रयास करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ में धर दबोचा। शनिवार शाम 5 बजे बाइक सवार दो बदमाशो द्वारा कुंडल लूटने की घटना को अंजाम दिया गया था, जिससे संबंधित एक वीडियो भी वायरल हो गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए अनावरण करने के लिए थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

टीम द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और सीसीटीवी की मदद से बदमाशों को शहर के बुचड़ी रोड के पास घेर लिया। खुद को घिरा देखकर बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षा में की गई फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। बदमाशों के नाम शिवम और सचिन हैं जिनके द्वारा घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। पुलिस ने घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया है जहां इनसे पूछताछ की जा रही है।

लालकुर्ती छोटा बाजार में शनिवार शाम बाइक सवार दो बदमाशों ने बुजुर्ग महिला संतोष देवी के दोनों कुंडल लूट लिए। इसके बाद पोती रिया ने साहस दिखाया और बदमाशों से भिड़ गई। उसने बदमाशों को सड़क पर गिरा दिया और उनसे एक कुंडल भी वापस ले लिया, लेकिन मौका पाते ही बदमाश फरार हो गए। वारदात के समय रिया शोर मचाते हुए बदमाशों से जूझती रही और लोग तमाशबीन बने रहे। यदि लोग समय पर मदद करते तो बदमाश पकड़े जा सकते थे। यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस फुटेज के आधार पर जांच करने में जुटी थी। मैदा मोहल्ला छोटा बाजार निवासी वरुण ने बताया कि उनकी ताई संतोष देवी (80) निवासी तिबड़ा रोड मोदीनगर शनिवार शाम 5 बजे अपनी पोती रिया (22) के साथ उनके घर आ रही थीं। दोनों ई-रिक्शा से छोटा बाजार उतरने के बाद घर की ओर पैदल आ रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश आए और संतोष देवी के कानों पर झपट्टा मारते हुए दोनों कुंडल लूट लिए। इससे महिला के दोनों कान फट गए। यह देख पोती रिया बदमाशों से उलझ गई।

हिमाचल सीएम सुक्खू की चौंकाऊ सियासी पारी

वीरभद्र ने पहली बार मंत्री नहीं बनाया 2012 में जीत नहीं पाए, अब सीधे मुख्यमंत्री बने

हमीरपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल के नए सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू की पहचान एक ऐसे नेता के रूप में है, जो हमेशा सत्ता के खिलाफ संघर्ष की वजह से चर्चा में रहा। सुक्खू प्रदेश में अपनी ही पार्टी, कांग्रेस की सरकार के खिलाफ भी सड़कों पर उतर चुके हैं। 6 बार हिमाचल के सीएम रहे वीरभद्र सिंह और सुक्खू के बीच हमेशा 36 का आंकड़ा रहा। हमीरपुर जिले की नादौन सीट से 5 बार चुनाव लड़कर सुक्खू 4 बार विधानसभा पहुंचे। वह पहली बार 2003 में विधायक बने। तब वीरभद्र की अगुवाई में कांग्रेस ने सरकार बनाई, लेकिन सुक्खू को कैबिनेट में जगह नहीं मिली। 2007 में सुक्खू लगातार दूसरी बार जीते, मगर राज्य में बहुमत बीजेपी को मिला। 2012 के चुनाव में कांग्रेस ने जीतकर वीरभद्र की अगुवाई में फिर सरकार बनाई, लेकिन सुक्खू तब हार गए थे। वर्ष 2017 में सुक्खू जीते, लेकिन कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला, इसलिए उन्हें विपक्ष में बैठना पड़ा। अब 2022 में चौथी बार विधायक बने सुक्खू सीधे मुख्यमंत्री की शपथ लेने जा रहे हैं।

वीरभद्र के सामने सिर्फ सुक्खू ही टिक पाए

वीरभद्र सिंह जब तक रहे, हिमाचल कांग्रेस में सिर्फ उनकी चली। 6 बार प्रदेश के सीएम रहे वीरभद्र के दबदबे के आगे हाईकमान भी एक हद तक ही दखल दे पाता था। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखराम से लेकर सत महाजन, विद्या स्टोक्स और विप्लव ठाकुर जैसे नेता भी उनके आगे हथियार डालने को मजबूर हो गए, लेकिन सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कभी हार नहीं मानी। पार्टी संगठन में ग्रास रूट से शुरुआत करने वाले सुक्खू ने कई नेताओं को आगे बढ़ाया। इसकी वजह से पार्टी संगठन में उनके समर्थक हमेशा से रहे। इन्हीं के बूते सुक्खू ने कभी वीरभद्र सिंह के आगे हार नहीं मानी। इस बार कांग्रेस के जो 40 विधायक जीते हैं, उनमें से 18 ऐसे हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत सुक्खू के नेतृत्व में ही की।

अपनी ही सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे

पार्टी संगठन के लिए अलग तरह की सोच और वर्किंग के कारण सुक्खू हमेशा हाईकमान के फेवरेट रहे। जिस समय प्रदेश में वीरभद्र सिंह की तूती बोला करती थी, तब इकलौते सुक्खू ऐसे नेता थे, जो यूथ कांग्रेस में अपने समर्थकों के बूते हमेशा उन्हें चुनौती देते रहे। वह कई बार अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे। उस समय पार्टी में बैलेंस बनाए रखने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने सुक्खू को हमेशा आगे बढ़ाया। हिमाचल में कांग्रेस में सुक्खू इकलौते ऐसे नेता रहे, जो एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के अलावा पीसीसी अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचे।

कॉलेज से स्टार्ट की पॉलिटिक्स

हमीरपुर जिले में नादौन एरिया के सेरा गांव में 26 मार्च 1964 को जन्मे सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपनी पढ़ाई शिमला से की। शिमला के संजौली सरकारी कॉलेज में पढ़ाई के दौरान सुक्खू ने स्टूडेंट पॉलिटिक्स में कदम रखा। कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी (एचपीयू) से पोस्ट ग्रेजुएशन और एलएलबी की। यूनिवर्सिटी में सुक्खू कॉलेज छात्र संघ के महासचिव और अध्यक्ष रहे।

सुखराम ने आगे बढ़ाया, हाईकमान के विश्वासपात्र बने

केंद्रीय मंत्री रहे हिमाचल कांग्रेस के दिग्गज पंडित सुखराम ने सुखविंदर सिंह सुक्खू को राजनीति में आगे बढ़ाया। गांधी परिवार की करीबी विद्या स्टोक्स और विप्लव ठाकुर की मदद से वह राजीव गांधी के संपर्क में आए और धीरे-धीरे गांधी परिवार के विश्वासपात्र बन गए। पंडित सुखराम की बदौलत सुक्खू वर्ष 1989 से 1995 तक एनएसयूआई की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1999 से 2008 तक वह हिमाचल प्रदेश यूथ कांग्रेस के प्रमुख रहे। 2008 में वह पहली बार हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के सेक्रेटरी बनाए गए। वर्ष 2012 में प्रदेश में वीरभद्र सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने के एक साल के अंदर, 2013 में हाईकमान ने सुक्खू को हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बना दिया। वह 2019 तक पीसीसी प्रधान रहे। 28 अप्रैल 2022 को कांग्रेस हाईकमान ने सुक्खू को हिमाचल विधानसभा चुनाव के लिए गठित प्रचार समिति का अध्यक्ष बनाया।

चार भाई-बहन, बेटियां कर रहीं डीयू में पढ़ाई

चार भाई-बहनों में सुखविंदर सिंह सुक्खू दूसरे नंबर पर हैं। उनके बड़े भाई राजीव सेना से रिटायर हुए हैं। दो छोटी बहनें हैं जिनकी शादी हो चुकी है। 11 जून 1998 को सुखविंदर सिंह सुक्खू की शादी कमलेश ठाकुर से हुई। उनकी दो बेटियां हैं जो दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर रही हैं।

10 साल बाद सीएम की कुर्सी फिर हमीरपुर में

सुखविंदर सिंह सुक्खू के रूप में हमीरपुर जिले का दूसरा नेता मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचा है। सुक्खू कांग्रेस से ताल्लुक रखते हैं। इससे पहले हिमाचल के ही प्रेम कुमार धूमल दो बार राज्य के मुख्यमंत्री बने जो बीजेपी से रहे। 10 साल बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी फिर हमीरपुर जिले के पास आ गई है।

हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री

कड़क मिजाज पत्रकार से नेता बने, सोनिया-राहुल और वीरभद्र के करीबी; 5वीं बार जीतकर विस पहुंचे

शिमला, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल की ब्यूरोक्रेसी को अब संभल कर रहना होगा। प्रदेश में नई सरकार आ गई है। इस सरकार में पहली बार अफसरशाही को मुख्यमंत्री के साथ डिप्टी सीएम के तेवर भी देखने होंगे। कांग्रेस ने मुकेश अग्निहोत्री के रूप में एक कड़क मिजाज पत्रकार रहे शख्स को उप मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी है। उद्योग मंत्री का दायित्व हो या नेता प्रतिपक्ष की भूमिका, अग्निहोत्री हर मोर्चे पर तेज-तर्रारी के साथ मुखर रहे। अब वह प्रदेश के पहले डिप्टी सीएम बने हैं। बतौर नेता प्रतिपक्ष वह हमेशा अफसरशाही के बीजेपी सरकार पर हावी रहने के आरोप लगाते रहे। ऐसे में अब अग्निहोत्री के सामने चुनौती रहेगी कि वह किस तरह से ब्यूरोक्रेसी को टैकल करते हैं।

सीट बदलने के बाद भी जीतते आ रहे चुनाव

मुकेश अग्निहोत्री इस बार हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले की हरोली विधानसभा सीट से 5वीं बार जीतकर एमएलए बने। उन्होंने पहली बार वर्ष 2003 में संतोषगढ़ सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा और विजयी हुए। दूसरी बार 2007 में भी वह चुनाव जीते। वर्ष 2012 के चुनाव में डीलिमिटेशन के बाद संतोषगढ़ ऊना हलके में आ गया और हरोली नया विधानसभा क्षेत्र बना। मुकेश तीसरी दफा मुकेश हरोली सीट से भी चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे। वीरभद्र सिंह ने उन्हें अपने मंत्रिमंडल में बतौर उद्योग मंत्री शामिल किया। इसके बाद वर्ष 2017 में भाजपा सत्ता में आई। इसमें मुकेश अग्निहोत्री को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वह कांग्रेस सरकार में संसदीय कार्य, सूचना एवं जनसंपर्क और श्रम एवं रोजगार विभाग की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

पिता की अधूरी राजनीतिक पारी को संभाला

मुकेश अग्निहोत्री को राजनीतिक पृष्ठभूमि विरासत में मिली है। उनके पिता पंडित ओंकार चंद शर्मा ऊना के बड़े कांग्रेस नेताओं में शुमार रहे। वर्ष 1993 के दौरान मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने उन्हें हिमाचल प्रदेश एग्रो पैकेजिंग का उपाध्यक्ष बनाया था। पंडित ओंकार चंद शर्मा को 1998 में संतोषगढ़ सीट से कांग्रेस टिकट भी मिला था, मगर वह भाजपा के जयकिशन शर्मा ने चुनाव हार गए। बाद में मुकेश अग्निहोत्री ने अपने पिता की हारी सीट से जीतना शुरू किया और आज तक जीत ही रहे हैं।

पंजाब में जन्मे, हिमाचल में पढ़े-लिखे

मुकेश अग्निहोत्री का जन्म पंजाब के संगरूर में 9 अक्टूबर 1962 को हुआ। उनकी प्राइमरी शिक्षा ऊना जिले में हुई। बाद में उन्होंने मैथ्स में एमएससी की डिग्री ली। इसके अलावा पब्लिक रिलेशन में पीजी डिप्लोमा किया है।

करीब 20 साल पत्रकार रहे

जनसंपर्क में डिप्लोमा करने के बाद अग्निहोत्री ने पत्रकारिता को अपनाया। उन्होंने ऊना, शिमला व दिल्ली तक में एक पत्रकार के तौर पर करीब 20 साल काम किया। इसी दौरान दिल्ली में उनकी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी से भी नजदीकी रही। शिमला में वीरभद्र सिंह के साथ भी उनके नजदीकी संबंध थे। ऐसे में वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में वीरभद्र सिंह ने ऊना की संतोषगढ़ सीट से मुकेश अग्निहोत्री को कांग्रेस का टिकट दिलवाया। वह चुनाव जीते भी और उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। लगातार 5वीं बार विधानसभा में पहुंचने के बाद उन्हें डिप्टी सीएम का पद मिला।

हरियाणा में बढ़ रहा कैंसर

केंद्र ने चेताया, दो साल में 1632 बढ़े मरीज; माउथ, ब्रेस्ट और गर्भाशय के ज्यादा मामले

चंडीगढ़, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में जानलेवा कैंसर बढ़ रहा है। केंद्र सरकार ने राज्य को चेताते हुए यह आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम (एनसीआरपी) के तहत राज्य में दो सालों में कैंसर के 1632 मरीज बढ़े हैं। इनमें माउथ, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के ज्यादा मामले सामने आए हैं।

2020 में 29,219 आए केस

एनसीआरपी के जारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में हरियाणा में 29,219 कैंसर के मामले सामने आए थे। इसके बाद 2022 में कैंसर के मामलों में 1632 की वृद्धि के साथ 30851 दर्ज किए गए। डराने वाली बात यह है कि राज्य में कैंसर से मृत्यु दर में भी इजाफा हुआ है। 2020-2022 के बीच दो सालों में 888 लोगों की कैंसर से मौत हुई है।

पड़ोसी राज्यों से ज्यादा सुविधाएं

कैंसर से लड़ाई के लिए जरूरी सुविधाओं की बात करें तो हरियाणा में पंजाब और हिमाचल प्रदेश से ज्यादा सेवाएं हैं। हरियाणा में कैंसर कोशिकाओं को मारने के लिए तीव्र ऊर्जा के बीम का उपयोग करके रेडियोथेरेपी जैसी 26 सुविधाएं हैं। जबकि पंजाब में ऐसी 16 और हिमाचल प्रदेश में सिर्फ 3 सुविधाएं ही शामिल हैं।

केंद्र ने दिए 1000 करोड़

कैंसर से लड़ने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरियाणा को 1024.14 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसके साथ ही अंबाला कैंट नागरिक अस्पताल में थर्ड स्टेज का देखभाल केंद्र खोलने जा रही है। झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान भी केंद्र सरकार की मदद से ही राज्य में तैयार हो रहा है।

रोहतक में बुजुर्ग से 1.81 करोड़ की ठगी:निवेश के नाम पर ट्रांसफर करवाते गए पैसे

रोहतक, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में बुजुर्ग से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने निवेश के नाम पर रुपए लिए और करीब 10 गुना अधिक रुपए वापस करने का झांसा दिया था। जिसके बाद बुजुर्ग से 1 करोड़ 81 लाख 77 हजार 129 रुपए ठग लिए। अब आरोपियों के मोबाइल नंबर भी बंद आ रहे हैं। रोहतक की डीएलएफ कॉलोनी निवासी करीब 70 वर्षीय अर्जुन देव दुआ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वे मैकेनिकल इंजीनियर की प्राइवेट नौकरी करते थे। वहीं उनकी पत्नी शकुंतला देवी पीजीआई से 2016 में सेवानिवृत्त है। उन्होंने लाइफ इंश्योरेंस की पॉलिसी ली हुई है। पॉलिसी में मोबाइल नंबर भी दर्ज करवाया हुआ है।

प्रेमी को महंगे गिफ्ट देने के लिए प्रेमिका ने पड़ोसी के घर में डाला डाका

मुंबई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई से सटे नालासोपारा से एक अजीबो गरीब घटना सामने आई जहां एक 21 साल की प्रेमिका ने अपने प्रेमी की चाहत को पूरा करने के लिए अपने ही पड़ोसी के घर डाका डाल दिया. नालासोपारा पूर्व के एवरशाइन सिटी के रश्मी गार्डन निवासी शिकायतकर्ता दिव्या सुरेश पटेल ने 23 नवंबर को अपने घर में रखे करीब 10 लाख रुपए की नकदी और गहने गायब होने की जानकारी अचोले पुलिस को दी थी. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की थी. पुलिस को शुरू में परेशानियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों से उन्हें कोई सुराग हासिल नहीं हो सका था. ऐसे में पुलिस ने शिकायतकर्ता से पूछताछ की कि उनके घर में नकदी और सोने के बारे में किसी और को भी जानकारी थी? तब शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने बिल्डिंग में रहने वाली अन्य महिलाओं से अपने घर में रखे सोने को लेकर बात की थी. इसे एक सुराग के तौर पर देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने बिल्डिंग की प्रत्येक महिला की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी. उन्होंने देखा कि एक 21 वर्षीय महिला ने हाल ही में लाखों रुपये का सामान खरीदा था. पुलिस अधिकारियों ने बताया की जांच में उन्होंने पाया की लड़की की आय के स्रोत में कोई बदलाव नहीं हुआ, इसके बावजूद उन्होंने अपने प्रेमी के लिए महंगे फर्नीचर और 1 लाख रुपये की बाइक खरीदी. ऐसे में पुलिस का शक युवती पर गहरा गया.

पुलिस ने जब युवती से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया. गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी युवती से करीब साढ़े चार लाख रुपये बरामद किए हैं, जबकि अन्य नगदी उसने सामानों की खरीदी में खर्च कर दिए. युवती के कबूलनामे और सबूतों के आधार पर पुलिस ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को पुलिस हिरासत में भेज दिया. वहीं, युवती के प्रेमी को सुधार गृह भेजा गया है.

बेंगलुरु में बेकरी मालिक से मारपीट का वीडियो वायरल, पुलिस ने 4 लोगों को किया गिरफ्तार

बेंगलुरु, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में हाल ही में एक बेकरी मालिक पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला किया था. इस घटना का वीडियो सोशल मीडियो पर काफी वायरल हुआ था. वीडियो वायरल होने पर एक्शन में आई पुलिस ने अब हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने इस मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने और लूट के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. घटना से जुड़े वायरल वीडियो में कुछ लड़के बेकरी में काम कर रहे दो लड़कों पर हमला करते दिख रहे हैं. वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने फिलहाल अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी. अब इस मामले में 4 लोगों की गिरफ्तारी हुई है. ये वीडियो को बेंगलुरु के मुन्नेकोल्लाल इलाके में हुई थी. द हिंदू की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हमले की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है. ये हिंसा पूर्व नियोजित थी. जानकारी के मुताबिक दुकानदार के साथ मारपीट करने वाले लोगों ने मारपीट से पहले चाय और सिगरेट का ऑर्डर दिया. बिल भरने के दौरान कहासुनी हो गई, जिसके बाद यह घटना हुई.

अरुणाचल में मिली रेन बैबलर की नई प्रजाति

पक्षी प्रेमियों की टीम को मिली सफलता

ईटानगर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। पक्षी प्रेमियों ने अरुणाचल प्रदेश के उत्तर-पूर्वी इलाके में रेन बैबलर्स की एक नई प्रजाति खोज निकाली है। इसे लिसु रेन बैबलर नाम दिया गया है। बेंगलूरू, चेन्नई और तिरुवनंतपुरम के पक्षी प्रेमियों की टीम ने सबसे पहले इस साल मार्च में चांगलांग जिले के मुगाफी चोटी इस प्रजातियों को देखा। आमतौर पर यह पक्षी म्यांमार, चीन और थाईलैंड में पाया जाता है। अरुणाचल के जंगलों इस पक्षी की खोज के बारे में दक्षिण एशियाई पक्षीविज्ञान (ऑर्निथोलॉजी) शोध पत्रिका इंडियन बर्ड्स में प्रकाशित किया गया। इससे पहले भारत में रेन बैबलर को 1988 में देखा गया था। उस समय की दो तस्वीरें है, जिन्हें अमेरिकी पक्षीविज्ञानी पामेला रासमुसेन ने 2005 में प्रकाशित किताब में शामिल किया है। नई प्रजाति के बारे में खोज दल के सदस्य प्रवीण जे ने कहा, जिन पक्षियों को हमने देखा वे ग्रे-बेलिड रेन बैबलर के विपरीत नगा रेन बैबलर की तरह ही मीठे स्वर में गा रहीं थीं। पक्षियों की कुछ तस्वीरें और वीडियो लेने में कामयाबी मिली, उनकी मधुर आवाज को भी रिकॉर्ड किया गया है। दल के सदस्य दीपू करुथेदाथु ने बताया कि मुगाफी में जिन पक्षियों की तस्वीरें लीं उनके पेट का रंग सफेद था। उन्होंने ग्रे-बेलिड रेन बैबलर की मौजूदा रिकॉर्डिंग व तस्वीरों से मुगाफी की तस्वीरें और आवाज मिलाने की कोशिशें की, लेकिन आकार के अलावा आवाज और रूपरंग में ये पक्षी पूरी तरह अलग हैं। इनके पेट का हिस्सा सफेद है। जब सभी तरह की जानकारियों को जोड़कर देखा गया, तो पता चला कि असल में यह एक नई प्रजाति है। खासतौर पर इसके पंख, पेट का हिस्सा किसी भी मौजूदा ज्ञात प्रजाति से मेल नहीं खाते हैं। नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान से होते हुए चांगलांग जिले के मियाओ से लगभग 82 किलोमीटर दूर लिसू समुदाय के एक गांव विजयनगर के पहाड़ों में दो दिन की चढ़ाई के बाद ही ग्रे-बेलिड रेन बैबलर दिखते हैं। वहीं, यह पक्षी देखने को मिला।

'मन की बात' पर किताब छापने के बहाने पत्रकार ने लोगों से की ठगी, आरोपी पहुंचा सलाखों के पीछे

मुंबई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम पर किताब प्रकाशित करने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है. पुलिस ने इस मामले में एक स्थानीय पत्रकार को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के भाषणों पर किताब छपवाने के नाम पर लोगों से ठगी की थी. हिरासत में लिए गए स्थानीय पत्रकार आलोक तिवारी पर आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम पर किताब प्रकाशित करने के नाम पर लोगों से चंदा ले रहा है. आनंद केशव सिंह नाम के एक व्यक्ति ने पुलिस में इसकी शिकायत की. शिकायतकर्ता का दावा है कि उससे भी 4,001 रुपये वसूले गए हैं. शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि किताब मार्च 2023 में प्रकाशित होगी और इसे देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी किया जाएगा. शिकायत में कहा है कि पत्रकार ने सोशल मीडिया पर झूठी खबर फैलाई कि उसकी किताब का विमोचन राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी.

किसी से नहीं डरती

हिमाचल की अकेली महिला विधायक रीना कश्यप बोलीं- कोई दबा नहीं सकता आवाज

शिमला, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में केवल एक महिला निर्वाचित होकर विधानसभा पहुंची हैं। बीजेपी की रीना कश्यप ने पच्छाद से चुनाव जीता है। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय भाजपा द्वारा महिला सशक्तिकरण नीतियों को दिया है। वह कहती हैं कि उनका काम अभी शुरू हुआ है। पच्छाद सीट प्रदेश का एकमात्र निर्वाचन क्षेत्र था, जहां दो महिला उम्मीदवार मैदान में थीं। उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर लड़ रही पूर्व भाजपा नेता दयाल प्यारी को 3,857 मतों से हराया।

मैं किसी से नहीं डरती- रीना कश्यप

रीना कश्यप ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, "मेरा हमेशा से मानना रहा है कि राजनीति में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बीजेपी सरकार ने पिछले पांच वर्षों में महिलाओं से संबंधित कई योजनाओं की पेशकश की, जो जमीन पर दिखती है। यह न केवल मेरे लिए बल्कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीत है।" बता दें कि राज्य में कुल 27.36 लाख महिला मतदाताओं में से, 21.01 लाख ने अपने मतदान का प्रयोग किया, जो एक रिकॉर्ड है। हिमाचल में पुरुषों ने 20.20 लाख वोट डाले हैं। कुल 24 महिला प्रत्याशी मैदान में थीं। पुरुषों की भरी विधानसभा में अपनी मौजूदगी का एहसास कराने की चुनौती के बारे में रीना कश्यप ने कहा, "मैं अपनी आवाज उठाऊंगी। सदन में और भी भाजपा सदस्य हैं और उनका समर्थन रहेगा। जैसा कि जमीन पर है। यह सदन में भी दिखाई देगा। मैं किसी चीज से नहीं डरती।" हिमाचल में केवल एक विधायक चुनकर विधानसभा पहुंची हैं।

प्रदेश अध्यक्ष इसी इलाके से आते हैं

पच्छाद को बीजेपी का गढ़ माना जाता है, जहां पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप इसी इलाके से आते हैं और पिछली दो बार से इस सीट से जीत हासिल कर चुके हैं। 2019 में उनके सांसद बनने के बाद जिला परिषद सदस्य दयाल प्यारी को 2019 में हुए पच्छाद उपचुनाव के लिए टिकट पाने की दौड़ में सबसे आगे देखा गया था। हालांकि उन्हें टिकट नहीं मिला।

बीजेपी ने उपचुनाव में भी रीना कश्यप पर जताया था भरोसा

जब भाजपा ने पच्छाद उपचुनाव के लिए जिला परिषद सदस्य रीना कश्यप को चुना, तो दयाल प्यारी ने निर्दलीय चुनाव लड़ा। लेकिन कश्यप जीत गईं। हाल के चुनावों में रीना कश्यप ने स्थानीय एससी समुदायों के साथ बातचीत की ताकि उन्हें यह विश्वास दिलाया जा सके कि भाजपा सरकार द्वारा हत्तियों को दिए गए एसटी दर्जे से उनके अधिकार प्रभावित नहीं होंगे।

राजनीति का अपराधीकरण

देश की राजधानी दिल्ली में नगर निगम चुनाव के बाद आए नतीजों के बाद एक बार फिर यह साफ हो गया है कि राजनीति में अपराधीकरण खत्म करने को लेकर बातें चाहे जितनी बडी-बडी की जाए लेकिन हकीकत यही है कि इसे खत्म करने के लिए कोई भी पार्टी गंभीर नहीं है। सार्वजनिक मंचों से आम आदमी पार्टी के नेता यह दावा करते नहीं अघाते कि वे राजनीति को स्वच्छ बनाने के लिए आए हैं, लेकिन मौका मिलते ही वे भी राजनीति के उसी कीचड में उतर जाते हैं जिसकी आशंका अन्ना हजारे ने बहुत साल पहले जाहिर कर दी थी। नगर निगम चुनाव के टिकट वितरण में अपराधियों को भी टिकट देने से परहेज नहीं किया गया। अपराध के आरोपी या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बना कर पार्टी ने कौन-सी स्वस्थ परंपरा को मजबूत किया है। बता दें कि दिल्ली नगर निगम चुनावों में जीते पार्षदों के संदर्भ में 'एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स' यानी एडीआर और 'दिल्ली इलेक्शन वाच' ने जारी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दो सौ अड़तालीस विजेताओं में से बयालीस यानी सत्रह फीसद निर्वाचित पार्षद ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उन्नीस पार्षद गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी हैं। विचित्र तो यह है कि यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय चुनाव दर चुनाव और बढ़ती ही जा रही है। सवाल है कि आए दिन राजनीतिक परिदृश्य को एक स्वच्छ और नई छवि देने से लेकर ईमानदारी का दावा करने वाली पार्टियों और उनके नेताओं के लिए चुनावों के आते ही यह सवाल महत्त्वहीन क्यों हो जाता है? जब यूपी-बिहार व अन्य राज्यों में स्थानीय स्तर पर राजनीति में अपराधियों के दखल को लेकर गंभीर चिंता जताई जाती है तो लोकों को उम्मीद दिखती है कि कम से कम देश की राजधानी दिल्ली में स्वच्छ राजनीति की शुरुआत होगी। लेकिन पिछले कई सालों से होने वाले चुनावों में यह देखा गया है कि दिल्ली में भी जिताऊ उम्मीदवार के चक्कर में पार्टियां अपराधी छवि वाले नेताओं को टिकट दे देती हैं। दिल्ली में फरवरी, 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी एडीआर ने अपने विश्लेषण में चुने गए कम से कम आधे विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज पाए थे। इसमें मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के विधायक थे। अब दिल्ली नगर निगम के चुनावों में भी किसी पार्टी ने उम्मीदवार बनाने के लिए स्वच्छ छवि के व्यक्ति को तरजीह देने की जरूरत नहीं समझी। नतीजतन, जनकल्याण के नारे और वादे के साथ जो उम्मीदवार जीत कर पार्षद बने हैं, वे खुद गंभीर अपराधों के आरोपों से जूझ रहे हैं। जब भी राजनीति के अपराधीकरण का मुद्दा बहस का केंद्र बनता है तो अमूमन सभी दलों ने नेता एक दूसरे से यही कहते झगडते हैं कि हमारी कमीज तुम्हारी कमीज से ज्यादा सफेद है। इस तू-तू, मैं-मैं में एक सार्थक बहस बगैर किसी परिणाम के ही खत्म कर दी जाती है। पार्टियों के वादे व दावे धरे के धरे रह जाते हैं। चुनाव का मौसम आते ही वही राजनीतिक पार्टियां अपना रंग बदल लेती हैं और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों या फिर अपराध के आरोपियों को उम्मीदवार बनाने में कोई हिचक नहीं महसूस करती हैं। अफसोस तो तब होता है कि इस तरह के प्रपंच में वह पार्टी भी शामिल है जिनका राजनीति में उदय ही भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे के खिलाफ अभियान चलाने से हुआ था। लोगों को यह उम्मीद थी कि आप राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त एक नया चेहरा देगी। लेकिन ऐसा लगता है कि लगभग सभी पार्टियों ने यह मान लिया है कि राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के बिना काम नहीं चल सकता। वरना क्या वजह है कि ईमानदार और प्रतिबद्ध आम लोगों से लेकर कार्यकर्ताओं तक की एक श्रृंखला होने के बावजूद किसी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जनता का प्रतिनिधि चुने जाने के लिए स्वच्छ छवि को एक अनिवार्य शर्त बनाना जरूरी नहीं लगता? जिताऊ उम्मीदवार के चक्कर में किसी भी ऐरे-गैरे को टिकट थमा दिया जाता है।

जी-20 बाली से दिल्ली तक

रघु ठाकुर

16 नवम्बर 2022 को जी-20 देशों की इंडोनेशिया के बाली में आयोजित बैठक संपन्न हो गयी। जी-20 समूह की अध्यक्षता एक देश एक वर्ष के लिये करता है, यह एक औपचारिक प्रक्रिया है। अध्यक्षता, से कोई विशेष वैश्विक दर्जा या ताकत नहीं बढ़ती और न ही यह कोई भूतो न भविष्यति है। जी-20, बीस देशों का समूह है जो मुख्यतः व्यापारिक और सामान्य रिश्तों के ऊपर विचार करता है। वैश्विक, सामरिक या कूटनीतिक निर्णय लेने के बारे में इसकी विशेष अहमियत नहीं होती और न ही यह इसकी क्षमता या परिधि में आता है। ग्रुप-20 का अर्थ है 20 देशों का समूह। परन्तु भारत के मीडिया का एक हिस्सा जो निरंतर सत्ता की चापलूसी और अतिरंजित प्रचार में संलग्न रहता है, हर ऐसी घटना को जो दुनिया के स्तर पर कितनी ही सामान्य क्यों न हो उसे विश्व की महान व अभूतपूर्व घटना और भारत के सत्ताधीशों को दुनिया का महानायक बनाने में तल्लीन हो जाता है। समूह 20 को भी ग्रेट 20 के रूप में प्रचारित किया गया है। निसंदेह इस समय समूची दुनिया या उसका एक बड़ा हिस्सा रूस यूक्रेन के युद्ध के प्रति चिंतित है। और इसके परिणाम- दुष्परिणाम तथा उनसे बचने के उपाय भी खोज रहा है। रूस यूक्रेन के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है, और जैसा आरंभ में लगता था कि 2-3 हफ्तों में युद्ध समाप्त हो जायेगा वह अनुमान गलत ही निकला है। उसके पीछे भी वैश्विक कारण है। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध की शुरूआत, एक तरफ रूस की अपने पुराने स्वरूप को हासिल करने की इच्छा जिसमें यूक्रेन रूस का हिस्सा था और दूसरी तरफ नाटो के विस्तार तथा रूस को घेरने और यूक्रेन के परमाणु केन्द्रों पर नियंत्रण की विस्तारवादी सोच का परिणाम है। यह भनक लगते ही कि यूक्रेन नाटो का सदस्य बन सकता है रूस ने एक तरफा बमबारी शुरू कर दी। नाटो जो एक प्रकार से अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों का शक्ति संगम है वह रूस को बलपूर्वक पुराने स्वरूप में वापिस नहीं आने देना चाहता। आंतरिक तौर पर कुछ-कुछ नस्लवाद भी एक छिपा कारण है। यूक्रेन के मुखिया जेलेन्सकी यहूदी है और अमेरिका, ब्रिटिश और यहूदी नस्ल की दोस्ती बड़ी गहरी है। यहूदियों के देश इजरायल को बनाने का काम ब्रिटिश साम्राज्यवाद द्वारा ही हुआ। यहूदी अमेरिकी कूटनीति और सामरिक नीति को भी गहराई से प्रभावित करते हैं। दरअसल रूस और यूक्रेन के बीच दिखने वाला युद्ध रूस और नाटो के बीच है। पिछले समय से केवल सैनिकों को छोड़कर कम से कम खुले तौर पर यूक्रेन को धन और शस्त्र की आपूर्ति नाटो के द्वारा हो रही है। पर नाटो का प्रचार तंत्र यानि अमेरिका ब्रिटिश धुरी का प्रचार तंत्र यूक्रेन के पक्ष में व रूस के खिलाफ अतिरंजित खबरें दे रहा है। जिसमें कभी रूस को हारता और यूक्रेन को जीतता दिखाता है। कभी-कभी यहाँ तक प्रचारित किया जाता है कि रूस के सैनिक लड़ना नहीं चाहते या रूस में सैनिकों का अभाव हो गया है। रूस के हथियार चुक गये हैं और पुतिन के खिलाफ विद्रोह होने वाला है आदि-आदि। रूस में एक व्यक्ति केन्द्रित सैन्य शासन जैसा है तो फिर ये खबरें रूस से कौन दे रहा है? इन खबरों में कितनी सच्चाई है या ये यूक्रेन और उनके समर्थक देशों के मनोबल को बनाये रखने को गढ़ी जा रही है यह शोध का विषय है? दुनिया के एक धड़े की समझ यह है कि रूस वॉर पॉलिसी के बजाय वॉर पॉलिसी पर चल रहा है। जिस प्रकार पेंथर अपने शिकार को थका-थका कर मारता है, ऐसी ही रूस की युद्ध नीति नज़र आती है। पुतिन ने आंरभ से ही निर्णायक युद्ध की रणनीति नहीं अपनाई है। उनने लगातार हमले कर थकाने और काबू में करने की रणनीति अपनाई है। रूस यूक्रेन को हराना व मिलाना चाहता है मिटाना नहीं। इस निरंतर युद्ध से यूक्रेन को हताश और परास्त कर वापिस मिलने की पुनः मनः स्थिति बना रहा है। इंडोनेशिया में जी-20 की बैठक के पहले भी दुनिया के मीडिया के बड़े हिस्से में खबरें छपी थीं कि बैठक में रूस को युद्ध रोकने के लिये दबाव बनाया जायेगा और कुछ इस ढंग से खबरें छापीं गयी जैसे बाली में किसी अन्तरराष्ट्रीय न्यायालय में पुतिन की पेशी होने वाली हो। 12 नवम्बर को यह खबरें भी आई कि यूक्रेन ने खैरसान को वापिस ले लिया है। और रूसी सेना जान बचाकर भागी है। जबकि तथ्य यह है कि खेरसॉन को रूस ने पहले ही तबाह कर दिया था। जहाँ बिजली, पानी, भवन कुछ भी नहीं बचा। रूस ने सार्वजनिक रूप से बयान देकर नाटो को चेतावनी दी थी कि जो रूस पर हमला करेगा उसे उड़ा दिया जायेगा। रूस ने वाली बैठक के एक दिन पूर्व यूक्रेन के 12 क्षेत्रों (राजधानी कीव सहित) में 100 मिसाइलें दागीं। यहां कीव सहित समूचे यूक्रेन को भारी क्षति पहुंची। यह रूस की जी-20 समूह को उनकी औकात बताने की रणनीति थी। इतना ही नहीं जी-20 समूह के इन स्वघोषित महाशक्तियों को भी उनकी हैसियत बताने रूस ने अपनी नुमायंदगी के लिये एक छोटे से प्यादे, अनाम से विदेशी मंत्री को प्रतिनिधि बना कर बाली (इन्डोनेशिया) जी-20 की बैठक में भाग लेने भेज दिया। पिछली बैठक में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जो 1 दिसम्बर 2022 से जी बीस समूह के एक वर्ष के लिये अध्यक्षता ग्रहण करेंगे ने श्री पुतिन से कहा था कि युद्ध का युग नहीं वरन संवाद का है। और पुतिन ने उन्हें उत्तर दिया था कि भारत की भावना का ध्यान रखेगा भारत के मीडिया ने श्री मोदी के इस कथन को इस ढंग से प्रस्तुत किया जैसे मोदी ने पुतिन को डॉट दिया हो। और शायद इसीलिये पुतिन ने उनकी प्रचारेच्छा को समक्ष कर वाली की बैठक में एक अनाम चीन प्रतिनिधि को भेज कर इन स्वघोषित विश्व नेताओं से प्रचार का अवसर भी छीन लिया। वाली बैठक के पहले दिन से प्रचार शुरू किया गया था कि यूक्रेन पर हमले के लिये रूस की निंदा की जायेगी परन्तु रूस के खिलाफ कोई निंदा प्रस्ताव पारित करना तो दूर निंदा वाक्य भी नहीं कहा जा सका। मैं यूक्रेन की आजादी का पक्षधर हॅू। रूस के हमले तथा नाटो के विस्तारवाद दोनों का विरोधी हॅू। साथ ही मैं भारत की आर्थिक, सामरिक कूटनीतिक सीमाओं को भी समझता हॅू। परन्तु ऐसा लगता है कि भारत के सत्ताधीश जिस प्रकार प्रचार माध्यम से देश में चुनावी जीत हासिल कर रहे हैं उसी प्रकार वे विश्व प्रचार से कूटनीति के सिरमौर बनना चाहते हैं जो कि विश्व कूटनीति में संभव नहीं है। रूस के पास शक्ति के तीन बड़े आधार हैं :- परमाणु हथियारों में रूस सम्पन्न हैं और नाटो उससे परमाणु युद्ध नहीं चाहेगा। क्योंकि उसका अर्थ होगा - सर्वविनाश। दुनिया के एक बड़े हिस्से को गैस की उपलब्धता के लिये रूस का सहयोग जरूरी है। ब्रिटेन व यूरोप के लगभग सभी देश जो भारी बिजली संकट से जूझ रहे हैं उन्हें भी व अन्य कई देशों को अपनी ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति के लिये रूस की गैस की आवश्यकता है। यूक्रेन से जो 2 करोड़ टन गेंहू दुनिया को जाना था वह रूस ने रोक दिया है। अगर यह अनाज दुनिया में नहीं पहुंचेगा तो दुनिया के बड़े हिस्से में भूख और अकाल का संकट आने वाला है। रूस ने यूक्रेन में अनाज निर्यात की अनुमति शायद इस उम्मीद से दी होगी कि नाटो देश यूक्रेन को हथियार और धन की सहायता रोक देंगे। परन्तु यह उम्मीद पूरी न होते देख रूस ने फिर अपना निर्णय बदल दिया तथा अनाज के निर्यात को रोक दिया। मैं देश के प्रचार चेता मित्रों को सलाह दूॅगा कि वे रूस के बारे में नीति बनाते समय व्यापक दृष्टि से भारतीय हितों पर विचार करें जिनमें भारत की सीमा सुरक्षा- पड़ोसी देशों से रिश्ते, अपनी राष्ट्रीय आवश्यकतायें व राष्ट्रीय क्षमतायें इन चार कोणों से विचार करना आवश्यक होगा। विश्व राजनय उपदेशों के आकाश पर नहीं चलता वरन सत्य व ताकत की जमीन पर चलता है। आखिर में इतना और कि यह अच्छा होता कि श्री नरेन्द्र मोदी जी भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से भारत के भगोड़े आर्थिक अपराधी श्री नीरव मोदी को भारत भेजने की मांग कर लेतें, जिसके प्रत्यपर्ण के लिये ब्रिटिश कोर्ट ने भी अनुमति दे दी है तो यह उनकी सफलता होती। भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री के भारत प्रेम का प्रमाण भी इससे मिलता और प्रधानमंत्री जी का आठ साल पुराना चुनावी वायदा भी पूरा हो जाता।

भाजपा को चुनाव जिताने वाले नेताओं की ज़रूरत है ?

श्रवण गर्ग

गुजरात और हिमाचल की विधानसभाओं ,दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एमसीडी) और मैनपुरी (यूपी) की लोक सभा सीट सहित कुछ राज्यों (राजस्थान, उड़ीसा, छत्तीसगढ़)के उप-चुनावों के नतीजों के बाद देश के मतदाताओं का भाजपा के नाम संदेश क्या समझा जा सकता है ? सच्चाई है कि प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत छवि ने गुजरात में चुनाव परिणामों के पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिये हैं पर इस सवाल का जवाब मिलना बाक़ी है कि क्या देश के दूसरे हिस्सों में नरेंद्र मोदी का प्रभाव और भाजपा की पकड़ कमजोर पड़ने लगी है ! क्या पार्टी स्वीकार करना चाहेगी कि गुजरात में हासिल हुई 156 सीटों की उपलब्धि को हिमाचल, दिल्ली और अन्य राज्यों के उप-चुनावों की हार ने फीका कर दिया है ? सत्तारूढ़ दल गुजरात की जीत के जश्न में अपनी इस पीड़ा को ज़्यादा दिनों तक छुपा नहीं पाएगा कि प्रधानमंत्री के गृह-राज्य की उपलब्धि के मुक़ाबले राष्ट्रीय अध्यक्ष के गृह-प्रदेश हिमाचल में पिछले साल के उप-चुनावों की करारी हार के बाद हाल के चुनावों में भी पार्टी बुरी तरह से हार गई। पंजाब के बाद उसका पड़ौसी राज्य भी विपक्ष की झोली में चला गया। मोदी 2014 में हिंदुत्व की लहर पर सवार होकर भारी संसदीय बहुमत के साथ देश पर राज करने के लिए गुजरात विधानसभा से दिल्ली में संसद भवन पहुँचे थे। उनके सशक्त नेतृत्व के बावजूद पार्टी दिल्ली की विधानसभा पर तो इतने सालों में क़ब्ज़ा कर ही नहीं पाई ,एमसीडी भी पंद्रह साल की हुकूमत के बाद हाथ से निकल गई। प्रधानमंत्री ने हिमाचल में अपनी पूरी ताक़त झोंक दी थी और इधर दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राजनाथ सिंह, अमित शाह जैसे दिग्गजों के साथ ही कई मुख्यमंत्रियों और सांसदों ने पूरी ताक़त लगा रखी थी। भाजपा दोनों ही जगहों पर हार गई। भाजपा के लिए गुजरात की जीत तो चुनावों की घोषणा से पहले से ही तय थी, वहाँ चुनौती सिर्फ़ 1985 में कांग्रेस के मुख्यमंत्री माधवसिंह सोलंकी द्वारा क़ायम किए गए 149 सीटों के रिकॉर्ड को तोड़ने की बची थी। राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार के लिए वहाँ न जाकर ठीक ही किया। जाते तो 'भारत जोड़ो यात्रा' के प्रभाव की भद्द पिट जाती। गुजरात के मामले में मोदी को वहाँ की जनता की ओर से 'इच्छा-सत्ता' का वरदान प्राप्त है पर मोदी को गांधीनगर वापस नहीं लौटना है। चुनाव के नतीजों ,विशेषकर हिमाचल जैसे लगभग 96 प्रतिशत हिंदू आबादी वाले छोटे से राज्य (74 लाख जनसंख्या) में कांग्रेस जैसी धर्म-निरपेक्ष पार्टी द्वारा भाजपा के हिंदुत्व के ज़बर्दस्त प्रचार को चुनौती देते हुए 68 में से 40 सीटें प्राप्त कर लेना भाजपा के 2024 के संसदीय संग्राम के लिए कठिन परीक्षा पैदा करने वाला है। हिमाचल में पार्टी की हार पर प्रधानमंत्री की संक्षिप्त प्रतिक्रिया में पीड़ा को पढ़ा जा सकता है कि भाजपा को वहाँ सिर्फ़ एक प्रतिशत मत ही कम मिले। दिल्ली में तो भाजपा के मतों में तीन फ़ीसदी का इज़ाफ़ा हो गया (39.09 प्रतिशत) फिर भी आम आदमी पार्टी का वोट शेयर उससे ज़्यादा (42.05 प्रतिशत) रहा। सवाल यह है कि अगर भाजपा के ख़िलाफ़ एंटी-इंकम्बेंसी कॉमन मुद्दों को लेकर थी तो पार्टी सिर्फ़ गुजरात में ही उसका तोड़ क्यों निकाल पाई ? पार्टी दिल्ली ,हिमाचल ,मैनपुरी और बाक़ी जगहों पर क्यों फेल हो गई ? राजस्थान जहां कि गहलोत और पायलट के बीच सत्ता का संघर्ष चल रहा है, वहाँ के उप-चुनाव में भी कांग्रेस कैसे जीत गई ? दूसरे यह भी कि अगर गुजरात की ज़बर्दस्त सफलता के पीछे करण प्रभावी चुनावी प्रबंधन और टिकिटों के बँटवारे में जातिगत समीकरणों का चतुर विभाजन था तो उसी रणनीति को अन्य स्थानों पर क्यों नहीं अपनाया गया ? कहा जा रहा है कि गुजरात की चुनावी रणनीति को अब आगे के सभी चुनावों में दोहराया जाएगा। भाजपा के लिए चिंता का विषय हो सकता है कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ की विधानसभाओं के लिए अगले साल होने वाले चुनावों को भी हाल के परिणाम प्रभावित कर सकते हैं। गौर किया जा सकता है कि प्रधानमंत्री की लोकप्रियता को लेकर आयोजित/प्रायोजित होने वाले मीडिया सर्वेक्षणों ने अचानक से रहस्यमय चुप्पी साध ली है। पूछा जा सकता है कि अगर लोकसभा के लिए तत्काल चुनाव करवा लिए जाएँ तो नतीजे गुजरात की तर्ज़ पर प्राप्त होंगे या फिर दिल्ली, हिमाचल की तरह के आएंगे ? एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि क्या केजरीवाल की राजनीतिक भूख दिल्ली की जीत और गुजरात की पाँच सीटों से ही शांत हो जाएगी या राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाने के बाद और तेज़ होने वाली है ? गुजरात में 33 सीटों पर केजरीवाल की पार्टी दूसरे नंबर पर रही है। कांग्रेस को राज्य के 33 ज़िलों में से 15 में सम्मान बचाने लायक़ वोट भी नहीं मिले हैं। आम आदमी पार्टी क्या लोक सभा चुनावों में दिल्ली की सातों सीट और गुजरात की सभी छब्बीस सीटों पर भाजपा को चुनौती नहीं देगी ? दिल्ली में तो विधानसभा और एमसीडी दोनों पर ही अब केजरीवाल का क़ब्ज़ा है। भाजपा और 'आप' के बीच कथित साँठगाँठ की हक़ीक़त भी लोकसभा चुनावों तक सामने आ जाएगी ! हिमाचल विधानसभा चुनावों से 'आप' ने जिन भी कारणों से पलायन किया हो ,वह राज्य से लोकसभा की चारों सीटों के लिए पंजाब के साथ ही चुनाव लड़ने वाली है। परिस्थितियां ऐसी ही रहीं तो घाटा भाजपा को ही होगा। हिमाचल में भाजपा की हार को इस नज़रिए से भी देखा जाना चाहिए कि कांग्रेस न सिर्फ़ समाप्त ही नहीं हुई है, उसने नई ऊर्जा के साथ सत्ता में वापसी भी करके दिखाई है। मोदी की छवि के सामने कांग्रेस की जीत का नेतृत्व प्रियंका गांधी ने किया है। दूसरी ओर, हिमाचल से दूरी बनाये रखते हुए राहुल गांधी ने अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा ' में उन्हीं राज्यों के मतदाताओं के साथ संवाद स्थापित किया है जो 2023 और 2024 के चुनावों के लिहाज़ से कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हैं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को मिलाकर लोकसभा की 141 सीटें 2024 में दांव पर होंगी। हाल के चुनाव नतीजों ने जिस एक संशय को उजागर कर दिया है वह यह है कि भाजपा को राष्ट्रीय स्तर पर एंटी-इंकम्बेंसी का सामना करना पड़ रहा है।केजरीवाल ने प्रधानमंत्री का (चुनावी) घर देख लिया है और 'भारत जोड़ो यात्रा' और हिमाचल ने कांग्रेस में नई जान भर दी है। मैनपुरी में समाजवादी पार्टी की जीत भी यूपी के लिये कम महत्वपूर्ण नहीं है। देश की राजनीति के लिए अगले बारह महीने काफ़ी एक्शन के होने वाले हैं। उपसंहारः प्रधानमंत्री के करिश्माई व्यक्तित्व को अगर छोड़ दिया जाए तो भाजपा के पास चुनाव जिता सकने वाले नेताओं की काफ़ी कमी है। यह कमी आगे के चुनावों में और खुलकर सामने आ सकती है ! हिमाचल में भाजपा की हार पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की कार्यशैली के कटु आलोचक पार्टी के 88-वर्षीय संस्थापक- नेता शांताकुमार से मीडिया ने प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं की !

http://shravangarg17
17.blogspot.com

भारत में क्रिकेट की चकाचौंध का शिकार फुटबॉल

नरेंद्र तिवारी

एक विकसित और मजबूत राष्ट्र घातक और मारक हथियारों से ही निर्मित नहीं होता। इसके लिए राष्ट्र के नागरिकों में खेलों के प्रति जुनून का होना भी जरूरी है। दुनियाँ के अनेकों विकसित एवं प्रगतिशील राष्ट्रों ने अपने नागरिकों में खेल संस्कृति विकसित कर खेलों के प्रति जुनून पैदा किया और दुनियाँ को अपनी प्रगति, विकास और आधुनिकता से अवगत कराया है। अनेकों देशों ने खेलों के वैश्विक आयोजनों में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर, विश्वस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर दुनियाँ को अपने दम ओर शक्ति से परिचित कराया है। जब अरब देश कतर में विश्व कप फुटबॉल का आयोजन चल रहा हैं। दुनियाँ के अनेकों देश फुटबॉल के जुनून से सरोबार हो रहें है। तब जहन में इन प्रश्नों का जन्म लेना लाजमी है की विश्व कप फुटबॉल के आयोजन में भारत कहां खड़ा हैं। आखिर फुटबॉल के इस विश्वस्तरीय आयोजन में भारत की टीम शामिल क्यों नहीं हो पाती है। सवाल यह भी है कि आजादी के बाद से अब तक फुटबॉल जैसे विश्व प्रसिद्ध खेल के विकास में हमारी सरकारों ने ध्यान क्यों नहीं दिया? क्यों फुटबॉल के ऐसे खिलाड़ियों का निर्माण नहीं हो पा रहा है जो भारत को फुटबॉल के विश्वस्तरीय आयोजन में शामिल होने की योग्यता दिला सके ? इन प्रश्नों के समाधान के पूर्व यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि फ़ीफ़ा क्या है, यह कैसे और क्या कार्य करता है। फ़ीफ़ा फुटबॉल का अंतरराष्ट्रीय संघ हैं। फेडरेशन इंटरनेशनल फुटबॉल एशोसिएशन फुटबॉल की वैश्विक संस्था है।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल विश्वकप के आयोजन को फ़ीफ़ा विश्वकप भी कहा जाता हैं। फ़ीफ़ा ही यह तय करता है कि अगला विश्व कप कहां होगा और यह भी की कौनसे देश की टीम फुटबॉल रैंकिंग में किस पायदान पर है। विश्व कप मैचों का आयोजन संचालन और नवीन निर्णय लेने का कार्य भी इस संस्था का है। फ़ीफ़ा विश्वकप 1930 से हर चार वर्षों में आयोजित होते हैं। वर्ष 1942 और 1946 द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण इसका आयोजन नहीं किया गया था। 2022 फुटबॉल विश्वकप का आयोजन अरब देश कतर में चल रहा हैं। दुनियाँ के 32 देश जब फुटबॉल के जुनून में डूबे हुए है। कतर इस विश्वस्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है, तब भारत महज दर्शक की पंक्ति में खड़ा दुनियाँ के फुटबॉलरों के रोमांच को निहार रहा हैं। क्या भारतीय खिलाड़ियों में इतनी शारारिक क्षमता नहीं है कि वें पेशेवर पश्चिमी देशों के खिलाड़ियों की शक्ति का मुकाबला कर सकें। फुटबॉल सिर्फ मैदान में नहीं बल्कि दिमागों में भी खेला जाता हैं। भारत की शारारिक और मानसिक शक्ति का लोहा दुनियाँ ने हॉकी ओर क्रिकेट में देखा है तो फिर फुटबॉल में हम मुकाबला क्यों नही कर पाते हैं। आमतौर पर हम देखतें है कि सारे भारत मे क्रिकेट को विकसित करने के लिए प्रदेश, जिला एवं तहसील स्तर पर क्रिकेट एशोसिएशन कार्य करतीं है। इस प्रकार की कोई संस्था फुटबॉल के विकास के लिए कार्य करती नहीं दिखती। भारत मे फुटबॉल के प्रति वह जुनून नहीं बन पा रहा जो वर्तमान में क्रिकेट के प्रति है। भूतकाल में हॉकी के प्रति था। भारत फुटबॉल विश्व कप में शामिल नहीं हो पाता है। इस विषय पर बहसें तो खूब होतीं है, किंतु सरकार के स्तर पर इसकी कोशिशों का अभाव दिखाई देता है। पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बनने के लिए शारारिक ओर मानसिक मेहनत के अलावा रणनीतिक कुशलता, सर्वक्षेष्ठ कोचिंग, विश्वस्तरीय सुविधाएं और कढ़ी मेहनत करने वाले खिलाड़ियों की जरूरत है। भारतीय खिलाड़ी यूरोपीय खिलाड़ियों के सामने उम्दा प्रदर्शन कर सकें इसके लिए कठोर शारारिक प्रदर्शन, रणनीतिक कुशलता में सुधार के अलावा क्रिकेट की तरह फुटबॉल के भी एशोसिएशन बने जो प्रदेश, सम्भाग, जिला और तहसील स्तर पर फुटबॉल के प्रति युवाओं और खासकर स्कूल, कॉलेजों में माहौल तैयार कर सकें। सेना की तरह कठोर परिश्रम से ही फुटबॉल के विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का निर्माण किया जा सकता हैं। भारतीय फुटबॉल टीम की मौजूदा रैंकिंग 103 वें पायदान पर है। यह बहुत कम लोगो को मालूम होगा कि भारतीय फुटबॉल टीम 1950 के ब्राजील में आयोजित फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप में क्वालीफाई करने में सफल रही थी। निराशाजनक बात यह है कि खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देकर फ़ीफ़ा वर्ल्ड से अपना नाम वापिस ले लिया था।

मैनपुरी का परिणाम 2024 पर डालेगा असर ?

डॉ. अजय कुमार मिश्रा

देश का राजनैतिक इतिहास इस बात का गवाह रहा है की बड़े परिवर्तन उस समय होतें है जब आप यह मान लेते है की अमुक पार्टी का कोई विकल्प नहीं है । बड़े परिवर्तन की झलक पहले ही दिखनी शुरू भी हो जाती है । गुजरात और हिमांचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से अधिक चर्चा में यदि कुछ रहा है तो वह उत्तर प्रदेश का उप चुनाव है । एक तरफ जहाँ भारतीय जनता पार्टी सातवीं बार ऐतिहासिक चुनावी जीत के साथ गुजरात की सत्ता में कायम रहेगी तो वही हिमांचल प्रदेश ने अपनी परम्परा को निभाने की प्रतिबद्धता पुनः जाहिर कर दिया और कांग्रेस को हाथो कमान सौप दी । सबसे चर्चित उत्तर प्रदेश के उप चुनाव की बात करें तो रामपुर विधानसभा उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी आकाश सक्सेना ने कुल 34,136 वोटों की मार्जिन से चुनाव जीता है उन्हें कुल 81,432 (62.06%) वोट प्राप्त हुए है । उन्होंने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार मोहम्मद असीम रजा को मात दी है । वही खतौली विधानसभा उप चुनाव में आरएलडी और समाजवादी पार्टी के गठबंधन का प्रत्याशी मदन भैया ने 22143 वोटो के मार्जिन से जीत दर्ज किया है । उन्हें कुल 97139 (54.04%) वोट प्राप्त हुए है । उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राज कुमारी सैनी को चुनावी मात दी है । इन दो विधानसभा चुनावों में खास चर्चा रामपुर विधानसभा उप चुनाव की रही है जहाँ भारतीय जनता पार्टी ने आजादी के पश्चात पहली बार जीत दर्ज किया है । बेहद रोचक यह भी है की जातियों का समीकरण इस विधानसभा का कुछ और ही परिणाम दर्शाता रहा है । खास उपलब्धि के बावजूद भारतीय जनता पार्टी के लखनऊ कार्यालय पर सन्नाटा सभी ने देखा और सोचने पर विवश किया की आखिर बीजेपी की चिंता का कारण क्या है ? बीजेपी एकलौती ऐसी पार्टी है जो एक कॉर्पोरेट कम्पनी की तरह चुनावी रणनीति बनाती और चुनाव होने के महीनों पहले क्षेत्र में संघर्ष जारी कर देती है । उत्तर प्रदेश के उप चुनाव के परिणामों से बीजेपी की केन्द्रीय नेतृत्व की इकाई और उत्तर प्रदेश की इकाई ने भविष्य के खतरें को भाप लिया है और इस खतरें का संकेत मैनपुरी लोकसभा के उप चुनाव परिणाम ने दे दिया है । मैनपुरी लोकसभा सीट समाजवादी पार्टी के मुखिया श्री मुलायमसिंह यादव की मृत्यु के पश्चात रिक्त हुई थी । भारतीय जनता पार्टी ने जहाँ उप चुनाव में रघुराज सिंह शाक्या को मैदान में उतारा था वही समाजवादी पार्टी ने डिम्पल यादव को चुनाव में उतरा था । डिम्पल यादव ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को 2,28,461 वोटों के बड़े अंतर से मात दी है । डिम्पल यादव को कुल 6,18,120 (64.08%) मत प्राप्त हुए है । दिलचस्प बात यह भी है की मैनपुरी लोकसभा चुनाव परिणाम को इसके अंतर्गत मौजूद पांचों विधानसभा में विभाजित करके देखा जाए तो पांचो विधानसभा में भी जीत दर्ज दिखाई देता है । मैनपुरी के लोकसभा चुनाव में लगभग 10% वोट स्विंग हुआ है । बीजेपी की असली चिंता मैनपुरी लोकसभा के परिणाम ही है वजह स्पष्ट है की 2024 के लोकसभा चुनाव के जरिये केंद्र में किसकी सत्ता बनेगी इसकी निर्णायक भूमिका उत्तर प्रदेश ही निभाता है जहाँ पर कुल 80 लोकसभा सीट है । मैनपुरी लोकसभा चुनाव ने कई ऐसी बातों को समाप्त कर दिया है जिसकी चर्चा सभी चुनावों में होती थी और सीधा नुकशान अखिलेश यादव की पार्टी को होता था ।

मैनपुरी ने दी मुलायम को श्रद्धांजलि

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

वर्तमान चुनावों में तीनों पार्टियां एक-एक जगह से जीत गईं लेकिन दो-दो जगह से हार गईं। इन मुख्य चुनावों के अलावा कुछ उपचुनाव भी अलग-अलग प्रांतों में हुए। उनमें सबसे ज्यादा चर्चित रहा मैनपुरी से डिंपल यादव का चुनाव लोकसभा के लिए। डिंपल अखिलेश यादव की पत्नी और मुलायम सिंह की बहू हैं। वे लगभग 3 लाख वोटों से जीती हैं। उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार को हराया है लेकिन भाजपा का एक उम्मीदवार रामपुर से जीत गया है, यह भी भाजपा की उल्लेखनीय उपलब्धि है। डिंपल को हराने के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। डिंपल के खिलाफ ऐसे उम्मीदवार को खड़ा किया था, जो पहले सपा का नामी-गिरामी नेता रहा था। इसके अलावा मुलायम सिंह पिछले चुनाव में सिर्फ 94 हजार वोट से जीते थे जबकि बहुजन समाज पार्टी उनके साथ थी। इस बार अखिलेश यादव ने डिंपल को अपने दम पर लड़ाकर जितवाया है। यह एक उम्मीदवार की मामूली जीत नहीं है। यह अखिलेश की समाजवादी पार्टी के पुनरोदय का शंखनाद है। यह जीत उ.प्र. ही नहीं, पूरे देश की राजनीति को नई दिशा दे सकती है।

यह मुलायम सिंह जैसे विलक्षण नेता को जनता द्वारा दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि है जैसे कि 1984 में राजीव गांधी की अपूर्व जीत इंदिरा गांधी को दी गई जनता की श्रद्धांजलि थी। इस चुनाव के दौरान यह भी अच्छा हुआ कि अखिलेश और उनके चाचा शिवपाल यादव के बीच सुलह हो गई और दोनों की पार्टी का विलय हो गया। अब देखना यह है कि अगले लोकसभा चुनाव में होता क्या है? योगी आदित्यनाथ ने कुछ पहल इतनी जबरदस्त की हैं कि उनके कारण जनता के दिलों में उन्होंने गहरा स्थान बना लिया है लेकिन मैनपुरी की जीत समाजवादी पार्टी में नई जान फूंक सकती है बशर्ते कि अखिलेश और शिवपाल सिर्फ कुर्सी और रेवड़ी की राजनीति में न फंसे रहें।

पौष मास की सेहतमंद परंपराएं

सुबह जल्दी उठकर नहाने से डायजेशन में सुधार होता है व्रत रखने और सूर्य पूजा करने से बढ़ती है उम्र

सूर्य को जल चढ़ाएं – दिन की शुरुआत सूर्य को अर्घ्य चढ़ाने के साथ करनी चाहिए।

तांबे के लोटे में जल भरें, कुमकुम, चावल डालें और सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें।

ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। ध्यान रखें जल चढ़ाते समय सूर्य को सीधे नहीं देखना चाहिए।

लोटे से गिरती जल की धारा से सूर्य के दर्शन करें।

अर्घ्य ऐसी जगह अर्पित करें, जहां जमीन पर गिरे हुए जल पर किसी का पैर न लगे।

हिन्दी पंचांग का दसवां महीना पौष शुरू हो गया है, ये महीना 6 जनवरी तक रहेगा। ये महीना धर्म-कर्म के साथ ही सेहत के नजरिए से बहुत खास है। इन दिनों में खान-पान संबंधी नियमों का पालन करने से लंबे तक समय स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। अभी शीत ऋतु शुरू हो गई है, ठंड बढ़ने लगी है, ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखेंगे तो धर्म लाभ और स्वास्थ्य लाभ हासिल कर सकते हैं।

नदी स्नान और तीर्थ दर्शन – उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक पौष मास में सूर्य पूजा करने की परंपरा है। इन दिनों में काफी लोग पवित्र नदियों में स्नान करने पहुंचते हैं। स्नान के बाद तीर्थ दर्शन करते हैं। ऐसा करने से धर्म और स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं।

ऊनी वस्त्र दान करें – पौष मास में जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज के साथ ही ऊनी वस्त्र भी जरूर दान करें। इस महीने में किया गया दान अक्षय पुण्य देने वाला माना गया है। अक्षय पुण्य यानी ये पुण्य कभी खत्म नहीं होगा।

धूप में बैठें– ठंड के दिनों में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए और कुछ देर सूर्य की रोशनी में बैठना चाहिए। इन दिनों में सुबह-सुबह की धूप सेहत के लिए बहुत लाभदायक होती है। धूप से विटामिन डी मिलता है, त्वचा संबंधी कई समस्याएं दूर रहती हैं। मौसमी बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

तिल-गुड़ का सेवन करें – अभी ठंड का समय है, इन दिनों में ऐसी चीजें ज्यादा खानी चाहिए, जिनसे शरीर को जरूरी गर्मी मिल सके। तिल-गुड़ की तासीर गर्म होती है और इनके नियमित सेवन से हमारा शरीर ठंड से जुड़ी परेशानियों का सामना करने लिए तैयार होता है। ध्यान रखें अगर किसी व्यक्ति को कोई बीमारी है तो अपने डॉक्टर से परामर्श के बाद ही तिल-गुड़ का सेवन शुरू करें।

तिल-गुड़ का करें दान – पौष मास में खुद भी तिल-गुड़ का सेवन करें और जरूरतमंद लोगों को इनका दान करें।

गायों की देखभाल के लिए दान करें – अपने घर के आसपास गायें हैं तो उन्हें हरी घास खिलाएं, गायो को ठंड से बचाने के लिए उचित व्यवस्था करें। आप चाहें तो किसी गौशाला में भी गायों की देखभाल के लिए अपनी शक्ति के अनुसार दान कर सकते हैं।

कहां और कैसे हुई शिवलिंग की उत्पत्ति ?

भगवान शिव को भक्त शिवशंकर, त्रिलोकेश, कपाली, नटराज समेत कई नामों से पुकराते हैं। भगवान शिव की महिमा अपरंपार है। हिंदू धर्म में भगवान शिव की मूर्ति व शिवलिंग दोनों की पूजा का विधान है। कहते हैं कि जो भी भक्त भगवान शिव की सच्ची श्रद्धा से पूजा-अर्चना करता है, उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है।

शिवलिंग से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

पत्थर का अंत ढूंढने के लिए भगवान विष्णु नीचे तो भगवान ब्रह्मा ऊपर चले गए परंतु दोनों को ही अंत नहीं मिला। तब भगवान विष्णु ने स्वयं हार मान ली। लेकिन ब्रह्मा जी ने सोचा कि अगर मैं भी हार मान लूंगा तो विष्णु को ज्यादा शक्तिशाली समझा जाएगा। इसलिए ब्रह्माजी ने कह दिया कि उनको पत्थर का अंत मिल गया है। इसी बीच फिर आकाशवाणी हुई कि मैं शिवलिंग हूं और मेरा ना कोई अंत है, ना ही शुरुआत और उसी समय भगवान शिव प्रकट हुए।

शिवलिंग का अर्थ

कैसे हुई शिवलिंग की उत्पत्ति ? पौराणिक कथा के अनुसार, सृष्टि बनने के बाद भगवान विष्णु और ब्रह्माजी में युद्ध होता रहा।

दोनों खुद को सबसे अधिक शक्तिशाली सिद्ध करने में लगे थे।

इस दौरान आकाश में एक चमकीला पत्थर दिखा और आकाशवाणी हुई कि इस पत्थर का जो भी अंत ढूंढ लेगा,

वह ज्यादा शक्तिशाली माना जाएगा। मान्यता है कि वह पत्थर शिवलिंग ही था।

शिवलिंग दो शब्दों से बना है। शिव व लिंग, जहां शिव का अर्थ है कल्याणकारी और लिंग का अर्थ सृजन। शिवलिंग के दो प्रकार हैं, पहला ज्योतिर्लिंग और दूसरा पारद शिवलिंग। ज्योतिर्लिंग को इस पूरे ब्रह्मांड का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिर्लिंग की उत्पत्ति को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। कहते हैं कि मन, चित्त, ब्रह्म, माया, जीव, बुद्धि, आसमान, वायु, आग, पानी और पृथ्वी से शिवलिंग का निर्माण हुआ है।

ज्ञान जहां से भी मिले, उसे अपनाएं

ज्ञान घर के बाहर ही नहीं, घर के अंदर भी मिल सकता है। घर-परिवार में अगर कोई व्यक्ति ज्ञानी है और वह कोई सीख दे रहा है तो उसे स्वीकार जरूर करें। ज्ञान जहां से मिले, उसे सकारात्मक सोच के साथ स्वीकार करना चाहिए। ये बात हम देवहुति और उनके बेटे कपिल देव की कथा से समझ सकते हैं।

पुराने समय में कर्दम नाम के एक ऋषि थे और उनकी पत्नी थीं देवहूति। इनके बेटे का नाम था कपिल देव। कपिल मुनि को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। एक दिन कर्दम ऋषि ने तय किया कि वे तपस्या करने जंगल में जाएंगे। उन्होंने देवहुति को अपने पुत्र के कपिल के पास भेज दिया। कपिल देव बहुत ज्ञानी और विद्वान थे। एक दिन मां देवहूति ने अपने बेटे कपिल देव से कहा कि तुम ज्ञानी हो, भगवान का अवतार हो तो तुम मुझे प्रवचन सुनाओ। माता की आज्ञा मानकर कपिल देव में जीवन के बारे में उपदेश दिए। जब प्रवचन का अंतिम चरण चल रहा था, तब तक देवहूति ये बात समझ चुकी थी कि मृत्यु अटल है। हर एक व्यक्ति को एक दिन मरना ही है। अपने बेटे कपिल के प्रवचनों से माता देवहूति ने समझा कि मरने से पहले हमें अपने आत्म कल्याण के लिए कुछ न कुछ अच्छे काम जरूर करना चाहिए। बेटे से मिली सीख के बाद देवहूति एकाग्रता के साथ रोज ध्यान करने लगीं। जब देवहूति का अंतिम समय आया तो उन्हें अपने बेटे कपिल देव की चिंता होने लगी, वे सोच रही थीं, कि कपिल के पिता तपस्या करने गए हैं, और अगर मैं मर गई तो मेरा बेटा अकेला रह जाएगा।

अंतिम समय में देवहूति को अपने बेटे के उपदेश याद आए और वे समझ गईं कि मृत्यु तो होना ही है। इसके बाद उन्होंने मन शांत किया और ध्यान करने लगीं। इस तरह प्रसन्नता के साथ उन्होंने अपनी देह त्याग दी।

प्रसंग की सीख

इस प्रसंग में देवहूति और कपिल देव ने हमें ये शिक्षा दी है कि ज्ञान किसी से भी मिल सकता है। घर-परिवार में अगर कोई व्यक्ति उम्र में छोटा है, लेकिन ज्ञानी है तो उससे भी जीवन से जुड़ी सीख ली जा सकती है। हमें जहां से भी ज्ञान मिलता है, उसे स्वीकार करना चाहिए।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में रखा है भगवान श्रीकृष्ण का हृदय

कृष्ण की मृत्यु के बाद पांडवों ने उनके शरीर का अंतिम संस्कार किया।

अग्निदेव के पास वह सामर्थ्य नहीं था कि वे कन्हैया के शरीर को जलाकर पंचतत्वों में विलीन कर सकें।

फिर पांडवों ने कन्हैया के शरीर को द्वारकासागर में बहा दिया।

क्या आपको पता है कि आज भी भारत में ही सुरक्षित है भगवान कृष्ण का हृदय? अगर नहीं तो आइये पंडित इंद्रमणि घनस्याल से जानते हैं यह अद्भभुत और अविश्वस्नीय प्रसंग। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण की मृत्यु अर्थात उनके वैकुण्ठ पधारने के बाद पांचों पांडवों ने मिलकर भगवान श्रीकृष्ण के शरीर का हिन्दू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया था परन्तु स्वयं अग्निदेव के पास भी वह सामर्थ्य नहीं था कि वे कन्हैया के शरीर को जलाकर पंचतत्वों में विलीन कर सकें। इस वजह से पांडवों ने कन्हैया के शरीर को द्वारकासागर में बहा दिया।

कई पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान का वह शरीर भारत के पश्चिम से पूर्व की ओर बहता हुआ आया और लकड़ी के एक विशाल टुकड़े में परिवर्तित हो गया।

जब आया इन्द्रयम को स्वप्न

जिसके बाद पूरी के तत्कालीन राजा इन्द्रयम को भगवान श्रीकृष्ण ने स्वप्न में आकर उन लकड़ियों से मूर्ति बनवाकर एक भव्य मंदिर में स्थापित कराने का आदेश दिया। राजा बहुत ही धार्मिक प्रवत्ति का था, वह अगले ही दिन वो लकड़ी राजमहल में ले आया, लेकिन अब विपदा यह थी कि कोई भी शिल्पकार लकड़ी की मूर्ति बनाने में सक्षम नहीं था, जिस कारण राजा बहुत चिन्तित रहने लगा।

जब विश्वकर्मा बन आए शिल्पकार

तभी एक दिन एक बूढ़ा शिल्पकार सामने से राजा के पास आया और बोला, "राजन! मैं आपकी चिंता भली-भांति समझता हूं, आप चिंता ना करें, मैं भगवान की मूर्ति बनाऊंगा परंतु मैं एक अनुग्रह है कि जबतक मैं मूर्ति बनाने का काम ना पूरा कर लूं, कोई भी उस कक्ष में नहीं आएगा, नहीं मुझे टोकेगा। अगर कोई बीच में आया तो मैं उसी क्षण काम बंद कर दूंगा।" ऐसी मान्यता है कि वह मूर्तिकार कोई और नहीं अपितु विश्वकर्मा थे, जिन्हें स्वयं भगवान ने भेजा था। राजा ने शिल्पकार कि यह शर्त मान ली।

जब राजा ने तोड़ी शर्त

काफी दिनों तक उस कक्ष से ठोक-पीट की आवाजें आती रहीं परंतु एक दिन वह आवाज़ बंद हो गयी, काफी समय से कोई आवाज़ ना आने के कारण राजा को संदेह हुआ और वो कक्ष में प्रवेश कर गया, वहां जाकर उसे बलदेव, सुभद्रा और प्रभु जगन्नाथ की अधूरी मूर्तियों के दर्शन हुए।

उस रात एक बार फिर भगवान ने उसके स्वप्न में आकर आदेश दिया कि वह उन्हीं मूर्तियों को मंदिर में स्थापित कराए और पुजारी को समुन्द्र किनारे भेजे, जहां से उन्हें स्वय भगवान कृष्ण के हृदय की प्राप्ति होगी और वह उसे लाकर जगन्नाथ जी की मूर्ति में स्थापित कर दें परंतु इस पूरी प्रक्रिया में पुजारी के नेत्रों पर पट्टी बंधी हो।

जब सामने आता है श्रीकृष्ण का हृदय

आज भी 12 वर्षों के अंतराल में तीनों विग्रहों को बदला जाता है और उस समय पूरे शहर की बिजली बंद कर दी जाती है और मंदिर को सी.आर.पी.एफ के हवाले कर दिया जाता है। केवल एक पुजारी को मंदिर में प्रवेश मिलता है, जिसकी आखों पर अंधेरा होने के बावजूद भी पट्टी बांधी जाती है और वह पुजारी जगन्नाथ जी के पुराने विग्रह से हृदय, जिसे वहां की भाषा में "ब्रह्मा पदार्थ" कहते हैं, निकालकर नए विग्रह में विराजमान करा देते हैं।

कांतारा देखने आए मुस्लिम कपल के साथ मारपीट

लड़की को हिजाब पहना देख फिल्म देखने से रोका गया, कर्नाटक की है घटना

दक्षिण कर्नाटक में कांतारा देखने गए एक मुस्लिम कपल को धमकाने और मारने पीटने का मामला सामना आया है। दोनों फिल्म देखने के लिए लोकल के ही एक थिएटर में पहुंचे हुए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक लड़की को हिजाब में देखकर कुछ लोगों ने उन दोनों को फिल्म देखने से मना किया और लड़के के साथ मारपीट शुरू कर दी। दर्ज शिकायत के अनुसार जिन लोगों ने मारपीट की, वो हिंदू समुदाय से थे और मुस्लिम कपल को फिल्म देखने से रोकना चाहते थे। इसकी वजह से मुस्लिम कपल को बिना फिल्म देखे ही लौटना पड़ा। बता दें कि कांतारा में हिंदू धर्म से जुड़े हुए कुछ ट्रेडिशन दिखाए गए हैं।

बिना फिल्म देखे लौटना पड़ा

घटनास्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक मुस्लिम कपल केरल का रहने वाला है और वहां के केवीजी इंस्टीट्यूट में पढ़ाई करने के लिए आया है। दोनों ने लोकल के ही संतोष थिएटर में कांतारा देखने की सोची। वो दोनों अभी थिएटर पहुंचे ही थे कि लड़की को हिजाब में देखकर वहां मौजूद एक दुकानदार ने उनसे सवाल-जवाब किया। कुछ ही देर बाद एक ग्रुप में कुछ लोग आए और लड़के के साथ कहासुनी और मारपीट करनी शुरू कर दी और उन्हें बिना फिल्म देखे ही लौटने को बोल दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक हमला करने वाले लोग हिंदू कल्चर से संबंध रखते थे और मुस्लिम कपल को कांतारा देखने से रोकना चाहते थे।

पुलिस ने दर्ज की शिकायत

पुलिस का कहना है कि उन्हें भी मारपीट की घटना सोशल मीडिया के माध्यम से पता चली। पुलिस ने विक्टिम को ट्रैक करके दोषियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने को कहा जिसके बाद इंडियन पीनल कोड की धारा 341 (गलत तरीके से रोकना) 323 (हमला करना) 504 (जानबूझकर अपमान करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज कर लिया। लोकल पुलिस के अधिकारी के मुताबिक वो दोषियों को खोजने में लगे हैं। उनका कहना है कि कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं कर सकता।

हिंदू मान्यताओं पर बेस्ड है कांतारा

दरअसल कांतारा में हिंदू मान्यताओं को दिखाया गया है। फिल्म मूल रूप से भूत कोला की परंपरा पर बेस्ड है। भूत कोला कर्नाटक के ग्रामीण इलाकों में मनाए जानी वाली प्रथा है। इसमें गांव के लोगों द्वारा दैव की पूजा की जाती है। पूजा के दौरान गांव का ही व्यक्ति दैव की वेश-भूषा धारण करता है और नृत्य करने लगता है। नृत्य करने वाले व्यक्ति को दैव नर्तक कहते हैं। माना जाता है कि नृत्य करने के दौरान व्यक्ति के अंदर देवता आ जाते हैं। इस दौरान दैव नर्तक जो भी बात कहता है वो गांव वालों के लिए वो भगवान का आदेश माना जाता है। कांतारा मूवी की कहानी भी इसी प्रथा से प्रेरित है।

बता दें कि मूल रूप से कन्नड़ भाषा में बनी ऋषभ शेट्टी स्टारर कांतारा ने पूरी दुनियाभर में 400 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। आज कल की फिल्में जो रिलीज के दो सप्ताह बाद ही दम तोड़ देती हैं वहीं कांतारा लगभग दो महीने से नॉन-स्टॉप कमाई किए जा रही है। फिल्म का डायरेक्शन भी ऋषभ शेट्टी ने ही किया है। सिर्फ 18 करोड़ में बनी इस फिल्म की कमाई देख हर कोई दंग है।

शहनाज गिल व विक्की कौशल ने आंख मिलाने का खेला खेल, फैंस को पसंद आई केमिस्ट्री

एक्ट्रेस शहनाज गिल अपने चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। अपने भोलेपन से वह अक्सर फैंस का दिल जीत लेती हैं। इन दिनों शहनाज अपने शो 'देसी वाइब्स' को लेकर चर्चा में हैं। शहनाज के इस शो के हालिया एपिसोड में एक्टर विक्की कौशल मेहमान बनकर आए। इसका एक वीडियो शहनाज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। वीडियो में शहनाज और विक्की एक-दूसरे की आंखों में खोए हुए नजर आ रहे हैं। दोनों की बॉन्डिंग फैंस को बेहद पसंद आ रही है।

बता दें कि चैट शो के दौरान शहनाज ने विक्की कौशल के साथ एक गेम खेला। इसमें शर्त थी कि जो पहले पलक झपकाएगा वह आउट माना जाएगा। दोनों ने इस गेम के दो राउंड खेले। फर्स्ट राउंड में विक्की कौशल पलक झपका कर आउट हो गए, तो वहीं दूसरे राउंड में शहनाज की पलक पहने झपकी और वह आउट हो गईं। यह वीडियो काफी दिलचस्प है।

वीडियो में शहनाज का चुलबुला अंदाज विक्की कौशल को भी बेहद पसंद आया है। गेम की शुरुआत में शहनाज ने मस्ती भरे अंदाज में कैमरामैन को कहा कि जब हम एक-दूसरे की आंख में देखें तो 'क्लोज-अप' ले लेना। विक्की कौशल भी शहनाज के साथ खूब मस्ती करते नजर आए। इस दौरान दोनों ने साथ में शूट भी किया। वीडियो शेयर करते हुए शहनाज ने दिलचस्प कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'इतना हैंडसम मुंडा हो सामने, तो कोई भी खो जाए...गेम तो बस बहाना था!'

शहनाज के इस वीडियो पर यूजर्स के काफी दिलचस्प कमेंट्स आ रहे हैं। हर कोई शहनाज के लुक की तारीफ करता नजर आ रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'दो पंजाबी एक फ्रेम में।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इस एपिसोड का बेसब्री से इंतजार है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'शहनाज तुम इस दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला हो।' बता दें कि शहनाज का यह शो उनके यूट्यूब चैनल पर प्रसारित होगा। हर एपिसोड में शहनाज फिल्मी सितारों के साथ दिलचस्प बातचीत करती नजर आती हैं।

पूजा हेगड़े ब्लू लहंगे में दीखीं खूबसूरत क्यूट स्माइल पर फिदा हुए फैंस

रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'सर्कस' का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। रिलीज से पहले फिल्म की पूरी टीम प्रमोशन में जुटी हुई है इसी बीच एक्ट्रेस पूजा हेगड़े भी फिल्म सर्कस के प्रमोशन के दौरान नजर आईं। जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में पूजा ब्लू लहंगे में दिखाई दीं। इस आउटफिट में एक्ट्रेस बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने मुस्कुराते हुए पैपराजी को जमकर पोज भी दिए। जिसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उनकी जमकर तारीफ की है। वर्कफ्रंट की बात करें, तो पूजा हेगड़े के पास साउथ फिल्मों के अलावा कई हिंदी फिल्में लाइन में लगी हुई हैं। पूजा जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' में नजर आने वाली हैं। साथ ही वो तेलुगु फिल्म 'जन गन मन' में भी दिखाई देंगी।

कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'सर्कस' का धमाकेदार ट्रेलर 2 दिसंबर को रिलीज किया गया है। ट्रेलर को देखने के बाद 'सर्कस' के लिए फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। बता दें ये फिल्म क्रिसमस के मौके पर 23 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ-साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडिस भी अहम रोल में दिखाई देंगी।

कौन हैं आशू रेड्डी

रामगोपाल वर्मा एक वक्त बॉलीवुड के उन डायरेक्टर्स में शामिल थे, जिनके साथ हर कोई काम करना चाहता था. मगर आज के रामगोपाल वर्मा, उनका काम, हरकतें देख कोई भी चौंक जाएगा. बार बार अपने एक्शन से सरप्राइज करने वाले रामगोपाल वर्मा ने फिर से ऐसा कारनामा कर दिया कि ट्रोल होने लगे. एक इंटरव्यू में वे एक्ट्रेस आशू रेड्डी के पैरों पर बैठे, फिर उनके पैरों की उंगलियों को चूमने लगे. रामगोपाल वर्मा का ये डेंजरस इंटरव्यू वायरल हो रहा है. साथ ही वीडियो में नजर आई एक्ट्रेस आशू रेड्डी भी. इस रिपोर्ट में जानते हैं कौन है बोल्ड और ब्यूटीफुल आशू रेड्डी. जो रामगोपाल संग दिखकर लाइमलाइट में आ गई हैं.

आशू रेड्डी दल्लास बेस्ड इंडियन सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं. वे एक्ट्रेस भी हैं. इंस्टाग्राम पर आशू रेड्डी के 1.8M फॉलोअर्स हैं. एक्ट्रेस का सोशल मीडिया अकाउंट उनकी ग्लैमरस तस्वीरों से भरा हुआ है. आशू की मदहोश कर देने वाली अदाओं पर फैंस फिदा रहते हैं. आशू बड़ी तेलुगू इफ्लूएंसर्स में शुमार की जाती हैं. वे अक्सर अपने चैनल पर रामगोपाल वर्मा संग वीडियो शेयर करती हैं. आशू को साउथ सिनेमा की जूनियर समांथा के नाम से जाना जाता है. वे टीवी होस्ट भी हैं. आशू की डेब्यू मूवी 2018 में आई थी. फिल्म का नाम चल मोहन रंगा था. एक्ट्रेस ने एमबीए की पढ़ाई की हुई है. ग्लैमरस आशू रेड्डी विवादों में भी रहती हैं. उनका रामगोपाल वर्माके साथ एक इंटरव्यू सामने आया था जिसमें दोनों के बीच हुई बातचीत ने टॉलीवुड इंडस्ट्री में सनसनी मचा दी थी. इंटरव्यू में आशू और रामगोपाल वर्मा ने सेक्स, पोर्न और पर्सनल लाइफ के बारे में बातें की थीं. वीडियो इस तरह से शूट किया गया कि एक्ट्रेस के कर्व्स फ्लॉन्ट हो रहे थे. दोनों के बीच हुए बोल्ड सवाल-जवाब सुनकर इंडस्ट्री के लोग हैरान हो गए थे. इंटरव्यू की शुरूआत में आशू ने रामगोपाल वर्मा को उनकी थिग्स पर भद्दा कमेंट करने के लिए थप्पड़ भी मारा था. हालांकि ये थप्पड़ सीरियस नहीं था. बल्कि मजाक में किया गया था. अब एक बार फिर रामगोपाल और आशू रेड्डी के इंटरव्यू में तहलका मचा दिया है. आशू तेलुगू इंडस्ट्री में काम करती हैं. वे बिग बॉस तेलुगू सीजन 3 का हिस्सा रही थीं. उनकी शो में शॉर्ट जर्नी रही थी. 5वें हफ्ते में वे शो से बाहर हो गई थीं. आशू खुद को ब्यूटी कंटेंट एक्टिविस्ट बताती हैं. आशू ने अपनी जर्नी की शुरूआत लिप सिंक वीडियोज को सोशल मीडिया पर पोस्ट करके की थी.

आशू एक्टर और राजनेता पवन कल्याण की बड़ी फैन हैं. वे उन्हें भगवान मानती हैं. आशू ने पीठ पर पवन कल्याण के नाम का टैटू भी बनवा रखा है.

अक्षय कुमार की ये बात सुन धक-धक करने लगा इंटरनेट यूजर्स का दिल, बोले- बता रहे हो या डरा रहे हो भाई?

इस बीच अपने एक ताजा इंटरव्यू में अक्षय कुमार ने बताया कि अगला साल यानी 2023 उनके लिए काफी व्यस्त होने वाला है. अगले वर्ष हर दो महीने बाद उनकी एक फिल्म रिलीज होगी. इस दौरान उनकी फिल्म 'सेल्फी', 'ओएमजी 2 – ओह माय गॉड! 2', 'सोरारई पोटरु रीमेक', 'कैप्सूल गिल', 'वेडात मराठे वीर दौडले सात' और 'बड़े मियां छोटे मियां' आ रही हैं. गौरतलब है कि अक्षय कुमार की इस वर्ष भी कई फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन वो बॉक्स ऑफिस पर कुछ कामल नहीं कर सके.

ऐसे में अगले साल से उन्हें काफी उम्मीदें हैं. इस बीच जैसे लोगों को पता चला कि 2023 में हर दूसरे महीने पर उनकी फिल्म आएगी तो यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया. एक यूजर ने लिखा, 'बता रहे हो या डरा रहे हो भाई?' एक अन्य ने कमेंट किया, 'हर 2 महीने का मतलब है कि और 6 फ्लॉप लोड हो रहे हैं.' एक और यूजर ने लिखा, 'सब फ्लॉप होंगी, गलतियों से कुछ नहीं सीखा'.

'लगता है हम यहां न्यूड हैं...', डेटिंग लाइफ से जुड़ी बात पर ऐसा क्यों बोलीं नरगिस फाखरी?

'रॉकस्टार' एक्ट्रेस नरगिस फाखरी एक बार फिर हेडलाइंस में आ गई हैं. लेटेस्ट इंटरव्यू में नरगिस फाखरी कई चीजों को लेकर थोड़े गुस्से में नजर आईं. एक्ट्रेस का कहना है कि वो अपनी लाइफ को प्राइवेट रखना चाहती हैं. पर इंटरनेट की वजह से अब सेलेब्ल की जिंदगी खुली किताब की तरह हो चुकी है. जानते हैं कि एक्ट्रेस ने अपनी लाइफ को लेकर और क्या कहा.

आम इंसान की तरह सेलेब्स भी अपनी कुछ चीजों को प्राइवेट ही रखना चाहते हैं. पर हर वक्त उनकी चीजें छिप सकें ये मुमकिन नहीं है. इसके अलावा फैंस भी ये जानने को बेकरार रहते हैं कि उनके फेवरेट सेलेब्स किसे डेट कर रहे हैं. इस पर बात करते हुए नरगिस कहती हैं, 'मैं ईमानदार और सच्ची हूं. अगर लोग मुझसे मेरे पर्सनल लाइफ के बारे में पूछते हैं, तो मुझे इससे दिक्कत नहीं है. पर मुद्दा ये है कि यहां लोग काम के बजाए उस पर फोकस करते हैं.'

आगे वो कहती हैं, 'मुझे निजी जिंदगी के बारे में बात करने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मैं अपने काम को हाईलाइट करना पसंद करूंगी. कई लोग हैं जो अपनी लाइफ के बारे में बात करने से हिचकते हैं. या फिर उस पर बात ही नहीं करना चाहते हैं. ये ठीक है. हमें उनकी प्राइवेसी का सम्मान करना चाहिए. पर ये बहुत ही अजीब काम बन चुका है.'

नरगिस का कहना है कि इंटरनेट की वजह से स्टार्स की प्राइवेसी भंग हो चुकी है. सोशल मीडिया जानता है कि हम फोन में क्या देखते हैं और क्या देखना चाहते हैं. नरगिस ने ये तक कहा कि उन्हें लगता है कि हम सब पूरी तरह न्यूड हो चुके हैं. वो कहती हैं, 'मैं कभी-कभी ये सोच कर परेशान हो जाती हूं कि लोग इस बात की परवाह क्यों करते हैं कि मैं किसे डेट कर रही हूं. पर मैंने इ से हमेशा अच्छे से डील किया है.' वहीं अगर एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें, तो नरगिस को आखिरी बार तेलुगू फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में देखा गया था।

सुशांत सिंह राजपूत के फ्लैट को नहीं मिल रहा कोई किराएदार, रियल एस्टेट ब्रोकर ने बताई वजह

बॉलीवुड के दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से उनका मुंबई स्थित फ्लैट खाली पड़ा है. 14 जून, 2020 को सुशांत अपने फ्लैट में मृत पाए गए थे, उनकी मौत को लेकर अभी भी सीबीआई जांच चल रही है. अब जिस फ्लैट में वो रह रह थे, वहां कोई और नहीं रहना चाहता. एक्टर के फ्लैट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि वो अब खाली और सूनसान पड़ा हुआ है. रियल एस्टेट ब्रोकर रफीक मर्चेंट ने कहा कि उसे अभी तक एक नया किरायेदार नहीं मिला है.

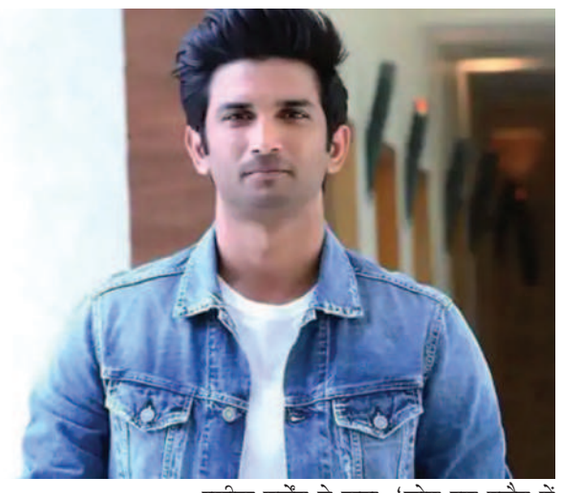

रफीक मर्चेंट ने खुलासा किया कि घर का मालिक अब फ्लैट को किसी मशहूर हस्ती को नहीं देना चाहता. इसके अलावा वो फ्लैट का किराया भी 5 लाख रुपये प्रति माह से कम नहीं करना चाहता. रफीक मर्चेंट ने हाल ही में समुद्र के सामने वाले फ्लैट की एक क्लिप पोस्ट की है जिसमें कहा गया है कि फ्लैट 5 लाख रुपये प्रति माह के किराए पर उपलब्ध है. मर्चेंट के मुताबिक फ्लैट के मालिक एक एनआरआई हैं, जो बॉलीवुड हस्तियों को अपना फ्लैट देने को तैयार नहीं है. अब उन्हें किराएदार के रूप में एक कॉर्पोरेट व्यक्ति की तलाश है.

रफीक मर्चेंट ने कहा, 'लोग इस फ्लैट में जाने से डरते हैं. जब आने वाले किरायेदारों को पता चलता है कि ये वही अपार्टमेंट है जहां उनकी (सुशांत) मृत्यु हुई थी, तो वे फ्लैट को देखने भी नहीं आते. आजकल लोग बहुत कम फ्लैट देखने आ रहे हैं, क्योंकि एक्टर की मौत की खबर पुरानी हो गई है. इसके बावजूद डील फाइनल नहीं हो रही है.

लोगों को पहले ही बता दिया जाता है कि यह वह जगह है जहां सुशांत रहते थे. कुछ लोगों को फ्लैट की हिस्ट्री से कोई मतलब नहीं है और वे यहां रहना चाहते हैं, लेकिन उनके दोस्त और परिवार के सदस्य उन्हें डील को करने से रोक देते हैं. अब मालिक किसी फिल्म सेलेब्रिटी को फ्लैट किराए पर नहीं देना चाहता, चाहे वह कोई भी हो या कितना भी बड़ा क्यों न हो.'

राजनीति में जाने के लिए पॉलिटिकल बैकग्राउंड हो जमीन से जुड़े हों या प्रतिभा से लबरेज हों

भारत में गरीबों की दुर्दशा पर कविता लिखने वाले कवि 'अदम गोंडवी' ने ऊपर लिखी लाइनों में, भारतीय राजनीति की एक 'डार्क पिक्चर' दिखाई है। खैर किसी को दोष देने से फायदा नहीं क्योंकि किसी भी देश की राजनीति उस देश के समाज का ही आईना होती है। भारत में राजनीति में करिअर का दायरा जबरदस्त है। भारत विविधता के साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशो में से एक है। राजनीति एक अच्छा पेशा है जहां आपको लोगों की सेवा करने और देश के उत्थान का अवसर मिलता है। इसे सिर्फ बुरा मानना ठीक नहीं।

आप क्या पाते हैं राजनीति में आ कर

सैद्धांतिक रूप से आप जन सेवा और देश सेवा हेतु राजनीति में आते हैं, लेकिन पाते बहुत कुछ हैं। विभिन्न पदों पर पहुंचने के बाद सरकार आकर्षक भत्तों के साथ पारिश्रमिक का भुगतान करती है, लेकिन आपसे लोगों और देश के प्रति ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करने की अपेक्षा की जाती है। आपको अपनी पार्टी, लोगों और कई अन्य राजनेताओं का समर्थन प्राप्त होता है। आप जहां भी जाते हैं सम्मान अर्जित करते हैं। यदि आप असुरक्षित महसूस करते हैं तो आप अपने या अपने परिवार के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग कर सकते हैं। मशहूर हस्तियों से मिलने का मौका मिलता है, और आप खुद एक सेलिब्रिटी बनते हैं!

कठिन है एंट्री करना

हालांकि, एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार के व्यक्ति के लिए राजनीति में करिअर बनाना आसान नहीं है, क्योंकि शुरुआत के कई वर्षों तक आय का कोई जरिया नहीं होता। आय तभी शुरू होती है जब आप किसी पद पर नियुक्त होते हैं। किसी पॉलिटिकल पार्टी को ज्वाइन करने या उनके लिए कार्यकर्त्ता के रूप रैलियों, केम्पेन्स में भाग लेने के लिए कोई नियमित आय नहीं प्रदान की जाती है। कुछ लोगों ने हमारे देश में भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और अपनी 4-5 पीढ़ियों के लिए पर्याप्त धन जमा करके राजनीति को बदनाम किया है। भारत को युवा, ईमानदार, शिक्षित, सभ्य, मेहनती लोगों की जरूरत है जो भारत को दुनिया का अग्रणी देश बना सकें।

भारत में पॉलिटिक्स में जाने के 3 रास्ते

किसी भी क्षेत्र के लोग राजनीति में आ सकते हैं, और कोई एजुकेशनल क्वालिफिकेशन भी कंपल्सरी नहीं है।

किसी राजनितिक परिवार में जन्म होना या सम्बन्ध होना

राजनीतिक परिवार में पैदा हुए लड़कों या लड़कियों के लिए राजनीति में प्रवेश सबसे सरल है। एक अच्छी तरह से स्थापित राजनेता के रिश्तेदार को राष्ट्रीय राजनीति में अचानक से पेश किया जाता है, भले ही उन्हें राजनीति में कोई अनुभव न हो। (ये संभव है कि वे परदे के पीछे से राजनीतिक ताकत हों)। तो इसके लिए आप या तो ऐसे परिवार में पैदा हुए हों, या उनके निकट सम्बन्धी हों, या बहुत करीबी गैर-सम्बन्धी। आप प्रतिभाशाली हो भी सकते हैं, नहीं भी। लेकिन एक स्टार्ट आपको मिल जाता है, जिसके बाद आप उसे आगे कैसे ले जाएंगे ये आप पर और आप पर जनता का विश्वास तय करता है।

जमीन से शुरू हो कर

भारत में राजनीति में करिअर बनाने का यह सबसे कठिन तरीका है।

यह तरीका तब इस्तेमाल होगा जब आपके पास राजनीति में कोई पृष्ठभूमि (राजनीतिक गॉडफादर या राजनीतिक परिवार) नहीं है और बहुत सारा पैसा भी नहीं है। अर्थात आप, मध्यम वर्ग या नीचे के हैं। शुरू करने के लिए आपके पास अपार साहस, दृढ़ संकल्प, लचीलापन, निस्वार्थता, नेतृत्व और सबसे बढ़कर लोगों और मानवता के लिए प्यार होना चाहिए। यह तभी संभव हैं जब आप वर्ग, जाति, रंग या धर्म की विभाजित दीवारों से ऊपर होते हैं और एक देशभक्त जो बिना किसी रिटर्न के बस अपना सर्वस्व राष्ट्र को देना चाहता है। इसके लिए समाज सेवा से शुरुआत करें, अपने क्षेत्र में लोकप्रिय बनें। वह क्षेत्र आपका जन्मस्थान या वह स्थान हो सकता हैं जहां आप लम्बे समय से रहते आये हों, क्योंकि आप नेचुरली उस क्षेत्र की भाषा, इतिहास, संस्कृति से परिचित होंगे। क्षेत्र की समस्याओं के बारे में जाने और उन्हें पूरा करने के तरीके खोजना शुरू करें। अपनी सद्भावना का उपयोग कर इन कार्यों के लिए फंडिंग जमा करें। अपने कार्यों का स्थानीय मीडिया में नोटिस होना सुनिश्चित करें। कम से कम 5 साल 'समाज सेवा' करने के बाद राजनीति में आएं।

प्रतिभा के बल पर

सिविल सेवा की ओर सेः कठिन अध्ययन करें। पॉलिटिकल साइंस, सोशल वर्क, लॉ इत्यादि क्षेत्र से अपनी पढाई पूरी करें। स्कूल, कॉलेज आदि में अच्छा प्रदर्शन करें। फिर बहुत अच्छी रैंक के साथ प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करें। IAS, IPS, IFS या IRS में प्रवेश लें। अपने पूरे करिअर में असाधारण प्रदर्शन करें। राजनीतिक दल जिससे आप संबद्ध होना चाहते हैं उसकी ओर झुकाव दिखाएं (लेकिन अपनी तटस्थता से समझौता न करें)। या तो समय से पहले सेवानिवृत्ति ले या सेवानिवृत्ति के बाद राजनीति में आएं। आप अपनी खुद की राजनितिक पार्टी भी शुरू कर सकते हैं।

अन्य क्षेत्रों सेः आप जिस भी क्षेत्र कार्य कर रहे हो चाहे वह खेल, फिल्म, पेंटिंग या कोई और कला हो उसमें अच्छा परफॉर्म कर लोकप्रिय हों, धन कमाएं। कई बार पॉलिटिकल पार्टी ऐसे उम्मीदवारों को टिकट देना पसंद करती हैं। शिक्षा नहीं बल्कि यहां महत्व जनाधार होने का है। आपके पास अविश्वसनीय सामाजिक संबंध होने चाहिए।

भारत में पॉलिटिक्स में करियर बनाने के लिए आपको लोकल भाषा का ज्ञान होना, बड़ी-बड़ी रैलियों में बोलने की कला, सामाजिक संबंधों को बनाए रखने की कला, मीडिया मेनेजमेंट के साथ अत्यधिक मेहनत और आत्मविश्वास की आवश्यकता है। यदि आप में ये क्वालिटीज हैं तो आप पॉलिटिक्स में एक सफल करिअर बना सकते हैं।

सर्दियों में इनके साथ कैरी करें साड़ी

साड़ी ज्यादातर महिलाओं का पसंदीदा परिधान होता है। इसे पहनने हर कोई खूबसूरत लगता है। लेकिन सर्दियां आते ही ज्यादातर महिलाएं इस पहनने से परहेज करने लगती हैं। ऐसे में अगर आप भी ठंड में साड़ी पहनना चाहती हैं तो इसे इन तरीकों से कैरी कर सकती हैं। सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है। लोग ठंड से बचने के लिए अब अपने पहनावे में जरूरी बदलाव करने लगे हैं। लेकिन ठंड से बचाव के साथ ही इस सीजन स्टाइलिश दिखना भी बेहद जरूरी होता है। ऐसे में अगर आप साड़ी पहन रही हैं, तो फैशन का ध्यान रखना और भी ज्यादा जरूरी है। इन दिनों मार्केट में अलग-अलग डिजाइन की कई तरह की साड़ियां मौजूद हैं। लेकिन सर्दी में अगर आप साड़ी पहन रही हैं और स्टाइलिश दिखने के साथ ही ठंड से बचना चाहती हैं, तो हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिसे फॉलो कर आप सर्दियों में भी स्टाइलिश और फैशनेबल लग सकती हैं।

श्रग का करें चयन

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जिसे पहनकर आप किसी भी ओकेशन में खूबसूरत लग सकती हैं। लेकिन अगर आप सर्दियों में साड़ी पहन रही हैं, तो स्टाइलिश लगने के साथ ही ठंड से बचना भी काफी जरूरी है। ऐसे में अगर आप साड़ी के साथ श्रग वियर करती हैं, तो इससे आप स्टाइलिश लुक भी पा सकेंगी और ठंड से भी बचेंगी।

लॉन्ग जैकेट के साथ करें पेयर

सर्दियों में अगर आप किसी पार्टी या फंक्शन में जा रही हैं और साड़ी पहनने का विचार बना रही हैं, तो आप बिना सर्दी की चिंता किए साड़ी पहन सकती हैं। ठंड से बचने के लिए आप साड़ी के ऊपर लॉन्ग जैकेट कैरी कर सकती हैं। इसके साथ ही आप हैवी ईयररिंग्स और गले में नेकपीस भी पहन सकती हैं। इसे पहनने से आप बेहद खूबसूरत और फैशनेबल लगेंगी और ठंड से भी बची रहेंगी।

साड़ी के साथ पहने जैकेट

सर्दियों में ज्यादातर महिलाएं चाहकर भी साड़ी पहनने से परहेज करती हैं। दरअसल, ठंड की वजह से कई महिलाएं साड़ी नहीं पहनती। अगर आप भी इन्हीं में से एक हैं, तो इस सीजन आप सर्दी लगने की चिंता किए बिना साड़ी पहन सकती हैं। बस ठंड से बचने के लिए आप चाहें तो साड़ी के साथ जैकेट पेयर कर सकती हैं। जींस और स्कर्ट के साथ शानदार लुक देने वाली जैकेट आपको साड़ी में भी खूबसूरत लुक देगी।

स्वेटर

सर्दियो में साड़ी पहनना चाहती हैं और ठंड से भी बचना है, तो आप साड़ी के साथ स्वेटर पहन सकती हैं। मार्केट में अलग-अलग डिजाइन के कई स्वेटर मौजूद हैं। आप अपनी पसंद के हिसाब से इन्हें खरीद सकती हैं। साड़ी के साथ स्वेटर पहनने से आप काफी स्टाइलिश भी लगेंगी और सर्दी से भी बची रहेंगी।

लेदर इंडस्ट्री में प्रोफेशनल्स की जरूरत युवाओं के लिए अच्छा मौका

फैशन के इस दौर में लेदर की उपयोगिता बढ़ी है। आज लेदर शूज, जैकेट, पर्स, बैग, कार एसेसरीज में यूज हो रहा है। देश में लेदर तकनीकी उद्योग का रूप ले चुका है और इसकी मांग भी तेजी से बढ़ी है। इसी डिमांड ने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर निकाले हैं। युवा 12वीं के बाद लेदर टेक्नोलॉजी से जुड़े कोर्स कर कॅरियर संवार सकते हैं। देश में देखा जाए तो प्रोफेशनल्स की काफी कमी है। इन प्रोफेशनल्स के लिए देश ही नहीं विदेश में भी अच्छे मौके हैं।

भारत में बड़े स्तर पर आ रही संभावनाएं

कुछ दशक पहले तक देश से चमड़े का निर्यात मात्र कच्चे माल के रूप में हुआ करता था और तैयार चमड़ा उत्पादों को बड़े पैमाने पर अन्य देशों से आयात किया जाता था। समय के साथ आए बदलाव, नई तकनीकों के इस्तेमाल और क्वालिटी बेस्ड लेदर प्रोडक्ट तैयार करने में महारथ हासिल की। अब है।

यहां मिल सकते हैं मौके

रोजगार के अवसरों की तलाश लेदर के प्रोडक्ट बनाने वाली इंडस्ट्रीज, प्रोडक्शन हाउसेस, बुटीक और डिजाइनर्स कंपनीज में की जा सकती है। इसके अलावा आप अपनी यूनिट स्थापित कर देश-विदेश में अपने प्रोडक्ट का सेल कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं पढ़ाई

सेंटर फॉर लेदर गुड्स एंड एसेसरीज फुटवियर डिजाइन एंड डवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी नई दिल्ली, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड लेदर टेक्नोलॉजी कोलकाता, सेंट्रल लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट चेन्नई, गवर्नमेंट लेदर इंस्टीट्यूट आगरा आदि।

ये हैं कोर्स

एमएससी इन लेदर गुड्स एंड एसेसरीज डिजाइन, बीएससी इन लेदर गुड्स एंड एसेसरी डिजाइन, बीटेक इन लेदर टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन लेदर गुड्स एंड एक्सेसरी डिजाइन, सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन लेदर गुड्स एंड एसेसरी डिजाइन।

युवाओं के लिए अपार्च्युनिटी

इसमें कॅरियर को तीन कैटेगरी में बांटा जा सकता है। पहला डिजाइनिंग, दूसरा तकनीक और तीसरा मार्केटिंग। डिजाइनिंग के क्षेत्र में फैशन के ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए नए पैटर्न बनाने होते हैं। इसके लिए हम स्टूडेंट्स को ट्रेंड भी करते हैं। तकनीकी क्षेत्र में आर्टिफिशियल लेदर उत्पादों का निर्माण और उत्पादन शामिल होता है। वहीं मैन्युफैक्चरिंग में टैनरीज और फैक्ट्रियों में होने वाली प्रक्रिया शामिल की जाती हैं। युवाओं के लिए इसमें जबरदस्त अपॉर्च्युनिटी है।

नेट से बने ब्लाउज के ये लेटेस्ट डिजाइंस

स्टाइलिश दिखना हम सभी चाहते हैं और इसके लिए हम आए दिन अपने लुक में तरह-तरह के बदलाव करते हैं। वहीं आजकल साड़ी को भी स्टाइल करने के काफी अलग-अलग तरीके इंटरनेट पर आपको देखने को मिल जाएंगे। बता दें कि साड़ी को स्टाइलिश बनाने के लिए आजकल नेट के ब्लाउज को काफी पसंद किया जा रहा है। कई बार आप और हम अपनी साड़ी के हिसाब से सही तरह की साड़ी को चुनते समय काफी कंफ्यूज भी हो जाते हैं, जिसके कारण हमारा लुक भद्दा नजार आने लगता है। ऐसे नेट के ब्लाउज के डिजाइन जिन्हें आप लगभग हर तरह की साड़ी के साथ कर सकती हैं स्टाइल।

स्क्वायर नेकलाइन डिजाइन

देखने में इस तरह का ब्लाउज काफी क्लासी नजर आता है। बता दें कि इस तरह ब्लाउज आप हैवी से हैवी साड़ी से लेकर सिंपल साड़ी तक के साथ स्टाइल कर सकती हैं। बता दें कि ऐसे ब्लाउज के साथ आप नेकलैस को अवॉयड करें ताकि ब्लाउज का डिजाइन सही तरीके से नजर आए। आप चाहे तो ब्लाउज को थोड़ा स्टाइलिश लुक देने के लिए नेक पर गोटा-पट्टी या लैस लगवा सकती हैं। वहीं आप चाहे तो स्लीव्स के लिए नेट फैब्रिक से पफ स्लीव्स बनवा सकती हैं।

स्वीटहार्ट नेकलाइन डिजाइन

सिंपल और सोबर डिजाइन के ब्लाउज पहनना पसंद करती हैं तो इस तरीके का डिजाइन आपके लिए परफेक्ट रहेगा। बता दें कि इसमें आपको स्लीव्स के लिए कई तरह के पैटर्न और डिजाइन मिल जाएंगे। इसमें आपको रेडीमेड ब्लाउज भी मिल जाएगा। रेडीमेड ऐसा ब्लाउज आपको करीब 500 रुपये से लेकर 1200 रुपये में आसानी से मिल जाएगा। अगर आप प्लस साइज हैं तो इस तरीके के डिजाइन को अवॉयड ही करें और रफल डिजाइन को चुनें। आप चाहे तो नेक या स्लीव्स पर फ्रिल डिजाइन बनवा सकती हैं।

चाइनीज कॉलर डिजाइन

अगर आप थोड़ा स्टाइलिश डिजाइन पहनना पसंद करती हैं तो इस तरीके के चाइनीज कॉलर को चुन सकती हैं। बता दें कि इसमें आप चाहे तो चैन या बटन लगवा सकते हैं। अगर आपके कंधे चौड़े हैं तो आप ऐसे ब्लाउज डिजाइन को चुन सकती हैं। साथ ही इसके लिए आप थ्रेड वर्क वाले नेट का इस्तेमाल करें। इस तरह का ब्लाउज डिजाइन खासकर बॉर्डर वर्क वाली साड़ी के साथ खूबसूरत नजर आता है।

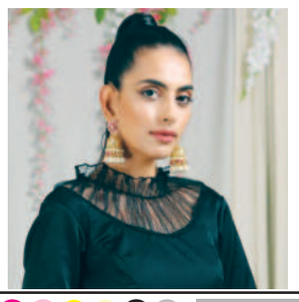

सरकारी नौकरियां

एसबीआई में स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर के 54 पदों पर निकली भर्ती

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर के पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके तहत, कुल 54 एससीओ के पदों पर नियुक्तियां की जाएगी। उम्मीदवारों को ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की आखिरी तारीख : 29 दिसंबर 2022

उम्मीदवार SBI के करियर पेज sbi.co.in/web/careers पर जाएं। होमपेज पर, "SPECIALIST CADRE OFFICERS" Post की भर्ती" पोस्ट पर क्लिक करें। ऑनलाइन आवेदन करें" लिंक पर क्लिक करें। अब रजिस्टर करें और आवेदन प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ें।

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने पीआरओ के पदों पर निकाली जॉब

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने पब्लिक रिलेशन ऑफिसर के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जो उम्मीदवार PRO पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे इग्नू की ऑफिशियल वेबसाइट ignou.ac.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।आवेदन की आखिरी तारीख : 12 जनवरी, 2023

योग्यता : इस पद पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम से 55 फीसदी अंको के साथ पीजी की डिग्री पास होना चाहिए। इस क्षेत्र में कार्य अनुभव भी जरूरी है।

पीआरओ के पदों पर आवेदन करने वाले सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को 1000 रुपये फीस देनी होगी। वहीं, अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / EWS और महिलाओं को 600 रुपये फीस देनी है, जबकि PwBD उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन भरने के लिए शुल्क का भुगतान करने से छूट दी जाएगी।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में निकली भर्ती, उम्मीदवारों के लिए इंटरव्यू की तारीख 15 दिसंबर 2022

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, HAL में नौकरी का शानदार मौका है। यह भर्ती केवल वॉक इन इंटरव्यू से होगी। एचएएल की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अप्रेंटिस के पद भरे जाएंगे। इसमें एयरोनॉटिकल, केमिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल, मेटलर्जी, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के पद शामिल हैं।

सिलेक्शन

इन पदों पर उम्मीदवारों का सिलेक्शन केवल वॉक इन इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा। इंटरव्यू 15 दिसंबर को सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक होगा।

योग्यता : उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त बोर्ड से डिप्लोमा /प्रोविजनल डिप्लोमा का सर्टिफिकेट होना चाहिए।

स्टाइपेंड

इन पदों पर सिलेक्शन होने के बाद उम्मीदवारों को 8000 रुपये प्रतिमाह का स्टाइपेंड ट्रेनिंग के दौरान दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन

कैंडिडेट्स को सबसे पहले अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद रजिस्ट्रेशन फॉर्म और 10वीं की मार्कशीट, डिप्लोमा सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा की मार्कशीट, कास्ट/PWD सर्टिफिकेट लेकर नीचे दिए गए पते पर 15 दिसंबर 2022 को पहुंचें।

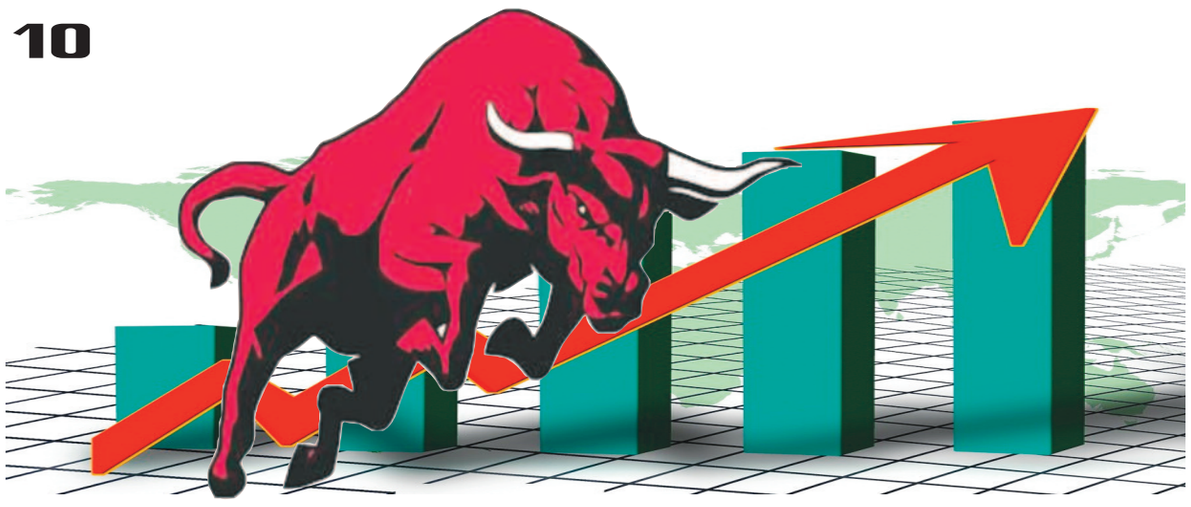

आपका पैन कार्ड होने वाला है निष्क्रिय? जल्दी से करें यह काम, आईटी विभाग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। इनकम टैक्स विभाग ने पैन कार्ड यूजर्स से कहा है कि अगर अभी तक पैन और आधार को लिंक नहीं कराया है तो जल्द से जल्द करा लें।आयकर विभाग ने ट्विटर पर जानकारी दी है कि 31 मार्च, 2023 पैन को आधार कार्ड से लिंक करने की आखिरी तरीख है।ऐसे में अगर लिंक नहीं कराया जाता है तो 1 अप्रैल 2023 से पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा।इसका मतलब है कि आप पैन कार्ड का उपयोग नहीं कर पाएंगे।इनकम टैक्स विभाग ने ट्विटर पर लिखा है कि धारा 1961 के तहत सभी पैन कार्ड होल्डर को आधार से लिंक करना अनिवार्य है।अगर कोई यह काम 31 मार्च, 2023 तक नहीं करता है तो वह 1 अप्रैल से अपने पैन कार्ड का उपयोग नहीं कर पाएगा।अंतिम तारीख नजदीक है और आप इसे आज ही लिंक करा लें। आधार से पैन कार्ड को लिंक करने के लिए अभी जुर्माना भरना पड़ रहा है, लेकिन अगर आप 31 मार्च के बाद इसे लिंक कराने जाते हैं तो पेनाल्टी देने के बाद भी यह काम नहीं किया जाएगा।हालांकि अभी यह काम करने के लिए जुर्माना भरना होगा।यदि कोई व्यक्ति अब अपने पैन को अपने आधार से लिंक करता है, तो वह 1 हजार रुपये के विलंब शुल्क का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है।ऐसा इस कारण की अभी बिना जुर्माना देकर लिंक करने का डेट बीत चुका है। आधार को पैन कार्ड से लिंक करने के लिए आप सबसे पहले आयकर ई-फाइलिंग वेबसाइट पर जाएं।आपके पास वैध पैन नंबर, वैध आधार संख्या, वैध मोबाइल नंबर होना चाहिए।

एनडीटीवी की अडाणी समूह को पेशकश

बोर्ड में दो निदेशकों की नियुक्ति के लिए मांगे नाम

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। एनडीटीवी मीडिया ग्रुप ने उद्योगपति गौतम अडाणी के 'अडाणी ग्रुप' से अपने बोर्ड में नियुक्ति के लिए दो निदशकों के नाम मांगें हैं। बताया गया है कि कंपनी ने ग्रुप को दो सीटों की पेशकश की है। एनडीटीवी ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरत इस समूह को कंपनी में उसकी 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी के एवज में यह पेशकश की है। शेयर बाजारों को इसे लेकर सूचना भेजी जा चुकी है। गौरतलब है कि अडाणी समूह ने इस टीवी नेटवर्क के संस्थापकों राधिका रॉय और प्रणय रॉय से डील के तहत नई दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी) में 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी। इसके बाद, इसने सार्वजनिक शेयरधारकों से अतिरिक्त 26 प्रतिशत हासिल करने के लिए एक खुली पेशकश की। एनडीटीवी के निदेशक मंडल ने नौ दिसंबर, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की अप्रत्यक्ष अनुषंगी कंपनी आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड को आमंत्रित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उसके पास एनडीटीवी में 29.18 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी है। इस आधार पर उसे एनडीटीवी में दो निदेशक मनोनीत करने को आमंत्रित किया गया है। शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा गया है कि इस नियुक्ति पर 23 दिसंबर, 2022 को होने वाली निदेशक मंडल की अगली बैठक में विचार किया जाएगा। एनडीटीवी में सबसे अधिक शेयरधारिता होने के कारण अडाणी समूह को समाचार प्रसारण कंपनी का चेयरमैन नियुक्त करने का भी अधिकार मिल गया है। हालांकि, एनडीटीवी की ओर से शेयर बाजारों को भेजी गई सूचना में खुली पेशकश के बाद कंपनी में अडाणी की हिस्सेदारी का उल्लेख नहीं है। इससे पहले, शेयर बाजार नियामक सेबी ने अडाणी समूह को मीडिया कंपनी न्यू डेल्ही टेलीविजन (एनडीटीवी) के 26 फीसदी अतिरिक्त शेयर खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाने की मंजूरी दे दी थी। इस मंजूरी के मुताबिक, अडाणी समूह का ऑफर 22 नवंबर को आया था और 5 दिसंबर को ये बंद था। ऑफर में कंपनी के एक शेयर का मूल्य 294 तय किया गया है। बाजार नियामक ने 492.81 करोड़ के इस ऑफर के लिए 7 नवंबर को निर्णायक सहमति दी। अडाणी समूह की खुली पेशकश एनडीटीवी के शेयर के मौजूदा भाव की तुलना में काफी कम कीमत पर की गई है। खुली पेशकश के तहत शेयर का भाव 294 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है, जबकि शुक्रवार को शेयर बाजारों में एनडीटीवी का शेयर 414.40 रुपये पर बंद हुआ था।

स्थान	22 कैरेट गोल्ड (10ग्र)	24 कैरेट गोल्ड (10ग्र)	सील्वर (1केजी)
हैदराबाद	49,900 रुपये	54,440 रुपये	73,000 रुपये
बैंगलोर	49,900 रुपये	54,440 रुपये	73,000 रुपये
केरल	49,900 रुपये	54,440 रुपये	73,000 रुपये
विशाखापत्तनम	49,900 रुपये	54,440 रुपये	73,000 रुपये

स्थान	पेट्रोल पर लीटर	डीजल पर लीटर
हैदराबाद	109.67 रुपये	97.82 रुपये
दिल्ली	96.72 रुपये	89.62 रुपये
चेन्नई	102.63 रुपये	94.24 रुपये
मुंबई	106.31 रुपये	97.28 रुपये
बेंगलुरू	101.94 रुपये	87.89 रुपये

'मैं कभी नहीं बनूंगा सबसे अमीर व्यक्ति'

आनंद महिंद्रा ने ऐसा क्यों कहा

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रमुख उद्योगपतियों में से एक और महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अक्सर कई मजेदार ट्वीट करते रहते हैं।वह यूजर्स के पूछे गए सवालों पर भी जवाब देते हैं।ऐसा ही कुछ उन्होंने 11 दिसंबर को अपने ट्वीट में किया है।एक यूजर्स ने उनसे पूछा था कि वह भारत के सबसे अमीर व्यक्ति कब बनेंगे? इसपर उन्होंने जवाब दिया है। उद्योगपति आनंद महिंद्र ने यूजर्स के पुराने ट्वीट का जवाब देते हुए कहा, सच्चाई यह है कि मैं कभी सबसे अमीर व्यक्ति नहीं बनूंगा, क्योंकि यह मेरी इच्छा कभी नहीं थी।दरअसल फोर्ब्स की लिस्ट के अनुसार, आनंद महिंद्रा 2.1 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ 91वें स्थान पर है।फोर्ब्स इंडिया ने 29 नवंबर को इंडिया रिच लिस्ट 2022 जारी की।लिस्ट के अनुसार, भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की कुल संपत्ति 800 अरब डॉलर है। आनंद महिंद्रा के जवाब के बाद सोशल मीडिया पर इनकी सराहना हो रही है।एक यूजर ने लिखा, आनंद महिंद्रा हमारे देश और राष्ट्र के लिए उनके योगदान की बात करते हैं, लेकिन सबसे अमीर रैंक पर नहीं, हम हमेशा आपकी और रतन टाटा की प्रशंसा करते हैं और आपका जीवन लंबी और सुरक्षित रहे एक अन्य ने लिखा, आपका दिल आपका खजाना है! आप पहले ही हमारा दिल जीत चुके हैं।इसके अलावा, कुछ अन्य कमेंट में कहा गया कि आनंद सर रतन टाटा सर की तरह हैं।अमीर होने का कोई लालच नहीं है और सामान्य जीवन के लिए कोई डर नहीं है।ये लोग बेहतर फ्यूचर के लिए काम करते हैं।वहीं, एक दूसरे यूजर्स ने यह लिखा, मुझे नहीं लगता जो लोग वहां तक पहुंचे हैं, वे अमीर बनने के बारे में सोच रहे थे।उम्मीद है कि आप भी उन्ही की तहर बिना सोचे भी सबसे अमीर व्यक्ति बन सकते हैं।बता दें कि आनंद महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के अध्यक्ष हैं। महिंद्रा 2024 और 2026 के बीच भारत और विदेशी बाजारों में पांच नई इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने वाले हैं।

पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक ध्यान दें!

कल तक निपटा लें ये जरूरी काम वरना सस्पेंड हो सकता है खाता

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक यानी पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों को एक अलर्ट जारी किया है।अगर आप इस बैंक के खाताधारक है तो 12 दिसंबर 2022 तक इस काम को जरूर निपटा लें।ऐसा न करने से आपके खाते को सस्पेंड कर दिया जाएगा।पीएनबी ने अपने सभी कस्टमर्स को यह अलर्ट जारी किया है कि वह अपने खाते में केवाईसी जरूर करवा लें।इस काम को निपटाने की बैंक ने 12 दिसंबर 2022 तक की डेडलाइन रखी है।

अगर आप इस काम को जल्दी नहीं निपटाते हैं तो आपके अकाउंट को बैंक डीएक्टिवेट कर देगा।ऐसे में अगर आपने यह काम नहीं करवाया है तो सोमवार को पीएनबी की नजदीकी शाखा में जाकर इस काम को पूरा कर लें।ऐसा नहीं करने पर आप खाते को ऑपरेट नहीं कर पाएंगे और किसी तरह का ट्रांजैक्शन करने में दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।आज 11 दिसंबर 2022 को रविवार है।ऐसे में इस दिन बैंक की छुट्टी रहती है।ऐसे में इस काम को करने के लिए ग्राहकों के पास केवल एक दिन का समय रह गया है।कल यानी सोमवार के दिन सभी बैंक ऑपरेट करेंगे।आपको बता दें कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सभी सरकारी और गैर सरकारी बैंकों के लिए खातों में केवाईसी करने की अनिवार्यता कर दी है।ऐसे में जिन कस्टमर्स के खातों में इस प्रोसेस को पूरा नहीं किया जाता है बैंक उनके खाते पर अस्थाई तौर पर रोक लगा देता है।पंजाब नेशनल बैंक अपने ग्राहकों को घर बैठे यह सुविधा देता है कि वह केवल एक कॉल करके अपने खाते का केवाईसी स्टेटस चेक कर सकते हैं।इसके लिए आपको बैंक के कस्टमर केयर नंबर 18001802222 या 18001032222 पर कॉल करके यह पता कर सकते हैं कि आपके खाते में केवाईसी पूरा हुआ है या नहीं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	04-44 बजे
चंद्र-	कर्क	में	धनु---	06-58 बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	09-02 बजे
बुध-	धनु	में	कुंभ -	11-03 बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	12-31 बजे
शुक्र-	धनु	में	मेष--	14-06 बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	15-52 बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	17-53 बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	20-04 बजे
			सिंह...	22-17 बजे
			कन्या..	23-27 बजे
			तुला	02-33 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व -कांच में मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी **- 18 -47** तक उपरान्त पंचमी
मास - पौष कृष्ण पक्ष **,** सोमवार **Dec 12**
नक्षत्र - पुष्य **- 23 - 35 -** तक उपरान्त आश्लेषा
योग - ऐन्द्र **- 06 - 05 -** अहोरात्र तक
करण- बालव **-18 - 47 -** तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री दीपनारायण पुरी पुण्य

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
08:01 से
09:24 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत.	06:40 - 08:01 शुभ	चंचल.	17:39 - 19:19 शुभ
काल.	08:01 - 09:24 अशुभ	रोग.	19:19 - 20:56 अशुभ
शुभ.	09:24 - 10:47 शुभ	काल.	20:56 - 22:33 अशुभ
रोग.	10:47 - 12:10 अशुभ	लाभ.	22:33 - 00:10 शुभ
उत्पात	12:10 - 13:33 अशुभ	उत्पात	00:10 - 01:47 अशुभ
चंचल	13:33 - 14:56 शुभ	शुभ.	01:47 - 03:24 शुभ
लाभ	14:56 - 16:19 शुभ	अमृत	03:24 - 05:01 शुभ
अमृत	16:19 - 17:39 शुभ	चंचल	05:01 - 30:40 शुभ

ट्विटर एक बार फिर लॉन्च करेगा 'ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन सर्विस'

जानिए एलन मस्क का क्या है प्लान

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर एक बार फिर से अपने ब्लू पेड सब्सक्रिप्शन को शुरू करने जा रहा है।अपनी इस प्रीमियम सर्विस को ट्विटर एक महीने के अंतराल के बाद शुरू कर रहा है।कंपनी ने शनिवार को इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि वह अपनी प्रीमियम 'ब्लू पेड सब्सक्रिप्शन सर्विस' सोमवार यानी 12 दिसंबर 2022 से रिलॉन्च करने जा रहा है।अक्टूबर के महीने में दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने ट्विटर को पूरे 44 बिलियन डॉलर में खरीद लिया था।इस डील के बाद मस्क ने यह ऐलान किया था कि वह सामान्य लोगों को भी ब्लू टिक देगें। इसके साथ ही जिन लोगों के अकाउंट वेरिफाइड हैं उन्हें भी हर महीने एक निश्चित शुल्क देना होगा।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जो लोग सामान्य फोन में ट्विटर का ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन सर्विस लेते हैं तो उन्हें 8 डॉलर प्रति माह के हिसाब से शुल्क देना होगा। वहीं आईफोन यूजर्स को इसके लिए 11 डॉलर प्रति माह के हिसाब से देना होगा।ऐसे में आईफोन यूजर्स को ब्लू टिक सर्विस के लिए ज्यादा शुल्क देना होगा। आपको बता दें कि पहले ट्विटर बिना किसी शुल्क के कंपनियों, नेताओं, सेलिब्रिटी, पत्रकारों सहित मशहूर हस्तियों को ब्लू टिक दिया करता था, लेकिन मस्क के टेकओवर के बाद ब्लू टिक को ट्विटर ने एक पेड सर्विस में बदल दिया है। अब कोई आन व्यक्ति भी ट्विटर का ब्लू टिक शुल्क देकर ले सकता हैं।इससे पहले भी कंपनी ने एक बाद ब्लू पेड सर्विस शुरू करने की कोशिश की थी, लेकिन इसके कारण कई लोगों ने शुल्क देकर फर्जी अकाउंट्स को ट्विटर पर वेरिफाई करवा लिया था।

इसके कारण ट्विटर पर फेक अकाउंट्स की संख्या तेजी से इजाफा हो गया था।इसके बाद काफी विवाद हो गया था।मालूम हो कि दुनिया की दिग्गज फार्मेसी कंपनी एली लिली के नाम से एक फर्जी अकाउंट बनाया।

अब सिंगल सिगरेट बेचने पर रोक लगाने की तैयारी

संसद की स्थायी समिति ने सिफारिशें की, तंबाकू यूज पर रोक और जीएसटी बढ़ाने का दिया तर्क

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की स्थायी समिति ने देश में तंबाकू उत्पादों और अल्कोहल के सेवन पर प्रभावी रोक की सिफारिशें की हैं। समिति ने सिंगल सिगरेट बेचने पर रोक लगाने का प्रस्ताव दिया है। समिति का मानना है कि इससे तंबाकू नियंत्रण अभियान प्रभावित होता है। सिंगल सिगरेट से खपत बढ़ती है। एयरपोर्ट के स्मोकिंग जोन को बंद किए जाने की सिफारिश भी की है। समिति के अनुसार जीएसटी लागू होने के बाद भी तंबाकू उत्पादों पर टैक्स में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई है। ऐसे में संभावना है कि आम बजट में तंबाकू उत्पादों पर टैक्स बढ़ोतरी होगी। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के हवाले से समिति ने कहा है कि अल्कोहल और तंबाकू का सेवन करने से कैंसर की आशंका बढ़ती है। गुटखा, सुगंधित तंबाकू और माउथ फ्रेशनर के नाम से बिकने वाले उत्पादों पर भी रोक लगे। तंबाकू उत्पादों से मिलने वाले टैक्स का इस्तेमाल कैंसर पीड़ितों में इलाज में किया जाएगा। साथ ही अतिरिक्त राशि का उपयोग तंबाकू के खिलाफ जागरूकता फैलाने में किया जाए। मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल के कैंसर सर्जन पंकज चतुर्वेदी का कहना है कि तंबाकू उत्पादों पर टैक्स बढ़ने से कैंसर के मामलों में कमी आ सकती है। हेल्थ इकोनॉमिस्ट और राजगिरि कॉलेज सोशल साइंसेज, कोच्चि के एडजंक्ट प्रोफेसर रिजो एम. जॉन का कहना है कि तंबाकू उत्पादों पर टैक्स स्लैब ठीक नहीं है। लोगों की सेहत के लिए ये बेहतर होगा कि इन पर टैक्स बढ़ाया जाए। वॉलेंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया और अन्य एक्सपर्ट के प्रस्ताव के अनुसार प्रति बीड़ी न्यूनतम दर 1 रुपए और सिगरेट की 12 रुपए की जाए। स्मोक फ्री सिगरेट पर 90% टैक्स बढ़ाया जाए। इससे 416 अरब रुपए का राजस्व बढ़ेगा।

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं। आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं। इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा। आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा। ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें। आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे।

मिथुन का की कू घ ङ छ के को ङा

दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा। आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे।लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेंगा।आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा।

कर्क डी डू डे डो डा डी डू डे डो

आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे।आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें।छुट्टी का दिन शांति से बिताएं। अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी।आज आप थोड़े से घमंड के मूड में रहेंगे।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है। आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है। ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा।पहचान और इज्जत भी मिलेगी।वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी। वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है। सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे। आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें। इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी।

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

नई उर्जा का प्रवेश होगा।आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है। आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा।आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू

अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है।अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बौद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें,इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी। हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं।आज आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी छोटी दिक्कतें हो सकती हैं।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते। आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नहीं होगा।आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा।

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है।भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें।जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें।ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो।

कुंभ गू गे गो सा शी सू से सो दा

आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढ़ाव भरा रहेगा।ग्रहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे।इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा।

मीन दी दू थ झ ञ के दो चा ची

आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी।आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा। आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे। आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

सरकार ने 500 रुपये के नोट को लेकर दी बड़ी जानकारी

क्या आपके पास भी हैं ऐसे नोट!

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। 500 के नोट को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों एक मैसेज वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि 500 के नोट नकली हैं, जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर के हस्ताक्षर के बजाय गांधीजी के पास हरी पट्टी है।अब इस मैसेज को लेकर सरकारी संस्था पीआईबी ने जानकारी दी है और कहा है कि दोनों तरह का नोट मान्य है। पीआईबी ने अपने ट्विटर पर जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर के सिग्नेचर के पास हरी पट्टी हो या फिर गांधीजी की तस्वीर के पास फोटो हो, दोनों तरह के नोट वैध हैं।सरकार के आधिकारिक फैक्ट चेकर पीआईबी फैक्ट चेक ने लोगों को ऐसे फेक मैसेज को लेकर सावधान किया है।पीआईबी ने अपने ट्वीट में कहा है कि गांधीजी के पास या आरबीआई के हस्ताक्षर के पास हरे रंग की पट्टी वाले सभी नोट वैध हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 500 रुपये के नोट पर महात्मा गांधी की तस्वीर, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं।नोट पर पीछे की तरफ रेड फोर्ट, जो देश की विरासत और संस्कृति को दर्शाता है।नोट का कलर स्टोन ग्रे है, इसके साथ ही इसमें अलग डिजाइन और ज्यामितीय पैटर्न हैं, जो पूरी तरह से कलर हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 500 रुपये के असली नोट की विशेषताएं होती हैं।किसी भी 500 रुपये की करेंसी में अगर इनमें से एक भी फीचर कम है तो यह नकली हो सकता है।

जी20 फाइनेंस ट्रैक की पहली बैठक की मेजबानी के लिए बेंगलुरु तैयार, इस एजेंडे पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। इसके तहत जी-20 वित्त और केंद्रीय बैंकों के उप-प्रमुखों की पहली बैठक मंगलवार से बेंगलुरु में शुरू होगी। वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जाने वाली इस बैठक में भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत वित्त ट्रैक एजेंडे पर चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने बताया कि बेंगलुरु भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत जी-20 फाइनेंस ट्रैक की पहली बैठक की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पहली जी-20 फाइनेंस और सेंट्रल बैंक के उप-प्रमुखों की बैठक 13-15 दिसंबर तक बेंगलुरु में होने वाली है। सेठ ने कहा कि यह सुखद क्षण है कि बेंगलुरु भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत जी-20 फाइनेंस ट्रैक की पहली बैठक की मेजबानी करेगा। हम भारत के एक प्रमुख मेट्रोपॉलिटन शहर से फाइनेंस ट्रैक बैठक शुरू कर रहे हैं, जो हाई-टेक उद्योग के लिए अग्रणी है। उन्होंने कहा कि जी-20 वैश्विक आर्थिक चर्चा और अंतरराष्ट्रीय नीति सहयोग के लिए बहुत प्रभावी मंच है। जी20 सदस्यों के अलावा, कई अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को इस बैठक में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमें प्रमुख वैश्विक आर्थिक समूह जी-20 की अध्यक्षता करने का मौका ऐसे समय में मिला है, जब भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही है। सेठ ने कहा कि पीएम मोदी ने बाली में हुई जी-20 की बैठक में जोर दिया था कि विकास का लाभ सार्वभौमिक और सर्व-समावेशी होना चाहिए, वित्त मंत्रालय ने इस विचार को जी-20 फाइनेंस ट्रैक एजेंडे में शामिल किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास जी-20 फाइनेंस ट्रैक बैठक का नेतृत्व करेंगे। सेठ ने कहा कि हम वित्त प्रतिनिधियों के स्तर पर चर्चा शुरू करने जा रहे हैं। इसके बाद हमने फरवरी में बेंगलुरु में जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक की योजना बनाई है। अजय सेठ ने कहा कि बैठक में मौजूदा और भविष्य के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इनमें वैश्विक मैक्रोइकोनॉमिक मुद्दे, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे को मजबूत करना और वित्तीय समावेशन, बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण, स्वास्थ्य वित्तपोषण, स्थायी वित्त और अंतरराष्ट्रीय कराधान जैसे वित्तीय क्षेत्र के मुद्दे शामिल हैं।

दिल्ली का मौसम लेगा यू-टर्न

अगले सप्ताह से पारा पहुंचेगा छह डिग्री, कड़ाके की ठंड के आसार

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एक-दो दिन से अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। पहाड़ों में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान बढ़ रहा है। अब अगले सप्ताह से इस विक्षोभ का असर कम होने से मौसम यू टर्न लेगा और न्यूनतम तापमान तेजी से गिरेगा। इससे सर्दी बढ़ जाएगी। तापमान छह डिग्री तक पहुंचने की संभावना है जबकि अभी न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से ऊपर चल रहा है। दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। अधिकतम तापमान बढ़ने से दिन में तेज हवाओं के चलने के बाद भी हल्की गर्मी का अहसास हुआ। वहीं, दिल्ली के कई मौसम विज्ञान केंद्रों पर न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री से ऊपर ही दर्ज हुआ। पीतपमुरा में न्यूनतम तापमान 13.5 और स्पोर्ट् स कॉम्पलेक्स में 13.4 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं, सुबह के समय कोहरे ने भी लोगों को परेशान किया। मालूम हो कि दिल्ली में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 26.8 और न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री दर्ज हुआ था। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि 15 दिसंबर से ठंड बढ़नी शुरू होगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री तक रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अभी मौसम शुष्क ही बना रहेगा। अक्तूबर मध्य के बाद से दिल्ली में बारिश नहीं हुई है, और अभी भी बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन इसके बाद भी अगले सप्ताह से ठंड बढ़नी शुरू हो जाएगी।

दिल्ली में शुष्क मौसम की वजह है कि पहाड़ों में तेजी से कोई पश्चिमी विक्षोभ की स्थिति नहीं बनी है। अभी एक कमजोर विक्षोभ है, जिसका असर एक से दो दिन में खत्म होने की संभावना है। इसका असर खत्म होने पर तापमान गिरने लगेगा। विभाग के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहने की संभावना है। मौसम साफ रहेगा और हल्की हवाएं चल सकती हैं। सुबह के समय हल्का कोहरा परेशान कर सकता है।

'आतंकियों को अच्छा और बुरा में बांटने का युग तुरंत समाप्त होना चाहिए'

भारत का पाकिस्तान पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। आतंकवाद को लेकर भारत ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना एक बार फिर से हमला बोला है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत द्वारा जारी एक अवधारणा नोट में कहा गया है कि राजनीतिक सुविधा के आधार पर आतंकवादियों को बुरा या अच्छा के रूप में वर्गीकृत करने का युग तुरंत समाप्त होना चाहिए। इस तरह से गुड टेररिज्म और बैड टेररिज्म करना, आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिए साझा वैश्विक प्रतिबद्धता को कमजोर करेगा। बता दें कि भारत, 15 देशों की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का वर्तमान अध्यक्ष है और 14 और 15 दिसंबर को विदेश मंत्री एस जयशंकर की अध्यक्षता में सुधारित बहुपक्षवाद और आतंकवाद-निरोध पर दो हस्ताक्षर कार्यक्रम आयोजित करेगा।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने लिखा पत्र

बैठक से पहले, संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को लिखे एक पत्र में कहा कि आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अवधारणा नोट को सुरक्षा परिषद के एक दस्तावेज के रूप में परिचालित किया जाना चाहिए। पत्र में लिखा गया है कि 11 सितंबर, 2001 को न्यूयॉर्क में हुए आतंकवादी हमले, आतंकवाद के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ थे। तब से, लंदन, मुंबई, पेरिस, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के कई हिस्सों में भी आतंकवादी हमले हुए हैं। इसमें कहा गया है कि ये हमले इस बात को उजागर करते हैं कि आतंकवाद का खतरा गंभीर और सार्वभौमिक है और दुनिया के एक हिस्से में आतंकवाद दुनिया के अन्य हिस्सों में शांति और सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

आतंकवाद का खतरा अंतरराष्ट्रीयः रुचिरा कंबोज

रुचिरा कंबोज ने कहा कि आतंकवाद का खतरा अंतरराष्ट्रीय है। आतंकवादी और उनके समर्थक, सुविधाकर्ता और वित्तीय पोषक दुनिया में किसी भी कृत्यों को व्यवस्थित करने के लिए विभिन्न न्यायालयों में रहते हुए सहयोग करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के सभी राज्यों के सामूहिक प्रयासों से ही एक अंतरराष्ट्रीय खतरे को पराजित किया जा सकता है। रुचिरा कंबोज ने कहा कि आतंकवाद की उसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में निंदा की जानी चाहिए। आतंकवाद के किसी भी कार्य के लिए कोई अपवाद या औचित्य नहीं हो सकता है।

मौत के अचानक बढ़ते मामलों पर महिला आयोग गंभीर

केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग ने देश में अचानक मौत के मामले बढ़ने को लेकर मीडिया रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। आयोग का कहना है कि इन मामलों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस तरह से मौत होना किसी तरह से कोविड-19 से जुड़ा है। आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने इस मामले में केंद्र और दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) को भी नोटिस जारी किया गया है। आयोग ने इन मौतों की जांच के लिए संबंधित विभागों की गठित किसी भी समिति का ब्योरा भी मांगा है। मौतों के कारणों के बारे में लोगों में जागरूकता के लिए उठाए गए कदमों के साथ-साथ उन सावधानियों के बारे में भी जानकारी मांगी है, जिन्हें लेने की सलाह लोगों को दी जानी चाहिए।

आयोग ने लोगों के स्वास्थ्य पर कोविड-19 वायरस के दीर्धकालिक प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सरकारों की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में भी पूछा है। केंद्रीय फोरेंसिक और बायोमेडिकल टीम से जांच करवाने के बारे में भी जानकारी मांगी है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि देश के सामने अचानक मौतों की कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं सामने आई हैं। इसी को दर्शाने वाले कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें युवा और बुजुर्ग को नियमित कार्यों के दौरान अचानक दम तोड़ते देखा जा रहा है। ऐसी मौतों के कारणों की तत्काल जांच होनी चाहिए। अगर ये मामले कोविड-19 से जुड़े हुए हैं तो सरकार को ऐसे मामलों से निपटने के लिए एक रणनीति बनानी चाहिए।

रूसी तेल पर जी-7 देशों की ओर से लगाई पाबंदियों का भारत ने नहीं किया समर्थन

पुतिन सरकार ने की तारीफ

मॉस्को, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस ने जी-7 देशों और उनके सहयोगियों के रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने का समर्थन नहीं करने के भारत के फैसले का स्वागत किया है। रूसी उप-प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने रूस में भारतीय राजदूत पवन कपूर के साथ एक बैठक के दौरान यह बयान दिया। रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उप-प्रधानमंत्री ने रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने का समर्थन नहीं करने के भारत के फैसले का स्वागत किया, जिसकी घोषणा पांच दिसंबर को जी7 देशों और उनके सहयोगियों द्वारा की गई थी। इससे पहले सितंबर में जी-7 देशों ने रूस से तेल आयात पर प्राइस कैप लगाने पर सहमति जताई थी। बयान के मुताबिक, नोवाक ने कहा कि रूस ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति के लिए अपने दायित्वों को पूरी जिम्मेदारी से निभा रहा है और ऊर्जा संकट के बीच पूर्व-दक्षिण के देशों को ऊर्जा निर्यात कर रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि साल 2022 के पहले आठ महीनों में भारत को रूसी तेल आयात बढ़कर 16.35 मिलियन टन पहुंच गया। विशेष रूप से, यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत ने रूस से तेल आयात करना जारी रखा।

भारत को तेल आपूर्ति में दूसरे स्थान पर रूस

बता दें, इस साल गर्मियों के दौरान भारत को तेल की आपूर्ति के मामले में रूस दूसरे स्थान पर था। इसके अलावा, रूस से तेल उत्पादों और कोयले की आपूर्ति में भी बढ़ोतरी हुई है। भारतीय राजदूत पवन कपूर के साथ बैठक के दौरान, नोवाक ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को अंतरराराष्ट्रीय मंच 'रूसी ऊर्जा सप्ताह 2023' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। यह अगले साल 11-13 अक्तूबर तक मॉस्को में आयोजित होगा।

अंडमान की शार्क और हिमालयी फ्रिटिलरी पौधे पर मंडरा रहे संकट के बादल, सम्मेलन में 196 देश ले रहे भाग

मॉन्ट्रियल, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के पश्चिमी घाट में पाया जाने वाला सफेद गाल वाला डांसिंग फ्रॉग, अंडमान की स्मूथहाउंड शार्क और हिमालयी क्षेत्रों की पीली फ्रिटिलरी वनस्पति भारत में उन 29 नई प्रजातियों में शामिल हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ये खुलासा कनाडा में आयोजित कॉप-15 जैव विविधता सम्मेलन के दौरान इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट के नवीनतम अपडेट में हुआ है। इसमें चेतावनी दी गई है कि अवैध रूप से मछली पकड़ने, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और बीमारियों से अंडमान स्मूथहाउंड शार्क जैसी समुद्री प्रजातियों पर खतरा पैदा हो गया है।

भारत में इन पर खतरा

आईयूसीएन की रेड लिस्ट विश्व में जैव विविधता की स्थिति का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। यह वैश्विक विलुप्ति के कगार पर खड़ी प्रजातियों की स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करती है। दुनिया के 15,000 से अधिक वैज्ञानिक आईयूसीएन आयोग के लिए काम करते हैं। भारत की जमीन, मीठे पानी और समुद्रों में पाई जाने वाली पौधों, प्राणियों और कवकों की 9,472 प्रजातियों में से 1355 को संस्था की रेड लिस्ट में शामिल किया गया है। मॉन्ट्रियल, कनाडा में 7 से 19 दिसंबर तक आयोजित सम्मेलन में भारत समेत 196 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य 2020 के बाद की वैश्विक जैव विविधता की रूपरेखा को आकार देना और प्रकृति को हुए नुकसान की 2030 तक भरपाई के लिए एक समझौते पर पहुंचना है।

कनाडा: नहीं रुक रहा सिखों पर हमला, कनाडा में घर में घुसकर महिला की हत्या, चाकू से किए गए ताबड़तोड़ कई वार

ओटावा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा में भारतीयों पर लगातार हमलों की खबरें सामने आ रही है, जिसमें ज्यादा सिख समुदाय के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है. ताजा मामला कनाडा के सर्रे का है, जहां एक 40 साल की सिख महिला की उसके घर में घुसकर कई बार चाकू से वार कर हत्या कर दी गई. रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस ने बताया कि उन्हें बुधवार (7 दिसंबर) रात 9.30 बजे चाकू से किए गए हमलों की सूचना मिली. मामले में जांच जारी है. मामले की सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला गंभीर हालत में थी, जब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पहले इस मामले में महिला हरप्रीत कौर के 40 वर्षीय पति को हत्या के संदेह के आधार पर मौके से गिरफ्तार किया गया था. हालांकि बाद में पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया. पुलिस ने अपील की है इस मामले से जुड़ी किसी भी तरह की कोई जानकारी किसी के पास हो तो पुलिस को बताया जाए.

युद्धग्रस्त यूक्रेन के बारे में बोलते हुए फूट-फूट कर रो पड़े पोप फ्रांसिस

कीव, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध 10 महीने के बाद भी अब तक नहीं थमा है. इस जंग में जहां एक ओर हजारों लोगों की मौत हो गई तो वहीं लाखों की तादाद में लोग बेघर हो गए. दुनियाभर में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले की निंदा की गई. इसी बीच पोप फ्रांसिस यूक्रेन की स्थिति पर बात करते हुए भावुक और रोते दिखे. दरअसल, मध्य रोम में स्पेनिश स्टेप्स के नजदीक पोप एक प्रार्थना सभा में शामिल हुए थे जहां उन्होंने यूक्रेन और जंग की बात की और भावुक हो गए. डेलीमेल की खबर के मुताबिक, पोप की आवाज़ बात करते-करते कांपने लगी और मौजूदा लोगों को अहसास हुआ कि वो भावुक हो रहे हैं.

ये मानवता के लिए बड़ी हार

पोप को इस कदर भावुक होते देख लोगों ने तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाया और भाषण को पूरा करने का आग्रह किया. पोप करीब 30 सेकंड तक चुप रहे और उसके बाद उन्होंने अपने भाषण को पूरा कर यूक्रेनियों के लिए प्राथना की. वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक, पोप ने इस दौरान कहा कि यूक्रेन जंग बहुत बड़ी पीड़ा रही है. ये इंसानियत-मानवता के लिए बड़ी हार है.

नाजी ऑपरेशन से की तुलना

इस जंग की शुरुआत से पोप फ्रांसिस लगातार पब्लिक स्तर पर यूक्रेन का जिक्र कर मॉस्को की लगातार आलोचना करते दिखे हैं. बीते बुधवार उन्होंने यूक्रेन में जंग की तुलना नाजी ऑपरेशन से की जिसमें दूसरे वर्ल्ड वॉर के दौरान करीब 20 लाख लोगों की मौत हुई थी. उन्होंने एक बयान में कहा कि यूक्रेन शहीद और रहा है और पुतिन राक्षसी हो रहा है.

ब्रिटेन के जर्सी प्रायद्वीप में भीषण धमाका

आग की लपटों से घिरा अपार्टमेंट, कई की मौत, 12 लोग लापता

सेंट हेलिएर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के जर्सी प्रायद्वीप में एक इमारत के 'अपार्टमेंट' में शनिवार को विस्फोट और आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ लोग लापता हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है। जर्सी पुलिस के मुख्य अधिकारी रॉबिन स्मिथ ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सेंट हीलियार शहर में हुए इस धमाके के बाद से लगभग 12 निवासी लापता हैं। जर्सी चैनल प्रायद्वीप ब्रिटेन का स्वशासित क्षेत्र है, जो इंग्लिश चैनल में उत्तरी फ्रांस के तट के निकट स्थित है। स्मिथ ने कहा कि तीन मंजिला इमारत पूरी तरह से ढह गई और इससे पास की एक इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। जानकारी के मुताबिक, इमरजेंसी सेवाएं धमाके के बाद प्रायद्वीप के दक्षिण के सेंट हेलायर में पहुंचीं। विस्फोट शनिवार सुबह करीब 4 बजे हुआ था। पुलिस प्रमुख रॉबिन स्मिथ ने कहा कि आग लगने से एक रात पहले इलाके में दमकलकर्मियों को बुलाया गया था, जब निवासियों ने कहा कि उन्हें गैस की गंध आ रही है। स्मिथ ने कहा कि विस्फोट विनाशकारी था और इसमें और भी मौतें हो सकती हैं। उन्होंने कहा, हमारे यहां एक तीन मंजिला इमारत है, जो पूरी तरह से ढह गई है। पास की एक इमारत को भी नुकसान पहुंचा है, फ्लैटों का एक और ब्लॉक क्षतिग्रस्त हुआ है, जिसे अग्निशमन सेवा के जरिए सुरक्षित किए जाने की जरूरत है।

अब खुलेगा वीआईपी का राज

पुलिस ने कोर्ट में दी नार्को टेस्ट की अर्जी, सोमवार को होगा फैसला

इन सवालों के मिल सकते हैं जवाब

टेस्ट के दौरान आरोपी वीआईपी का नाम बता सकते हैं।
नहर किनारे वास्तव में क्या हुआ था, यह भी उगल सकते हैं।
अंकिता के साथ कुछ गलत किया या नहीं, इस बात की जानकारी मिल सकती है।
इस मामले में उनका कोई और मददगार तो नहीं, यह बात भी वह बता सकते हैं।
मोबाइल नहर में फेंके हैं या फिर कहीं और छुपाए हैं, यह जानकारी भी हो सकती है।

देहरादून, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। अंकिता भंडारी के हत्यारोपियों का नार्को टेस्ट कराने के लिए एसआईटी ने शुक्रवार को न्यायालय में अर्जी दे दी। न्यायालय इस पर सोमवार को सुनवाई करेगा। बताया जा रहा है कि हां या ना पर सोमवार को ही फैसला हो सकता है। अंकिता हत्याकांड में शुरुआत से ही वीआईपी के नाम के खुलासे की मांग की जा रही है। पुलिस पर आरोप भी लगे हैं कि जानबूझकर वीआईपी का नाम उजागर नहीं किया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भी इस बात को उठा चुके हैं। ऐसे में परिजनों ने कुछ दिन पहले आरोपियों का नार्को टेस्ट कराने की मांग की थी। इस पर एसआईटी भी विचार करने लगी थी। पिछले दिनों एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वी मुरुगेशन ने भी कहा था कि एसआईटी ने वीआईपी का नाम जानने के लिए नार्को टेस्ट का फैसला किया है। एडीजी मुरुगेशन ने बताया कि नार्को टेस्ट के लिए शुक्रवार को न्यायालय में अर्जी दे दी गई है। न्यायालय इस अर्जी पर दोनों पक्षों को सोमवार को सुनेगा। इसके बाद ही नार्को टेस्ट कराने या न कराने पर फैसला किया जा सकता है। पुलिस ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। नार्को टेस्ट की मांग के लिए उनके पास पूरे आधार हैं। बहुत से ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब पुलिस को आरोपियों से चाहिए। बता दें कि 18 सितंबर को पौड़ी निवासी अंकिता भंडारी रिजॉर्ट से गायब हुई थी। तीन दिन पटवारी पुलिस ने मामले में हीलाहवाली की तो 21 सितंबर की रात को जांच रेगुलर पुलिस को सौंप दी गई थी। पुलिस जांच में पता चला कि 18 सितंबर की रात में ही नहर में धक्का देकर अंकिता की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुख्यमंत्री के आदेश पर एसआईटी का गठन कर दिया गया था। डीआईजी पी रेणुका देवी के नेतृत्व वाली एसआईटी ने रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया था।

नौ साल बाद वैष्णो देवी पहुंचे सबसे ज्यादा भक्त

रोजाना आ रहे हैं औसतन 13 हजार

जम्मू, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित वैष्णो देवी के दरबार में 87 लाख श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई है। श्रद्धालुओं का यहा आंकड़ा नौ साल में सर्वाधिक है। इस साल के आखिर तक माता के भक्तों की संख्या 90 लाख के पार जा सकती है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधिकारी के अनुसार 6 दिसंबर तक वैष्णो देवी में 86.40 लाख श्रद्धालु माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर चुके थे। मौजूदा औसतन 13 हजार तीर्थ यात्री रोजाना वैष्णो देवी भवन पहुंच रहे हैं। नए साल से पहले के हफ्तों में यह संख्या बढ़ने की संभावना है। गत जून में सबसे अधिक 11.29 लाख श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन किए थे, जबकि फरवरी में दरबार में 3.61 लाख श्रद्धालुओं ने माथा टेका। इस साल नए वर्ष पर माता वैष्णो देवी के मंदिर स्थल पर भगदड़ मचने से 12 तीर्थ यात्रियों की मौत और 16 यात्री घायल हुए थे। लेकिन गत जनवरी में 4.38 लाख से अधिक तीर्थ यात्रियों ने दर्शन किए। इसी तरह मार्च में 7.78 लाख से अधिक, अप्रैल में 9.02 लाख, मई में 9.86 लाख, जुलाई में 9.07 लाख, अगस्त में 8.77 लाख, सितंबर में 8.28 लाख, अक्तूबर में 7.51 लाख और नवंबर में 6.01 लाख श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में शीश नवाया। तीन दशक में सबसे कम 2020 में कोविड के दौरान सिर्फ 17 लाख तीर्थ यात्री आए थे। कोविड महामारी के कारण मंदिर को पांच माह तक बंद रखा गया था, जिसे 16 अगस्त 2020 को खोला गया था। 1986 में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अस्तित्व में आने पर 13.95 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे । उसके बाद लगातार यह आंकड़ा बढ़ता चला गया। अब तक ऑलटाइम वैष्णो देवी के दरबार में 2012 में 1.04 करोड़ और 2011 में 1.01 करोड़ यात्री आए हैं। 1991 में यह आंकड़ा 31.15 लाख और 2007 में 74.17 लाख था। अमरनाथ भूमि आंदोलन के बीच यह आंकड़ा थोड़ा गिरकर 2008 में 67.92 लाख पहुंचा था। इसके बाद 2009 में 82 लाख और अगले साल 2010 में 87.2 लाख यात्री पहुंचे थे। इसी तरह 2013 में 93.24 लाख, 2014 में 78.03 लाख, 2015 में 77.76 लाख, 2016 में 77.23 लाख, 2017 में 81.78 लाख, 2018 में 85.87 लाख, 2019 में 79.40 लाख यात्री वैष्णो देवी में पहुंचे थे।

यात्रियों की ट्रैकिंग की जा रही

श्राइन स्थल पर भगदड़ की घटना के बाद बोर्ड की ओर से अगस्त से तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न परियोजनाओं के हिस्से के रूप में रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) की शुरुआत की है, जिसमें बेहतर भीड़ प्रबंधन और ट्रैक से भवन तक के 13 किमी ट्रैक पर यात्रियों की ट्रैकिंग की जा रही है। दुर्गा भवन सहित भवन में बड़ी परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है, जिसमें दैनिक आधार पर 2500 तीर्थ यात्रियों को समायोजित करने का प्रावधान है।

श्रीलंका में बीफ-मटन के ट्रांसपोर्टेशन पर रोक क्यों लगी

कोलंबो, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका में खराब मौसम के चलते बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत के बाद सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. एहतियात के तौर पर सरकार ने बीफ और मटन के ट्रांसपोर्टेशन पर रोक लगा दी है. दरअसल, बीते दो दिनों में अधिक ठंड के चलते भारी संख्या में बकरियों और गायों की मौत हुई हैं. सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला और प्रांतीय स्तर पर बीफ और मटन के ट्रांसपोर्टेशन पर कड़ाई से रोक लगा दी है. आंकड़ों की बात करें तो देश के उत्तरी प्रांत में अब तक 358 गायों की मौत हो चुकी है जबकि 191 बकरियों ने दम तोड़ा है. वहीं, पूर्वी प्रांत के आंकड़े को देखें तो यहां 444 गायों, 34 भैंसों समते 65 बकरियों ने दम तोड़ा है. श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमासिंह ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी किए हैं. विभाग के महानिदेशक हेमाली कोठालवाया ने एक बयान में कहा, इन मृत पशुओं के नमूनों को जांच के लिए पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान लैब भेजा जाएगा. बता दें, भारत में लंपी वायरस के चलते अब तक 1 लाख 55 हजार से ज्यादा मवेशियों की मौत हो चुकी है. इन मौतों में 50 प्रतिशत यानी 75 हजार मौत केवल राजस्थान से दर्ज हुई हैं. लंपी वायरस 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुकी है. ये आंकड़ा पशुपालन और डेयरी विभाग ने राज्य सभा में पेश किया. लंपी स्किन मवेशियों में कैप्रिपॉक्स नाम के वायरस से फैलने वाली बीमारी है. ये तेजी से एक पशु में दूसरे में फैलती है. इस वायरस के चलते मवेशियों को तेज बुखार और शरीर में गांठें पड़ जाती हैं.

350 साल से चल रहा है प्रेशर कुकर

पहले कुकर को कहा गया स्टीम डायजेस्टर, भारत में आजादी के 12 साल बाद पहुंचा

एक्सक्लूसिव डेस्क, 11 दिसंबर। आज प्रेशर कुकर की बात करेंगे जिसकी सीटी आज आपके घर के किचन में भी बज रही होगी। अब चलते हैं जरा फ्रांस। जिसने दुनिया को प्रेशर कुकर दिया।

फ्रांस में जन्मे डेनिश पापिन ने 22 साल की उम्र में डॉक्टरी की डिग्री ली और कुछ आविष्कार करने की धुन में इंग्लैंड पहुंच गए। काफी दिक्कतों के बाद वहां उन्हें प्रसिद्ध वैज्ञानिक सर रॉबर्ट बॉमल की लैब में असिस्टेंट का काम मिल गया। वहां पापिन रोज लैब में एक्सपेरिमेंट होते देखते और खुद भी कुछ अलग प्रयोग करने की सोचते। एक दिन पापिन ने सोचा कि अगर बर्तन में पानी लगातार गर्म किया जाए और उसे अच्छे से ढक दिया जाए तो इसका प्रेशर और ब्वाइलिंग पाइंड बढ़ जाएगा। उन्होंने थोड़ा सा पानी ढक्कन-बंद बर्तन में उबाला। भाप रुकने से पानी का दबाव बढ़ता गया और उन्होंने इसमें सब्जियां डाल दीं जो मिनटों में पक गईं। पापिन ने देखा कि ढक्कन-बंद बर्तन में पानी को भाप बनने से भी ज्यादा गर्म किया जा सकता है। मगर पापिन के इस आइडिया में एक समस्या थी। बर्तन में ज्यादा भाप हो जाए तो वह फट सकता है। पापिन को भी ये बात पता थी। इसके लिए उन्होंने बर्तन में छोटा छेद किया और उसमें कमजोर धातु का एक पेंच लगा दिया। फायदा यह हुआ कि जैसे ही भाप की वजह से प्रेशर बढ़ता तो कमजोर पेंच बाहर निकल जाता। मगर यह जुगाड़ पर्मानेंट नहीं था। इसलिए उन्होंने सेफ्टी वॉल्व बनाया। सेफ्टी वाल्व भाप के तेज प्रेशर को कम करने में मददगार साबित हुआ। इस तरह से भाप से खाना पकाने की पापिन की इसी तकनीक से प्रेशर कुकर बनाने का रास्ता खुला।

डेनिस पापिन के जमाने में नॉनवेज खाना बनाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। ऐसे में पापिन ने इस बर्तन को 'स्टीम डायजेस्टर' कहकर प्रदर्शित किया। शुरुआती दौर में इसमें खाना बनाना इतना आसान भी नहीं था और इसके लिए एक ऐसी भट्ठी की जरूरत पड़ती थी जिस पर स्टीम डायजेस्टर सही से सेट हो सके। आमतौर पर ऐसी भट्ठियां लैब, फैक्टरी या होटल में ही हुआ करतीं। इस वजह से स्टीम डायजेस्टर का इस्तेमाल 20वीं सदी तक होटलों और इंडस्ट्रीज में ही होता रहा। स्टीम डायजेस्टर में बदलाव करीब 250 साल बाद 1915 में तब देखने में आया, जब इसमें भट्ठी की जरूरत नहीं रही और इसे 'प्रेशर कुकर' का नाम मिल गया।

अल्फ्रेड विशलर ने बनाया मॉडर्न प्रेशर कुकर

अमेरिका के न्यूयॉर्क में 1939 में एक मेला लगा, जिसमें अल्फ्रेड विशलर एल्युमिनियम प्रेशर कुकर लाए। यह दिखने में देगची, केतली और पतीली जैसा ही था। इसे आधुनिक प्रेशर कुकर का शुरूआती रूप माना जाता है। इसके बाद अमेरिका और यूरोप की कंपनियों ने इस तरह के मॉडल को मुनाफे का सौदा समझकर नए-नए आकार में और विज्ञापनों के जरिए बेचना शुरू किया। जल्द ही यह मॉडल दुनियाभर में लोकप्रिय हो गया। आज प्रेशर कुकर का ग्लोबल मार्केट करीब 38 हजार करोड़ रुपए हो चुका है जिसके 2028 तक करीब 75 हजार करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

1959 वह साल था जब भारत में पहली बार मॉडर्न प्रेशर कुकर का आगमन हुआ था। हॉकिंस और टीटी प्राइवेट लिमिटेड (बाद में इसका नाम टीटीके प्रेस्टीज लिमिटेड हो गया) कंपनियां देश में प्रेशर कुकर बेचने लगीं। 1970 के दशक में कंपनियों ने प्रेशर कुकर के लिए इस्तेमाल होने वाली धातु की क्वालिटी को सुधारा और सेफ्टी वाल्व में बदलाव किए। इससे यह पहली बार इस्तेमाल करने वाली महिलाओं के लिए और भी बेहतर हो गया। इसके बाद 1980 के दशक में इसने देशभर के परिवारों के किचन में अपनी जगह बना ली।

आजकल भारत में शायद ही ऐसा कोई घर हो जहां प्रेशर कुकर का इस्तेमाल न किया जाता हो। लेकिन क्या आपको पता है कि प्रेशर कुकर जितना उपयोगी है उतना ही घातक भी हो सकता है। वो इसलिए क्योंकि इसमें थोड़ी सी लापरवाही आपको बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। जैसा कि क्यूबा के एक दिग्गज बॉक्सर के साथ हुआ-

प्रेशर कुकर फटने से दिग्गज खिलाड़ी पर मंडराई मौत

इस साल मार्च में एक ऐसे हादसे का शिकार हो गए थे जिसकी वजह से उनका करियर खत्म होने की कगार पर है। गिजिरमे रिगिनडोस के सामने प्रेशर कुकर फट गया था । हादसे के बाद उनको पहचानना तक मुश्किल था। उनका चेहरा झुलस गया और उनकी आंखों की रोशनी 80 फीसदी तक जा चुकी थी। हमारे देश में भी प्रेशर कुकर फटने के मामले आते रहते हैं।

झारखंड के पाचाडुमर गांव के श्रीपति चौधरी के 12 साल के बेटे रौशन कुमार की प्रेशर कुकर फटने से मौत हो गई। उस वक्त प्रेशर कुकर में दाल पक रही थी। प्रेशर कुकर की सीटी जाम होने की वजह से अतिरिक्त प्रेशर नहीं निकल पाया, जिससे प्रेशर कुकर फट गया।

इसी तरह चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 25 अगस्त को मिडडे मील बनाते समय अचानक प्रेशर कुकर फट गया। हादसे में हेड कुक रूप राम समेत दो लोग झुलस गए। ये दोनों केस इसलिए बताए गए क्योंकि छोटा सा प्रेशर कुकर बड़े हादसे की वजह बन सकता है। तो फिर ऐसा क्या करें कि किचन में आसानी से खाना भी पक जाए और किसी तरह का कोई खतरा भी न हो। एक ग्राफिक के जरिए जानते हैं।

प्रेशर कुकर खरीदते वक्त कई अहम बातों का ध्यान रखना खुद की और परिवार की सुरक्षा के लिए बहुत मायने रखता है। प्रेशर कुकर आप खरीदें और किसी को इसकी परवाह न हो। इसका मानक बनाए रखने को लेकर सरकार और कोर्ट भी सजग हैं।

अमेजन पर 1 करोड़ की पेनल्टी

दिल्ली हाईकोर्ट ने घटिया प्रेशर कुकर बेचने पर ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन को जमकर फटकार लगाई और 1 करोड़ रुपए जुर्माना भी लगाया। मानकों पर खरा नहीं उतरने की वजह से कोर्ट ने इन घटिया प्रेशर कुकरों को वापस लेने और कस्टमर्स को उनके पैसे लौटाने के भी आदेश दिए।

प्रेशर कुकर की अहमियत कितनी ज्यादा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके स्टैंडर्ड को लेकर सरकार भी सख्त है। घरेलू प्रेशर कुकर (क्वॉलिटी कंट्रोल) आदेश, 2020 के अनुसार, सभी प्रेशर कुकर को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड यानी आईएस 2347:2017 के नियमों पर खरा उतरना चाहिए। ऐसा नहीं होने पर इसे बेचा नहीं जा सकता। प्रेशर कुकर की क्वॉलिटी परखने के लिए इन मानकों का जरूर ध्यान रखा जाता है-

घरेलू प्रेशर कुकर आईएस 2347:2017 के स्टैंडर्ड का होना चाहिए।

प्रेशर कुकर की क्षमता 1 से 22 लीटर तक होनी चाहिए। गैसकेट आईएस 7466 स्टैंडर्ड का होना चाहिए। प्रेशर रेगुलेटिंग डिवाइस और इंटरनल एसेसरीज की धातु का मानक तय है। केंद्र सरकार ने अक्टूबर, 2020 से लेकर फरवरी, 2022 तक मानकों से इतर घटिया प्रेशर कुकर बेचने वाली कंपनियों पर कड़ी कार्रवाई की। 15 नोटिस भेजे गए। 90 कंपनियों से जुर्माने के तौर पर करीब 50 लाख रुपए भी वसूले गए। 9 फरवरी 2022 को लोकसभा में उपभोक्ता मामलों के मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने बताया था कि नियमों का उल्लंघन करने पर 305 मामले दर्ज किए गए।

प्रेशर कुकर को ऑनलाइन बेचनी वाली कंपनी क्लाउडटेल इंडिया को नियमों का उल्लंघन करते पाया गया। सरकार ने उस पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने क्लाउडटेल को निर्देश दिया कि वह ऑनलाइन बेचे गए 1,033 घटिया प्रेशर कुकर वापस ले और कस्टमर्स के पैसे लौटाए। कहां तो प्रेशर कुकर का इस्तेमाल जल्दी से खाना पकाने के लिए किया गया था। लेकिन इसके प्रेशर के साइंस को समझते हुए आतंकियों ने इसका दुरुपयोग विस्फोटक के रूप में भी किया।

कम विस्फोटक सामग्री में आसानी से बनने, भारी जान-माल के नुकसान और जल्दी पहचान नहीं होने की वजह से प्रेशर कुकर का इस्तेमाल आतंकियों ने बम बनाने में भी किया। आतंकियों ने दुनिया के कई देशों में प्रेशर कुकर बम से विस्फोट किए हैं। बीते 20 नवंबर को मंगलुरु में प्रेशर कुकर बम से एक धमाका हुआ जो कोयंबटूर में हुए विस्फोट से मिलता जुलता था। पिछले साल लखनऊ में एटीएस ने प्रेशर कुकर बम बरामद किया था। 2006 में मुंबई की लोकल ट्रेन में प्रेशर कुकर बम के हुए धमाकों को कौन भूल सकता है जिसमें 209 लोगों की जान गई थी, जबकि करीब 700 घायल हुए थे।

विदेशों में भी प्रेशर कुकर बम के इस्तेमाल हो रहे हैं। 2010 में स्टॉकहोम में प्रेशर कुकर बम विस्फोट करने की कोशिश नाकाम कर दी गई थी। 2010 में टाइम्स स्क्वॉयर कार बम विस्फोट का प्रयास हुआ।

2013 में बोस्टन मैराथन बम विस्फोट और 2017 में मैनचेस्टर एरिना बम विस्फोट प्रेशर कुकर से ही किए गए। हमारे पड़ोस श्रीलंका में भी रसोई गैस की किल्लत के चलते लोग खाना पकाने के लिए लकड़ियों का इस्तेमाल करने लगे। वहां भी प्रेशर कुकर ने अपनी बड़ी भूमिका निभाई और ईंधन की कमी से परेशान लोगों को राहत दी। अब यही हाल यूरोप का भी हो सकता है

भारत में क्यों इतना हिट हुआ प्रेशर कुकर

हमारे देश में दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले काफी समय बाद खाना बनाने के लिए रसोई गैस, बिजली के चूल्हे या गैस पाइपलाइन आ सकी। देश के ज्यादातर हिस्सों में लकड़ी के चूल्हे पर ही खाना बनाया जाता। ऐसे में प्रेशर कुकर के आने से समय और ईंधन दोनों की बचत ने लोगों को काफी लुभाया। दुनिया के दूसरे देशों में हमारी तरह लंच और डिनर दोनों में दाल बनाने-खाने का चलन नहीं है। यूरोप में दिन भर के खाने में वैराइटी रहती है और उनकी डिशेज इस तरह की नहीं हैं कि उन्हें प्रेशर कुकर में बनाया जा सके। इसलिए भी वहां पर प्रेशर कुकर अपनी जगह नहीं बना पाया।

भारत की जानी-मानी प्रेशर कुकर कंपनी देश में 1959 से प्रेशर कुकर मैन्युफेक्चरिंग का काम कर रही है। तब से लेकर अब तक कस्टमर नित नए प्रोडक्ट को पसंद करते आ रहे हैं।

प्रयागराज हो या दिल्ली का मुखर्जीनगर इलाका, जहां सिविल सेवाओं जैसे कॉम्पिटीशन की तैयारी करने वाले युवा रहते हैं। उन सबमें एक चीज कॉमन है, वो है 'डीबीसी' यानी दाल-भात-चोखा। पहली बार अपने घर से बाहरी दुनिया में कदम रखने वाले युवा को कुछ और पकाना आए चाहे न आए, दाल-चावल और आलू का चोखा (भर्ता) बनाना जरूर आ जाता है। जो टेस्ट में ठेठ देसी और सेहत के मामले में हाइजीनिक भी होता है।

इन सबमें ऐसे युवाओं का बेस्ट फ्रेंड यही प्रेशर कुकर बन जाता है। एक ही प्रेशर कुकर में दाल और आलू डालकर उसमें एक लोटे में चावल और कम पानी रखकर धीमी आंच में ये तीनों चीजें एकसाथ बना ली जाती हैं। इससे समय और ऊर्जा दोनों की किफायत होती है और पढ़ाई के लिए ज्यादा समय बचता है।

आईईडी ब्लास्ट के बाद नक्सलियों ने की फायरिंग

जवानों की जवाबी कार्रवाई में जान बचाकर भागे

नारायणपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में रविवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। घात लगाए नक्सलियों ने पहले आईईडी ब्लास्ट किया और फिर जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस पर जवानों ने भी मोर्चा संभाल लिया और जवाबी कार्रवाई में नक्सली जान बचाकर भाग निकले। इसके बाद इलाके में जवानों की ओर से सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। मामला ओरछा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, सीएएफ (छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स) और डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम संयुक्त रूप से रविवार सुबह करीब 8 बजे ग्राम गुदाड़ी की ओर एरिया डॉमिनेशन पर निकली थी। इस दौरान ग्राम गुदाड़ी से पहले बरसाती नाले के पास सुबह करीब 9.10 बजे एंबुश लगाए नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर दिया। इसके बाद फायरिंग शुरू कर दी। इस पर

जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू की।

इलाके में सर्चिंग जारी

करीब आधे घंटे तक दोनों ओर से गोलियां चलती रहीं। इसके बाद जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल की ओर जान बचाकर भाग निकले। उनके भागने के बाद जवानों ने इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन शुरू किया है।

अभी तक कुकर का टुकड़ा, 100 मीटर वायर बरामद हुआ है। किसी भी जवान के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मुठभेड़ की पुष्टि बस्तर आईजी पी. सुंदरराज ने की है। फिलहाल जवान अभी मौके पर ही हैं।

'भारत जोड़ो' के बाद अब 'हाथ जोड़ो' यात्रा

26 जनवरी से होगी शुरुआत, घर-घर जाएंगे कांग्रेसी

रायपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनावी साल में कांग्रेस यात्राओं के जरिए राजनीतिक भविष्य तलाशने में लगी हुई है। 'भारत जोड़ो' यात्रा की तर्ज पर कांग्रेस अब देशभर में 'हाथ जोड़ो' यात्रा शुरू करने जा रही है। इस यात्रा की शुरुआत 26 जनवरी को होगी। इस यात्रा के दौरान कांग्रेसी घर-घर जाएंगे। छत्तीसगढ़ में भी एक साथ यात्रा शुरू होकर बूथों तक जाएगी। इसके बाद हर जिले में अधिवेशन होगा और समापन पर राज्य स्तरीय रैली का आयोजन किया जाएगा।

राहुल गांधी की यात्रा के 94 दिन पूरे

दरअसल, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा चल रही है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस पदयात्रा ने 94 दिन पूरे कर लिए हैं। भारत जोड़ो यात्रा के उद्देश्य को जनता तक पहुंचाने के लिए पार्टी अब हाथ जोड़ो यात्रा निकालेगी। इसके माध्यम से सामाजिक सौहार्द और देश की एकता-अखंडता का संदेश दिया जाएगा।

सामाजिक वैमन्यता के खिलाफ जनजागरण

मोहन मरकाम ने कहा कि, राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा से देश के आम आदमी की समस्याओं को आवाज दे रहे है। देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, सामाजिक वैमनस्यता के खिलाफ देश की जनता में जनजागरण पैदा कर रहे। भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से लेकर राजस्थान तक भारत के जनमन में रच बस गयी है। सारा भारत अपनी तकलीफों के निदान को लेकर एकजुट हो गया है।

देश के लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत

उन्होंने कहा कि, भारत जोड़ो यात्रा देश के लोगो मे उम्मीद की नई किरण जगा रही। राहुल गांधी प्रेम, उम्मीद और सद्भावना के नए बीज बोते चल रहे है।

देश की जनता राहुल गांधी की पदयात्रा को हाथों-हाथ ले रही है। राहुल गांधी की पदयात्रा से विघटनकारी ताकतों के हौसले पस्त हुए है। देश के लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है कि अराजक तत्व भारत की अनेकता में एकता के मूल मंत्र के सामने घुटने टेकने को विवश हुए है।

सरकारी राशन के लिए हंगामा

सर्वर बंद हुआ तो भड़का गुस्सा, दुकान में ताला लगाकर धरने पर बैठे लोग

कोरबा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में सरकारी राशन नहीं मिलने से लोगों का गुस्सा रविवार को भड़क गया। सुबह से लाइन में लगे लोगों को जब तकनीकी खराबी होने के चलते राशन देने से मना किया गया तो वे सड़क पर उतर आए। गुस्साए लोगों ने दुकान में ताला जड़ दिया और पार्षद के साथ धरने पर बैठ गए। वहीं इस पूरे मामले में खाद्य विभाग के अफसरों ने पल्ला झाड़ लिया है। लोगों का आरोप है कि उन्हें कई महीनों से राशन नहीं मिल रहा है।

सर्वर की दिक्कत बताते हुए बंद किया वितरण

जानकारी के मुताबिक, पोड़ीबहार वार्ड में शासकीय राशन की दुकान संचालित है। राशनकार्ड धारक स्थानीय लोग रविवार सुबह राशन लेने के लिए दुकान में पहुंचे थे। सुबह से ही लोगों की लाइन लगी थी। इसी बीच दुकान संचालक ने सर्वर में समस्या होने की बात कहते हुए राशन का वितरण बंद कर दिया। इसके बाद लोगों ने खाद्य विभाग के अधिकारियों संपर्क किया और इस संबंध में जानकारी मांगी।

खाद्य विभाग के अफसरों ने झाड़ा पल्ला

लोगों का आरोप है कि इस मामले में खाद्य विभाग के अफसरों ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। साथ ही जानकारी नहीं होने की बात कही। इस पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। उन्होंने दुकान में ताला लगा दिया और स्थानीय पार्षद प्रदीप राय जासवाल के साथ मुख्य मार्ग पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। लोगों ने जमकर नारेबाजी की। साथ ही चेतावनी दी कि जल्द समस्या का हल नहीं निकला तो उग्र प्रदर्शन करेंगे।

पार्षद प्रदीप राय ने बताया कि पिछले एक माह से वार्ड की सोसायटी में राशन नहीं दिया जा रहा है। दुकान कभी खुलती है, कभी बंद रहती है। दुकानदार अपनी मनमानी करता है। कई बार उससे पूछे जाने पर सरवर खराब होने की बात कहता है। उन्होंने कहा कि, यह श्रमिक बस्ती है। लोगों को राशन पानी की जरूरत होती है, लेकिन इस तरह से जो राशन वितरण में लापरवाही बढ़ती जा रही है। सभी परेशान है और आंदोलन करेंगे।

पैंगोलिन की तस्करी करते पति-पत्नी और दामाद सहित पांच गिरफ्तार

12 लाख में किया था सौदा

कांकेर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में पैंगोलिन की तस्करी करते वन विभाग की टीम ने पति-पत्नी और दामाद सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पैंगोलिन का सौदा 12 लाख रुपये में किया था। हालांकि अभी यह पता नहीं चल सका है कि आरोपी उसे किसी बेचने के लिए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि पैंगोलिन एक किसान के खेत में पहुंचा था। जिसे आरोपियों पकड़कर रख लिया और उसका सौदा कर दिया। जानकारी के मुताबिक, कोयलीबेड़ा के गांव कतरूकुरूषबोड़ी निवासी किसान

सहदूराम और उसकी पत्नी दसरी बाई ने खेत में मक्का बोया है। कुछ दिन पहले उसके खेत में एक पैंगोलिन पहुंच गया। उसे देख किसान सहदूराम ने पकड़ लिया और घर में रख लिया। भोजन के तौर पर दंपती उसे अंडे दे रहे थे। इसके बाद पैंगोलिन के बारे में उन्होंने सुकमा के पालारास निवासी अपने दामाद देवानंद को जानकारी दी। पैंगोलिन के बारे में सुनकर आरोपी देवानंद ने उसे बेचने की साजिश रची। इस साजिश में अपने दो साथी राजेंद्र राजपूत और धनवीर को भी शामिल किया। तीनों पैंगोलिन लेकर कार से भानुप्रतापपुर की ओर निकले। इस बीच वन विभाग को सूचना मिल गई और उन्होंने ग्राहक बनकर आरोपियों से संपर्क किया। साथ ही एक टीम ने आरोपियों का पीछा शुरू किया। वे खंडी नदी के पास पहुंचे थे कि टीम ने घेरकर उन्हें पकड़ लिया।

अपहरण के छह महीने बाद परिवार के तीन सदस्यों के मिले कंकाल

चाईबासा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले से एक बेहद हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक परिवार के तीन सदस्यों के कंकाल मिले हैं। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी दी कि अपहरण के छह महीने बाद उनके कंकाल बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान जगदीश रजक (60), शारदा देवी (55) और उनके पोते राज रजक (17) के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने कहा कि मृतकों को तांतनगर इलाके के सिदमा गांव से अगवा कर लिया गया था और कथित तौर पर उनके पड़ोसी विकास बेहरा और उनके साथियों ने मई में भूमि विवाद को लेकर उनकी हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि अपहृत व्यक्तियों का पता लगाने और आरोपियों को पकड़ने के लिए सदर अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी दिलीप खल्को के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। एसपी ने कहा कि मुख्य आरोपी और उसके परिवार के सदस्य गांव छोड़कर भाग गए थे और पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बार-बार ठिकाना बदल रहे थे। हालांकि, विकास बेहरा की दो पत्नियों सुष्मिता (36) और पार्वती (23) और साथी रसई सीकू (51) और शुशील जामुदा (32) को गुरुवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले में गिरफ्तार किया गया था।

सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल बनाने का विरोध

सड़क पर उतरा जैन समाज, हजारों की भीड़ में महिलाएं व बच्चे भी शामिल

बांसवाड़ा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार की ओर से सम्मेद शिखर पहाड़ को पर्यटल स्थल घोषित करने का मामला तूल पकड़ रहा है। सम्मेद शिखर को पारसनाथ पर्वतराज धार्मिक स्थल बताते हुए जैन समाज इस फैसले के विरोध में उतर गया है। समाज का मानना है कि ये पहाड़ उनका धार्मिक स्थल है। पर्यटल स्थल घोषित करते ही यहां पर पर्यटकों की भीड़ में मांस और शराब का सेवन का चलन बढ़ेगा। इससे धार्मिक स्थल की पवित्रता प्रभावित होगी। इस कड़ी में बांसवाड़ा में सकल जैन समाज बांसवाड़ा-डूंगरपुर व विश्व जैन संगठन के तत्वावधान में हजारों की संख्या में जैन समाज ने झारखंड

सरकार के फैसले का विरोध किया। साथ ही राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और झारखंड के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

समाज की मांग पर जिला प्रशासन की ओर से बांसवाड़ा के तहसीलदार ने ये ज्ञापन लिया। इससे पहले सुबह 10 बजे से जैन समाज के लोग यहां कुशलबाग मैदान में जुटना शुरू हुए। हजारों की संख्या में पुरुषों के अलावा महिलाओं और बच्चे यहां एकत्र हुए, जिन्होंने शहर के गांधी मूर्ति, पीपली चौक, आजाद चौक, जामा मस्जिद, पाला, नई आबादी होते हुए कलेक्ट्री के दरवाजे तक रैली निकाली।

दूसरे राज्यों में कांग्रेस को जिताने में फेल राजस्थानी नेता

गुजरात में रघु शर्मा प्रभारी, चौधरी ने पंजाब गंवाया; जितेंद्र-धीरज भी नहीं जिता पाए

जयपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावों के बाद जहां गुजरात में बीजेपी की जीत की चर्चा है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस भी चर्चा में है। अव्वल तो इसलिए कि चार साल बाद कांग्रेस ने कोई बड़ा चुनाव जीता है।

दूसरा इसलिए कि गुजरात में कांग्रेस ने इतिहास की सबसे बड़ी हार झेली है। राजस्थान में चर्चा इसलिए है क्योंकि गुजरात के प्रभारी और सीनियर ऑब्जर्वर दोनों राजस्थान से थे।

गुजरात चुनाव के पूरे मैनेजमेंट की जिम्मेदारी राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत की थी। वहीं, गुजरात में प्रभारी राजस्थान में केबिनेट मंत्री रहे डॉ. रघु शर्मा को बनाया गया था। उम्मीद थी कि कांग्रेस गुजरात में 27 साल की एंटी इनकम्बेंसी को भुनाएगी और अच्छा परफॉर्म करेगी। मगर हुआ बिलकुल उल्टा। कांग्रेस को गुजरात में इतिहास की सबसे बुरी हार नसीब हुई।

गुजरात में कांग्रेस को महज 17 सीटों पर जीत नसीब हुई। ये गुजरात में कांग्रेस की सबसे बड़ी हार है। इससे पहले कांग्रेस का सबसे खराब प्रदर्शन 1995 में था। जब कांग्रेस सिर्फ 45 सीटें जीत सकी थी। मगर इस बार कांग्रेस ने हार के सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे खराब हार का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

राजस्थान के नेताओं की जिम्मेदारी में मिली गुजरात की हार कांग्रेस में पहला किस्सा नहीं है। इससे पहले भी कई बार राजस्थानियों की जिम्मेदारी में कांग्रेस बुरी तरह हारी है।

पंजाब में हरीश चौधरी नहीं जीता पाए

ज्यादा दूर जाए बगैर अगर सिर्फ 9 महीने पीछे जाते हैं तो पंजाब का विधानसभा चुनाव आता है। इसी साल पंजाब चुनाव में भी कांग्रेस को बुरी हार मिली। यहां प्रभारी राजस्थान के ही पूर्व मंत्री हरीश चौधरी थे। उनके प्रभारी रहते कांग्रेस सिर्फ 18 सीटों पर सिमट गई और सत्ता गंवा दी।

यह भी तब हुआ जब किसान आंदोलन के चलते प्रमुख विपक्षी दल अकाली और बीजेपी के खिलाफ गुस्से की लहर कांग्रेस में थी।

पंजाब में कांग्रेस को यहां 25 साल की सबसे खराब हार मिली।

पंजाब में कांग्रेस के तमाम मंत्री हार गए। नई पार्टी आम आदमी पार्टी ने सरकार बना ली। पंजाब चुनाव के बाद हरीश चौधरी के मैनेजमेंट को लेकर भी कई सवाल उठे। इससे पहले 1997 के चुनाव में ऐसा हुआ था जब कांग्रेस ने 105 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए 14 सीटें जीती थी। मगर तब देशभर में कांग्रेस विरोधी लहर थी।

यूपी में धीरज गुर्जर के सहप्रभारी रहते 2 सीटें

इसी तरह 2022 के चुनाव में ही एक और राजस्थानी की परीक्षा हुई। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजस्थान के धीरज गुर्जर को यूपी का सह-प्रभारी बनाया गया। हालांकि, यूपी का चुनाव प्रियंका गांधी के नेतृत्व और उनके मैनेजमेंट में लड़ा गया।

मगर धीरज गुर्जर वहां कांग्रेस के लिए बेहद अहम थे। मगर यूपी चुनाव में कांग्रेस ने 399 सीटों पर चुनाव लड़ा मगर जीत सिर्फ 2 ही सीटें सकी। कांग्रेस का बुरी तरह सफाया हुआ।

भंवर जितेंद्र सिंह के रहते हारे असम

इसी तरह एक साल पीछे जाते हैं तो असम की हार याद आती है। 2021 के विधानसभा चुनाव में असम के प्रभारी राजस्थान के भंवर जितेंद्र सिंह थे। जितेंद्र सिंह राजस्थान से केंद्र में मंत्री भी रह चुके हैं। इसके अलावा वे कांग्रेस की वर्किंग कमेटी के सदस्य भी थे।

फिलहाल वे स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य हैं। 2021 में कांग्रेस ने असम में 95 सीटों पर चुनाव लड़ा। इसमें से सिर्फ 29 सीटें कांग्रेस जीत सकी। एनआरसी के चलते विरोध, अच्छा गठबंधन होने के बावजूद कांग्रेस जीत दर्ज नहीं कर सकी।

बिहार में जोशी के भाषण देते सरकार गिर रही थी

इसी तरह बिहार 2015 और असम 2016 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान के वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी प्रभारी थे। बिहार में जोशी के प्रभारी रहते कांग्रेस ने 41 में से 27 सीटें जरूर जीती। इसके बाद महागठबंधन की सरकार भी बनी।

मगर दो साल बाद ही महागठबंधन सरकार गिर गई। जब ऐसा हो रहा था तब जोशी जयपुर में भाषण दे रहे थे। इससे पहले असम में सीपी जोशी के प्रभारी रहते ही पहली बार बीजेपी की सरकार राज्य में बनी। वहीं, इसी दौरान हिमंता बिस्वा सरमा कांग्रेस छोड़कर बीजेपी गए थे। इस चुनाव में 122 में से 26 सीटें ही कांग्रेस जीत पाई।

अशोक गहलोत रहे हैं अन्य राज्यों में सफल

कांग्रेस के नेताओं की विफलता के बीच राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत बाहरी राज्यों में थोड़े सफल रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस की स्वतंत्र सरकार वे भी कभी नहीं बनवा पाए। मगर 2017 में गुजरात में प्रभारी रहते कांग्रेस 77 सीटों तक पहुंची।

कांग्रेस 2017 में सरकार बनाने के काफी करीब पहुंच गई थी। वहीं 2018 में कर्नाटक में प्रभारी रहते जेडीएस-कांग्रेस की सरकार बनी। हालांकि, बाद में कर्नाटक में सरकार गिर गई और गहलोत बचा नहीं पाए।

सचिन के बूते हिमाचल में अच्छा प्रदर्शन

इसी तरह हाल ही में सचिन पायलट के ऑब्जर्वर और स्टार प्रचारक रहते कांग्रेस ने हिमाचल में अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, पायलट कभी किसी राज्य के प्रभारी नहीं रहे। पायलट ने हिमाचल में 24 सीटों पर प्रचार किया। इनमें से 17 सीटों पर जीत हासिल की। इससे पहले राजस्थान में पीसीसी चीफ रहते हुए पायलट ने कांग्रेस को जीत दिलाई थी।

लोगों की समस्याएं जानने के लिए संकल्प यात्रा

हजारों लोग लेंगे सेवा की शपथ, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री आएंगे

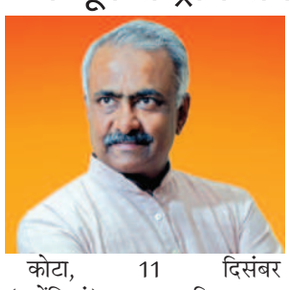

कोटा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। लाडपुरा विधानसभा सेवा मंच के दो साल पूरे होने के अवसर पर 22 जनवरी को सेवा संकल्प कार्यक्रम सेवक श्री अधिवेशन होगा। अध्यक्ष खेमचंद शाक्यवाल एडवोकेट ने बताया कि अधिवेशन में हजारों लोग सेवा का संकल्प लेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय विनायक जोशी होंगे। अध्यक्षता शनि मंदिर इंदौर के महामंडलेश्वर दादू महाराज, मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष तपन भौमिक करेंगे। वहीं विशिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक सुखराम कोली तथा समाजसेवी नितिन शर्मा होंगे।

उन्होंने बताया कि अधिवेशन में अनुशासित, कर्मठ और समर्पित भाव से सेवाकार्य में जुटे लोगों को सेवक श्री सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। शाक्यवाल ने बताया कि मंच की ओर से हर मौहल्ले में सेवक श्री की नियुक्ति की जाएगी। इन्हें प्रशासन के सामने रखने के लिए सजग समितियों का गठन होगा। ये समितियां आमजन की समस्याओं को नौकरशाही के सामने रखकर निस्तारण का प्रयास करेगी। ऐसी नियुक्तियां वार्ड, मंडल, प्रकोष्ठ स्तर पर भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि सेवक श्री को सेवा कार्यों की शपथ दिलाई जाएगी।

वे स्वास्थ्य, पानी, बिजली, सड़क से जुड़ी समस्याओं के निराकरण, वंचितों को शिक्षा, पीड़ित और पिछड़े को सम्मान के लिए काम करेंगे। ये सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, भ्रष्टाचार को समाप्त करने, नशाबंदी, स्वच्छ पर्यावरण की शपथ लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को समस्या निवारण यात्रा आपके द्वार निकाली जाएगी। इस दौरान लोगों से प्रत्यक्ष संवाद कर समस्याओं को सुना जाएगा।

अरुण सिंह बोले- राहुल के लिए सड़कें बनवा रहे गहलोत

बीजेपी शासित राज्यों की तरह राजस्थान में पीड़ितों से मिलने नहीं जा रहे राहुल

जयपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा- सीएम अशोक गहलोत राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के लिए इटेलियन सड़कें बनवा रहे हैं। गहलोत को पूरे राजस्थान की चिन्ता करनी चाहिए। राहुल गांधी ने पिछले विधानसभा चुनाव से पहले कहा था कि सरकार बनने पर हम 10 दिन में किसानों का कर्ज माफ कर देंगे। शर्म आनी चाहिए कि राहुल राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा निकाले हुए हैं। लेकिन राजस्थान की जनता को क्यों नहीं बता रहे हैं कि किसानों का कर्जा माफ क्यों नहीं किया। उसके लिए कोई जिम्मेदार है तो गहलोत सरकार जिम्मेदार है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में बीजेपी शासित राज्यों में पीड़ितों से मिलने जाते हैं, लेकिन राजस्थान में पीड़ितों से मिलने नहीं जा रहे, क्योंकि यहां उनकी पार्टी की सरकार है। यह दोहरा चरित्र नहीं चलेगा। अरुण सिंह ने कहा- प्रदेश की गहलोत सरकार धोखे से आई हुई सरकार है। जिसको राजस्थान की जनता धक्का देने को तैयार है। इस बार जनता ऐसा धक्का देगी कि 20-25 साल तक कांग्रेस उठकर खड़ी नहीं हो पाएगी।

सब संकल्प ले रहे गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकना है

गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ के खिलाफ निकाली जा रही जन आक्रोश यात्रा के तहत प्रदेश बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह आज नागौर के खींवसर पहुंचे। उनके साथ पूर्व मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी, बीजेपी के प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मीडिया सम्पर्क प्रमुख आनंद शर्मा और जिले के पदाधिकारियों ने जन आक्रोश यात्रा निकाली। बीजेपी कार्यकर्ताओं और लोगों को संबोधित करते हुए अरुण सिंह ने कहा- जन आक्रोश यात्रा में जन भागीदारी और जन सम्पर्क का कार्यक्रम है। जनता के मन में आक्रोश है। एक-एक व्यक्ति को पैम्फलेट बांटे जा रहे हैं। सब संकल्प ले रहे हैं कि इस गहलोत सरकार को

उखाड़ फेंकना है। यह जन विरोधी सरकार, कुशासन वाली सरकार, युवा विरोधी, महिला विरोधी सरकार है। किसान की हालत बदहाल है, उसके लिए भी कांग्रेस की यही गहलोत सरकार जिम्मेदार हैं।

राहुल गांधी की यात्रा के लिए इटेलियन सड़कें बनवा रहे गहलोत

अरुण सिंह बोले- राजस्थान की सड़कें टूटी हुई हैं। मैंने सुना है कि अशोक गहलोत राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के लिए इटेलियन सड़कें बनवा रहे हैं। गहलोत जी पूरे राजस्थान की चिन्ता करो। इस तरह भारत जोड़ो यात्रा में ही सड़कें बनवाना और इटेलियन सड़कें दिखाना सही नहीं है। इस तरह 1 फीसदी भी सड़कों का काम नहीं किया जा रहा है। जनता को बहुत अपेक्षाएं हैं, जो वादा करके सरकार सत्ता में आई, उन वादों को पूरा करना चाहिए। धोखे से आई सरकार को राजस्थान की जनता धक्का देने को तैयार है। इस बार जनता ऐसा धक्का देगी कि 20-25 साल तक कांग्रेस उठकर खड़ी नहीं हो पाएगी।

किसानों का कर्जा माफ क्यों नहीं किया ?

सभा को संबोधित करते हुए प्रभारी अरुण सिंह ने कहा- राजस्थान में एमएसपी पर बाजरे की खरीद नहीं होती। बिजली का दाम भी बढ़ाया गया है। राहुल गांधी ने वादा किया था कि हम 10 दिन में किसानों का कर्ज माफ कर देंगे। उन्हें शर्म आनी चाहिए कि राहुल राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा निकाले हुए हैं। लेकिन राजस्थान की जनता को क्यों नहीं बता रहे हैं कि किसानों का कर्जा माफ क्यों नहीं किया। उसके लिए कोई जिम्मेदार है तो गहलोत सरकार जिम्मेदार है। किसान भारत जोड़ो यात्रा के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं तो उन पर लाठियां बरसाई जा रही हैं। ये कैसी सरकार है ?

ये दोहरा चरित्र नहीं चलने वाला

अरुण सिंह बोले- अन्य राज्यों में जहां बीजेपी की सरकारें हैं, राहुल गांधी पीड़ितों से मिलने की कोशिश करते हैं। लेकिन झालावाड़ गए तो कृष्णा वाल्मीकि के घर क्यों नहीं गए। कृष्णा वाल्मीकि हत्याकांड पर उनके घर जाकर संवेदना जतानी चाहिए थी कि आपकी सरकार में उसकी हत्या हुई है। ऐसी कई घटनाएं हुई हैं। भारत जोड़ो यात्रा में अन्य राज्यों में जाकर आप रोना रोते हो, लेकिन राजस्थान में पीड़ितों के घर क्यों नहीं जाते ? जयपुर में एक व्यक्ति को जलाया गया, तो क्या उसके घर जाएंगे बताएं ? वो बूढ़ी मां जो बकरी चराती थी, जयपुर के पास उसका पैर काट लिया गया। क्या राहुल गांधी और अशोक गहलोत उसके घर जाएंगे। ये दोहरा चरित्र नहीं चलने वाला है।

जैन समाज में आक्रोश, कलेक्ट्री के सामने प्रदर्शन

सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल की सूची से हटाने की मांग

डूंगरपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में स्थित जैन समाज के पवित्र धार्मिक स्थल सम्मेद शिखर को केंद्र सरकार द्वारा पर्यटक स्थल घोषित करने के विरोध में जैन समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर विरोध जताया।

झारखंड में स्थित जैन समाज के पवित्र धार्मिक स्थल सम्मेद शिखर को केंद्र सरकार द्वारा पर्यटक स्थल घोषित करने के विरोध में डूंगरपुर जिले के जैन समाज में आक्रोश है। सकल जैन समाज के बैनर तले सम्मेद शिखर बचाओ आंदोलन के देशव्यापी आह्वान पर रविवार को जैन समाज के सैकड़ों लोग कलेक्ट्रेट पर एकत्रित हुए और धरना-प्रदर्शन किया। जैन समाज ने सम्मेद शिखर को पर्यटक स्थल की सूची से बाहर करने की मांग रखी है। सकल जैन समाज नवयुवक मंडल के अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि झारखंड स्थित सम्मेद शिखर 20 जैन तीर्थंकर और अनंत संतों का मोक्ष स्थल है। वहीं, सम्मेद शिखर का कण-कण जैन समाज के लिए पूजनीय है, लेकिन 2 अगस्त 2019 को तत्कालीन झारखंड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा झारखंड के गिरिडीह जिले के मधुबन में स्थित सर्वोच्च जैन शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर को वन्यजीव अभयारण्य का एक भाग मानकर इको सेंसेटिव जोन के अंतर्गत पर्यावरण पर्यटन और अन्य गैर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति दे दी गई।

दिलीप जैन ने बताया कि सरकार द्वारा सम्मेद शिखर को पर्यटक स्थल घोषित किए जाने से वहां पर होटलों आदि का निर्माण होगा। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से वहां पर मांस-मदिरा का उपयोग शुरू हो जाएगा। पर्यटक गतिविधियों से जैन समाज की आस्था के स्थल सम्मेद शिखर के अपवित्र होने की संभावना है। जैन समाज पिछले 3 साल से आंदोलन कर रहा है और केंद्र सरकार से इस फैसले को वापस लेने की मांग कर रहा है, लेकिन आज तक जैन समाज की मांग पर सुनवाई नहीं हुई। प्रदर्शन के बाद जैन समाज के लोगों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री और झारखंड के मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए सम्मेद शिखर पर्वत को पर्यटक स्थल की सूची से बाहर करने की मांग की है।

सिलेंडर में आग लगने से लड़की की मौत, 2 झुलसे

गंभीर हालत में अस्पताल में कराया भर्ती, घर का सामान जलकर हुआ खाक

सिरोही, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। पालड़ी एम कस्बे में सिलेंडर में लगी आग में झुलसने से एक नाबालिग लड़की की मौत हो गई।

सिरोही के पालड़ी एम कस्बे में शनिवार रात करीब साढ़े 8 बजे घर में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई। आग लगने से एक लड़की की झुलसने की वजह से मौत हो गई। आग लगने की वजह से 2 लोग झुलस गए। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं आग की वजह से घर में रखा सामान जलकर खाक हो गया।

पालड़ी एम थानाधिकारी प्रभुराम ने बताया कि पालड़ी एम कस्बे में उथमण रोड निवासी लक्ष्मण नाई की पत्नी घर पर चूल्हे पर खाना बना रही थी। सिलेंडर में अचानक आग लगने से पूरे घर में आग फैल गई और देखते ही देखते घर का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि काफी ऊंचाई तक आग की लपटें चलने लगी। इस हादसे में लक्ष्मण नाई मामूली रूप से झुलसा जबकि उसकी बेटी रवीना (13) और उसका साला मुरली पुत्र किशोर नाई गंभीर रूप से झुलस गए। जिन्हें एंबुलेंस 108 की मदद से सिरोही अस्पताल के ट्रामा सेंटर लाया गया। जहां इलाज के दौरान रवीना की मौत हो गई। थानाधिकारी प्रभु राम ने बताया कि आग लगने की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। जिसने काफी मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पाया। बाद में मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग बुझाई।

आग की लपटों से झुलसा मुरली

मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घर में आग लगने के बाद मुरली नाई आग की लपटों से बुरी तरह घिर गया और मकान से निकलकर बस स्टैंड की ओर दौड़ने लगा। करीब 100 फीट दौड़ने के बाद वह वहीं गिर गया, जिसे बाद में सभी अस्पताल के ट्रामा सेंटर लाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जोधपुर के लिए रेफर कर दिया, जबकि लक्ष्मण नाई को प्राथमिक इलाज के बाद ट्रॉमा वार्ड में भर्ती किया गया है।

लक्ष्मण नाई के घर के पास दुकान चलाने वाली महिला ने बताया कि लक्ष्मण की बेटी रवीना उसकी दुकान पर सामान लेने आई थी। दुकान से वापस जैसे ही वह घर में पहुंची, उसी दौरान उसके यहां से चीखने की आवाजें आने लगी। चीखने की आवाज सुनकर वह वह उसके घर के पास गई, जहां रवीना घर के बाहर ही आग की लपटों में बुरी तरह से घिरी हुई थी, जबकि उसका मामा

बीजेपी की जन आक्रोश यात्रा

कांग्रेस सरकार को घेरने ग्राम पंचायतों में पहुंच रहा बीजीपी का रथ

दौसा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार के 4 साल पूरे होने पर भाजपा द्वारा निकाली जा रही जन आक्रोश यात्रा दौसा जिले के सभी 5 विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायतों का दौरा कर रही है। यात्रा में भाजपा के नेता कांग्रेस सरकार की विफलताओं को बता रहे हैं तो वहीं भाजपा के नेता लोगों की समस्याओं की भी सुनवाई कर रहे हैं।

लालसोट के सलेमपुरा में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए सांसद जसकौर मीणा ने कहा कि ग्राम पंचायतों में विकास के लिए सरकार ने फूटी कौड़ी नहीं दी, जबकि संपूर्ण पैसा कांग्रेस के युवराज को राजी करने के लिए

खर्च कर रहे हैं। उन्होंने दौसा के एक मंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मंशा से ही दौसा में मेडिकल कॉलेज खोलने का सपना सच हुआ है। राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी तो ईआरसीपी की डीपीआर में संशोधित कर उसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने का मुख्य काम होगा।

वहीं दौसा विधानसभा इलाके में चल रही आक्रोश यात्रा में जिला परिषद नीलम गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिए किसानों को संपूर्ण कर्ज माफ करने की घोषणा की वह वादा पूरा नहीं हो पाया। पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ रहे हैं। यूरिया खाद किसानों को कालाबाजारी में खरीद करने पड़ रहे हैं।

उन्होंने जमकर कांग्रेस पर तीर चलाए। प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। मगर सरकार का ध्यान आम जनता की समस्या दूर करने की जगह अपनी सरकार बचाने के अंदर लगा हुआ है।

120 की रफ्तार में मौत बनकर दौड़ा ट्रेलर

कुचलने से 2 युवकों की मौत; 12 गाड़ियां क्षतिग्रस्त, मची अफरा-तफरी

रावतभाटा, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। 120 की रफ्तार से सड़क पर दौड़ते ट्रेलर ने कहर मचा दिया। बचने के लिए लोग इधर-उधर भागने लगे। ट्रेलर के कुचलने से 2 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। हादसा कोटा के रावतभाटा में 9 दिसंबर को हुआ। इसका वीडियो रविवार को सामने आया है। ट्रेलर ने 12 वाहनों को भी टक्कर मारी। दरअसल, ट्रेलर पोकलेन मशीन ले जा रहा था। इस दौरान एक होटल के सामने ट्रेलर की क्लिप टूट गई और वह बेकाबू होकर ट्रांसफार्मर से टकरा गया। ट्रेलर का आधा हिस्सा टूट कर गिर गया। यहीं दो युवक गौरव यादव (20) और गोवर्धन चारण (22) पोकलेन मशीन के नीचे दब गए। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। एक होटल के सामने ट्रेलर ट्रांसफार्मर से टकराकर बेकाबू होता हुआ भी कैमरे में कैद हुआ। इस दौरान पीछे रखी पोकलेन मशीन पलट गई। एक होटल के सामने ट्रेलर ट्रांसफार्मर से टकराकर बेकाबू होता हुआ भी कैमरे में कैद हुआ। इस दौरान पीछे रखी पोकलेन मशीन पलट गई। ट्रेलर इसके बाद भी बेकाबू होकर दौड़ता रहा। ड्राइवर केबिन और ट्रेलर के आधे हिस्से के साथ आगे चला गया। ढलान की वजह से ड्राइवर स्पीड कंट्रोल नहीं कर सका। लोगों ने ट्रेलर का पीछा करना शुरू कर दिया। करीब एक किलोमीटर शाम 7.45 बजे कोटा बैरियस से आगे पेट्रोल पंप के सामने लोगों ने ट्रेलर के सामने गाड़ियां लगा दीं।ड्राइवर ने ट्रेलर रोक लिया। लोगों ने कोटा के बैरियर में अहिंसा सर्किल पर आरोपी ड्राइवर को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। हादसे में पोकलेन मशीन की चपेट में आए 6 दोपहिया और चौपहिया वाहन पूरी तरह से कबाड़ बन गए। हादसे में वाहनों के अलावा आसपास बैठे गोवंश और कुत्ते भी चपेट में आ गए। परमाणु बिजली घर से बड़ी क्रेन मंगवा पोकलेन मशीन सहित क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने में 5 से 6 घंटे लग गए।

प्राइवेट आईटीआई के मालिक के बेटे ने किया रेप

युवती को अकेला देख क्लर्क के साथ पहुंचा, सीसीटीवी फुटेज से पकड़े गए दोनों

बाड़मेर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। युवती से रेप के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बाड़मेर के धोरीमन्ना थाने के बाहर लोग भूख हड़ताल पर बैठे थे। बढ़ते दबाव के बाद पुलिस हरकत में आई और रविवार को प्राइवेट ITI के मालिक के बेटे सुनील राम (बाएं) और ITI के क्लर्क भजनलाल (दाएं) को गिरफ्तार किया है। प्राइवेट आईटीआई के मालिक के बेटे सुनील राम (21) ने अपने ही संस्थान में काम करने वाले क्लर्क भजनलाल (27) के साथ मिलकर मूक-बधिर युवती के साथ रेप किया है। बाड़मेर पुलिस ने इसका खुलासा रविवार को किया है। 17 दिन पहले हुई इस घटना में दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी आज ही हुई है। इसके अलावा 15 अन्य संदिग्धों से भी पुलिस ने पूछताछ की है। पुलिस की मानें तो 20 साल की युवती आईटीआई के पास ही बकरी चराने गई थी। तभी सुनील ने रेप किया। इस दौरान भजन लाल गाड़ी में बैठा रहा। लोगों की आहट पाकर उसने सुनील को इशारा किया और दोनों मौके से फरार हो गए। घटना बाड़मेर के धोरीमन्ना कस्बे की है।

इंडियन रेसिंग लीग : फाइनल रेस ने हैदराबाद के प्रशंसकों को रोमांचित किया

गॉडस्पीड कोच्चि ओवरऑल चैंपियन बनकर उभरी

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रुक-रुक कर हो रही बारिश रेसिंग प्रशंसकों के उत्साह को कम करने में नाकाम रही, क्योंकि इंडियन रेसिंग लीग के उद्घाटन के चौथे दौर ने रविवार को एनटीआर मार्ग पर सुरम्य हैदराबाद स्ट्रीट रेस में उमड़े प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया। इंडियन रेसिंग लीग के पहले दौर को सुरक्षा कारणों से उसी स्थान पर रद्द कर दिया गया था, रविवार को होने वाले अंतिम दौर के बारे में आशंकाएं थीं। शनिवार को होने वाली क्वालीफाइंग और स्प्रिंट दौड़ को दृश्यता के मुद्दों के कारण सिर्फ एक मुफ्त अभ्यास के बाद रद्द कर दिया गया था, जिससे आयोजकों को मुश्किल में डाल दिया गया था।

हालांकि, समय-समय पर बारिश के बावजूद रेस का दिन रविवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ा। रविवार की भीड़ संख्या में एड्रेनालाईन की भीड़ को देखने के लिए भारत के पहले स्ट्रीट सर्किट पर लौट आई और उन्हें अपने पैसे का मूल्य मिला। दो क्वालीफाइंग सत्रों के बाद, उन्होंने दो स्प्रिंट रेस और फीचर रेस देखीं। शहर की अपनी सड़कों पर रेसिंग कारों को जोर से दौड़ते देख भीड़ उत्साहित थी। अभिनेता राम चरण और नागा चैतन्य ने भी दौड़ के अंत में चेकर झंडा लहराते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राम चरण ने कहा कि मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह हैदराबाद शहर है। मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। हैदराबाद पहला स्ट्रीट सर्किट है जो शानदार है। इस बीच, नागा चैतन्य ने कहा कि इस आयोजन ने शहर का कद ऊंचा कर दिया। यह मेरे लिए काफी शानदार क्षण है। हम अपने कॉलेज के दिनों में इन सड़कों पर सवारी किया करते थे और इन सड़कों पर रेसिंग कारों को देखना रोमांचक होता है। नागा चैतन्य ने कहा कि लीग शानदार रही है, उन्होंने कुछ कमाल किया है। स्ट्रीट रेस कहीं ज्यादा रोमांचक होती हैं, आप कारों और रेस के ज्यादा करीब महसूस करते हैं।

गॉडस्पीड कोच्चि टीम, चेन्नई हैदराबाद ब्लैक बर्ड्स में अंतिम दौड़ के खिताब पसंदीदा और नेताओं से पहल करते हुए उद्घाटन संस्करण की चैंपियन बनकर उभरी। हैदराबाद में फाइनल राउंड में पहुंचने वाली गॉडस्पीड कोच्चि के 242.5 अंकों से घरेलू टीम 301.5 अंकों से आगे चल रही थी। लेकिन उनके ड्राइवर लोला लोविनफॉस ने हिस्सा नहीं लिया, वे अलग हो गए। इससे पहले क्वॉलिफायर 1 में, कोच्चि के निखिल बोहरा और रूहान अल्वा ने क्रमशः 1:26.902 और 1:27.726 के सर्वश्रेष्ठ लैप समय के साथ पोल और दूसरा स्थान हासिल किया।

क्वालीफाइंग 2 में, कोच्चि के एलिस्टर योंग और फेबिएन वोहलवेंड ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया।

स्प्रिंट रेस 1 में कोच्चि के एलिस्टर योंग ने शीर्ष सम्मान हासिल किया, जबकि स्प्रिंट रेस 2 भी कोच्चि संगठन में गया जिसमें निखिल बोहरा और रूहान अल्वा ने शीर्ष दो स्थान हासिल किए। फीचर रेस में, एलिस्टर योंग और निखिल बोहरा टाइम पेनल्टी के बाद पहले स्थान पर रहे, जॉन लैंकेस्टर और संदीप कुमार की चेन्नई टर्बो राइडर्स जोड़ी तीन पायदान नीचे चली गई।

दूसरे नंबर पर केविन मिरोचा और गैब्रिएला जिलकोवा की गोवा एसेस जोड़ी थी। लगातार तीन जीत से कोच्चि ने 417.5 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि हैदराबाद की टीम 385 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही।

इंडियन रेसिंग लीग के ट्रैक पर दौड़ा आवारा कुत्ता

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में इंडियन रेसिंग लीग के ट्रैक पर एक आवारा कुत्ता दिखाई दिया और दर्शकों को हैरान कर दिया। अब, रेसिंग ट्रैक पर दौड़ते हुए एक आवारा कुत्ते के दृश्य इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं और नेटिज़न्स दो समूहों में विभाजित हो गए हैं। कर्मचारियों ने कुत्ते को ट्रैक से भगाने के लिए उसका पीछा किया। उदास मौसम ने इंडियन रेसिंग लीग के दर्शकों को निराश किया और कहा जाता है कि दौड़ देखने के लिए कुछ दर्शक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। इससे पहले, अधिकारियों ने सुरक्षा मुद्दों के कारण 20 नवंबर को हैदराबाद में पहले दौर को रद्द कर दिया था और चेन्नई में दूसरे और तीसरे दौर का आयोजन किया गया था।

वेश्यालय पर टास्कफोर्स पुलिस का छापा

एक महिला और एक वॉचमैन के साथ दो ग्राहकों को पकड़ा

आसिफाबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस के आला अधिकारियों के आदेशानुसार कुमरम भीम आसिफाबाद टास्कफोर्स पुलिस की योजना के तहत गिरोह को गिरफ्तार किया गया, जो गरीब महिलाओं और असहाय महिलाओं की जरूरतों का फायदा उठाकर उन्हें वश में कर उनके साथ देह व्यापार करवा रहे थे।रेब्बेना मंडल में एक्स रोड में स्थित बंद पड़ी फैक्ट्री में कार्यरत चौकीदार रमेश कुमार नाम का व्यक्ति भोली भाली महिलाओं को बहला-फुसलाकर ले आकर उनके साथ देह व्यापार करता था। रमेश कुमार सिरपुर कागजनगर और असीफाबाद से महिलाओं को अपने जाल में फंसा कर ले आकर बंद पड़ी फैक्ट्री के कमरों में देह का व्यापार चलाता था। टास्क फोर्स पुलिस द्वारा आज दोपहर प्राप्त जानकारी के अनुसार वेश्यालय में छापेमारी कर देह व्यापार संचालित करने वाले व्यक्ति तथा दो ग्राहकों और 1 महिला के साथ पकड़ कर उन्हें रेब्बन्ना पुलिस ले गए। महिला को गिरफ्तार कर रेब्बेना थाने ले जाकर पीड़िता महिला की काउंसलिंग की गयी। उसकी देखभाल के लिए महिला पुलिस रखा गया। टास्कफोर्स एसआई संदीप कुमार ने बताया कि समाज में विभिन्न असामाजिक गतिविधियों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस उन पर नजर रखेगी। इस कार्य में टास्क फोर्स एसआई संदीप कुमार व टास्क फोर्स के कर्मचारियों ने भाग लिया।

कोंडा सुरेखा ने टीपीसीसी कार्यकारी समिति सदस्य पद से इस्तीफा दिया

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कोंडा सुरेखा ने चौंकाने वाला फैसला किया है। कोंडा सुरेखा को टीपीसीसी कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। कोंडा सुरेखा ने हालांकि इस पोजीशन को ठुकरा दिया। वह परेशान थी और दावा किया कि उसका अपमान किया गया था। उन्होंने तेलंगाना पीसीसी अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी को पत्र भेजा और कार्यकारी समिति से अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने आरोप लगाया कि समिति के सदस्यों के चयन में वरिष्ठता का ध्यान नहीं रखा गया। उनके मुताबिक जूनियर्स को उनके ऊपर तरजीह दी जा रही है। कोंडा सुरेखा का दावा है, "मैं

तीन दशक से अधिक समय से कांग्रेस की सदस्य हूं, फिर भी मुझे अभी तक पहचान नहीं मिली है." सुरेखा ने दावा किया, 'मेरे लिए पद से ज्यादा अहम है स्वाभिमान'। कोंडा सुरेखा विवाद अब तेलंगाना कांग्रेस कैडर के बीच खलबली मचा रहा है।

करीमनगर विस क्षेत्र में विकसित की जाएंगी सभी सड़कें : गंगुला

करीमनगर, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने पूरे करीमनगर विधानसभा क्षेत्र में धूल रहित सड़कें विकसित करने का आश्वासन देते हुए बताया कि पंचायतीराज और आर एंड बी सड़कों का 85 प्रतिशत पहले ही पूरा हो चुका है। रविवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने खंड में लंबित सड़कों को पूरा करने के लिए 75 करोड़ रुपये जारी किए हैं और जीओ नंबर 406 और 407 जारी किए हैं। उसमें से 59.30 करोड़ रुपये कोठापल्ली और करीमनगर ग्रामीण मंडलों में छह नई सड़कें बनाने के अलावा बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई दस सड़कों की मरम्मत के लिए निर्धारित किया गया था। 14.78 करोड़ रुपये खर्च कर आठ आरएंडबी सड़कों का नवीनीकरण किया जाएगा। क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को पहले ही भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि सोमवार को जीओ जारी किया जाएगा। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश के मुताबिक, सड़क के सभी काम इसी महीने शुरू कर दिए जाएंगे और अगले साल 31 मार्च तक पूरे कर लिए जाएंगे। करीमनगर के मेयर वाई सुनील राव, कोठापल्ली नगरपालिका अध्यक्ष रुद्रराजू और अन्य उपस्थित थे।

बोइनपल्ली स्थित प्ले ग्राउंड में आयोजित राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मोंडा मार्केट की पार्षद के. दीपिका, छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्याय जम्पना प्रताप तथा अरिगे रामास्वामी मेमोरियल सर्विस ट्रस्ट के अध्यक्ष मधुसूदन व जेपी युवा सेना के सदस्य उपस्थित रहे।

रसायनों के डिब्बे में विस्फोट से एक घायल

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद शहर में रसायनों का डिब्बा खोलने की कोशिश के दौरान हुए विस्फोट में एक व्यक्ति घायल हो गया। यह घटना हैदराबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर शहर के बड़ा बाजार इलाके में शनिवार देर रात हुई। जोरदार विस्फोट से इलाके में तीन दुकानों के सामने शेड क्षतिग्रस्त हो गए और निवासियों में दहशत फैल गई। हालांकि, कोई अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ। कूड़ा बीनने वाला बताया जा रहा घायल व्यक्ति को जिला सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है। पुलिस ने बताया कि दमकल कर्मियों की एक टीम मौके पर पहुंची। एक पुलिस अधिकारी ने इनकार किया कि यह बम विस्फोट था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि व्यक्ति कहीं से रसायनों का डिब्बा लाया और उसे खोलने की कोशिश की, जिससे विस्फोट हुआ। पुलिस ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए और उन्हें विश्लेषण के लिए भेजा।

बाइक-ऑटो ट्रॉली की टक्कर में एक की मौत, 10 घायल

मेदक, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसापुर मंडल के चिन्ना चिंताकुंता गांव में रविवार को एक दुपहिया वाहन और एक ऑटो-ट्रॉली के बीच आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। जगदगिरिगुट्टा के एमडी अदनान की मौके पर ही मौत हो गई, नरसापुर पुलिसने कहा कि अदनान अपने दोस्तों बासवराज, पवन, अमर और हरि के साथ सप्ताहांत का आनंद लेने के लिए दो बाइक पर एडुपयाला मंदिर जा रहे थे। इस बीच, रम्यमपेट मंडल के कटरियाला का एक परिवार एक समारोह में शामिल होने के लिए एक ऑटो-ट्रॉली में जगदगिरिगुट्टा जा रहा था, तभी यह घटना हुई। मामला दर्ज किया गया था। घायलों को सरकारी अस्पताल नरसापुर में भर्ती कराया गया है।

कृषि मंत्री ने कोहेड़ा कृषि बाजार का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री निरंजन रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद के बाहरी इलाके कोहेड़ा में प्रस्तावित कृषि बाजार के निर्माण का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री निरंजन रेड्डी ने कहा कि विभाग ने 199 एकड़ भूमि में कृषि बाजार के निर्माण के लिए एक अंतिम खाका तैयार किया है और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की मंजूरी के बाद परियोजना की आधारशिला रखी जाएगी। आधुनिक फल और कृषि बाजार अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ बनाया गया है और इसमें कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक पार्क, प्रसंस्करण संयंत्र, अपशिष्ट प्रबंधन, सौर प्रणाली, पकने वाले कक्ष, श्रम और कर्मचारियों के क्वार्टर, प्रमाणन के लिए प्रयोगशालाएं और अन्य सहित सभी सुविधाएं होंगी। मंत्री ने कहा कि नया प्रस्तावित बाजार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए आने वाले दिनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि साइट बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास रणनीतिक रूप से स्थित है। विधायक मंची रेड्डी किशन रेड्डी, कृषि विभाग के निदेशक लक्ष्मी भाई और अन्य उपस्थित थे।

मंचेरियल कलेक्टर कैंप कार्यालय का शुभारंभ

मनचेरियल, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर भारती होलिकेरी ने कहा कि जल्द ही एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) का उद्घाटन करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने रविवार को नासपुर मंडल केंद्र स्थित परिसर में बने कलेक्टर कैंप कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। होलिकेरी ने कहा कि परिसर के कार्यों में तेजी लाने और इसे जल्द से जल्द जनता के लिए खोलने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिसर एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं प्रदान करने के लिए था। उन्होंने कहा कि इस सुविधा के आने से लोगों के समय और पैसे की बचत होगी। बेल्लमपल्ली विधायक दुर्गम चिन्नैया, जिला पुस्तकालय अध्यक्ष आर प्रवीण कुमार, मनचेरियल नगरपालिका अध्यक्ष पी राजैया और नासपुर निकाय अध्यक्ष प्रभाकर, प्रभारी पुलिस उपायुक्त अखिल महाजन, अतिरिक्त कलेक्टर राहुल, पेड्डापल्ली कुमार दीपक, प्रशिक्षु कलेक्टर गौतमी और कई अन्य अन्य मौजूद थे।

केसीआर 14 को बीआरएस पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस नेताओं ने रविवार को नई दिल्ली में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पार्टी कार्यालय के उद्घाटन की तैयारियों की समीक्षा की। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव 14 दिसंबर को नई दिल्ली में सरदार पटेल मार्ग पर पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। पार्टी कार्यालय के उद्घाटन से पहले केसीआर यज्ञ और अन्य अनुष्ठान करेंगे।

एडुपायला मंदिर के एनीकट में डूबने से व्यक्ति की मौत

मेदक, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक के एडुपायला मंदिर के घनपुर एनीकट में रविवार को 35 वर्षीय एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गयी। पापनापेट पुलिस के मुताबिक, संगारेड्डी के वटपल्ली मंडल के मारिवेली गांव के चकली मोगुलैया अपने परिवार के सदस्यों के साथ शनिवार शाम मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। घनपुर एनीकट, जो पानी से लबालब था, में नहाने के दौरान, मोगुलैह गहरे पानी में तैर गया, लेकिन वापस किनारे पर नहीं जा सका।

नगर भाजपा के संयुक्त कोषाध्यक्ष अशोक सेन को उनकी विशेष समाजसेवा के लिए युनिवर्सल ह्यूमन राइट्स काउंसिल, भारत सरकार के अध्यक्ष डॉ. तरुण कुमार बाकोलिया व जस्टिस विजय कुमार व्यास द्वारा जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय गौरव आवार्ड से सम्मानित किया गया।

विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना के लिए केंद्र ने तेलंगाना को सिर्फ 5 सीटें आवंटित कीं, भाजपा राज्यों को अधिक मिला

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस बार विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना के दूसरे चरण के तहत सीटों के आवंटन के रूप में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का तेलंगाना के प्रति भेदभाव एक बार स्पष्ट हो गया है।

केंद्र ने एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) और आईटी/आईटी सक्षम सेवाओं (आईटी/आईटीईएस) क्षेत्रों में पीएचडी की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना शुरू की थी। टीआरएस सांसद बी. पार्थसारधि रेड्डी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर राज्यसभा में एक सवाल उठाया। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को डिजिटल अर्थव्यवस्था, निवेश और नौकरियों के विकास के लिए एक गतिशील सक्षमकर्ता मानती है।

एआई इकोसिस्टम के विस्तार के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना की परिकल्पना इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और निर्माण में पीएचडी की संख्या बढ़ाने के लिए की गई है। तदनुसार, तेलंगाना के 112 पूर्णकालिक और अंशकालिक उम्मीदवार विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना के पहले चरण में लाभान्वित हुए। दिलचस्प बात यह है कि दूसरे चरण में पूर्णकालिक श्रेणी में तेलंगाना को केवल पांच सीटें आवंटित की गईं, जबकि भाजपा शासित राज्यों को अधिक सीटें आवंटित की गईं। सबसे अधिक 19 सीटें कर्नाटक को आवंटित की गईं, इसके बाद महाराष्ट्र को 17, उत्तर प्रदेश को 11 और गुजरात को सात सीटें दी गईं।

सामूहिक उपनयन संस्कार कार्यक्रम में भाग लेते हुए एच. कुमार, नागरी सुरेंद्र बडेकन, महावीर चव्हाण, राजेश, टी. राधाकृष्ण, गुड्डी कमलकिशोर व अन्य।

जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जायसवाल के नेतृत्व में कई लोगों ने तुलजापुर स्थित तुलजा भवानी मंदिर में पूजा-अर्चना की।

विश्वमंगल गौशाला में एक दिन गौ माता के नाम 25 दिसंबर को भव्य भजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेने के लिए मंत्री सीएच मल्लारेड्डी तथा सोमाराम विलेज सरपंच करुणाकर रेड्डी को आमंत्रित करते हुए गौशाला के अध्यक्ष टीवी सुरेश, मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार, हेमलता जोशी और दलपत सिंह।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

शार्ट कट नहीं स्थायी ...

दूसरा चरण पूरा होने पर लंबाई 701 किमी होगी। लागत 55 हजार करोड़ रुपये है। इससे 24 जिलों के विकास में मदद मिलेगी। यह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट, अजंता-एलोरा गुफाओं, शिर्डी, वेरुल, लोनार पर्यटन स्थलों से जुड़ेगा। यह भारत के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक है। देशभर में बेहतर कनेक्टिविटी और बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

नागपुर में दो मेट्रो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

प्रधानमंत्री नागपुर में खपरी मेट्रो स्टेशन पर दो मेट्रो ट्रेनों- खपरी से ऑटोमोटिव स्क्वायर (ऑरेंज लाइन) और प्रजापति नगर से लोकमान्य नगर (एक्वा लाइन) को हरी झंडी दिखाई। नागपुर मेट्रो का पहला चरण 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। पीएम मोदी ने करीब 6700 करोड़ रुपये की लागत से बने नागपुर मेट्रो फेज-2 का भी शिलान्यास किया।

इससे पहले, पीएम आज सुबह नागपुर एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उनका स्वागत किया। मोदी ने महाराष्ट्र में 75 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने एम्स नागपुर का उद्घाटन किया।

कर्नाटक के मंदिरों में अब ...

विश्व हिंदू परिषद भी कर चुका है मांग

इससे पहले विश्व हिंदू परिषद ने कोल्लूर मंदिर के अधिकारियों से सुधार के लिए जाने और अनुष्ठान को "प्रदोष पूजा" कहने का आग्रह किया था। हालांकि, मंदिर के कार्यकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया था कि मंदिर के रिकॉर्ड में कहीं भी शाम की आरती का नाम "सलाम मंगलाआरथी" नहीं था।

टीपू सुल्तान से क्यों चिढ़े हैं हिंदूवादी

कर्नाटक में टीपू सुल्तान के नाम पर फिर घमासान मचा है। 15 अगस्त को भी शिवमोगा में वीर सावरकर और टीपू सुल्तान की पोस्टर रैली के दौरान दो गुटों के बीच झड़प हुई थी, जिसमें जबीउल्ला नाम के शख्स ने एक पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला किया था। इस घटना ने टीपू सुल्तान के नाम पर एक बार फिर बहस छेड़ी थी।

अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए अपनी जान देने वाले टीपू सुल्तान के नाम पर महाराष्ट्र में भी दंगल हुआ। कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र सरकार के मंत्री असलम शेख ने कहा कि मुंबई में बने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का नाम टीपू सुल्तान के नाम पर होगा। इसी के विरोध में बजरंग दल और भारतीय जनता पार्टी के नेता सड़क पर उतर गए। देश में कई जगहों पर टीपू सुल्तान के विरोध में आंदोलन हुए।

ऑस्ट्रेलिया की वेस्टइंडीज पर सबसे बड़ी जीत

दूसरे मुकाबले को 419 रनों से जीता, सीरीज में क्लीन स्वीप भी किया

एडिलेड, , 11 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज पर टेस्ट की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। उसने टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 419 रनों से हराया। इस जीत के साथ ही टीम ने 2 मुकाबलों की सीरीज में क्लीन स्वीप कर लिया है। 53 साल पहले बिल लॉरी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने सर जो गैरी सोबर्स की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज को 14 फरवरी 1969 को सिडनी में 382 रनों से हराया था।

एडिलेड में रविवार को 5 दिवसीय मुकाबले के आखिरी दिन 497 के लक्ष्य का पीछा कर रही वेस्टइंडीज की टीम 77 रनों पर ऑलआउट हो गई। उसकी ओर से शिवनारायण चन्द्रपाल के बेटे तेगनारायण चंद्रपाल ने सबसे ज्यादा 17 रन बनाए। टीम का कोई भी बल्लेबाज 20 के आंकड़े को पार नहीं कर सका। मेजबान टीम की ओर से मिचेल स्टार्क, मिचेल निसार और स्कॉट बोल्डन ने एक समान 3-3 विकेट चटकाए। जीत के हीरो ट्रेविस हेड रहे। उन्होंने पहली पारी में 175 और दूसरी पारी में 38* रन बनाए। इन पारियों के लिए ट्रेविस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

कंगारू टीम ने पहला टेस्ट 164 रनों से जीता था। यह सीरीज जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट टेबल में टॉप पर है। उसके 75% हैं, जबकि 108 हैं। उसने चार सीरीज में आठ टेस्ट जीते हैं। जबकि 3 ड्रॉ रहे हैं। एक मुकाबला ड्रॉ रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने 199/6 पर घोषित की दूसरी पारी

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी 199/6 के स्कोर पर घोषित की थी। उसकी की ओर उस्मान ख्वाजा ने 45, ट्रेविस हेड ने 38, स्टीव स्मिथ ने 35, मार्नश लाबुशेन ने 31 और डेविड वार्नर ने 28 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए अल्जारी जोसेफ ने 3 और रोस्टन चेज ने 2 विकेट लिए।

पहली पारी 511/7 पर घोषित की थी ऑस्ट्रेलिया ने

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली 511/7 रन पर घोषित की थी। उसकी ओर से मार्नस लाबुशेन ने 163 और ट्रेविस हेड ने 175 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 214 रन ही बना सकी थी। उसकी ओर से तेगनारायण चंद्रपाल 47 रन ही बना सके थे।

कैच लेने में टूटे थे 4 दांत, 30 टांके लगे

3 दिन बाद 2 छक्के लगाकर करुणारत्ने ने टीम को जिताया

खेल डेस्क, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के चमिका करुणारत्ने ने क्रिकेट की फील्ड पर हिम्मत और स्ट्रेंथ की नई डेफिनेशन लिख दी। 7 दिसंबर को टी-20 मैच में कैच लेते वक्त उनके 4 दांत टूट गए थे। डॉक्टर ने उन्हें 30 टांके लगाए। जिसके 3 दिन बाद 10 दिसंबर को वे मैदान पर लौटे और आखिरी ओवर में 2 छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। करुणारत्ने ने मैच में 16 बॉल पर 2 छक्के और 2 चौकों की मदद से 26 रन बनाए। उन्होंने 2 कैच भी लिए। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। लंका प्रीमियर लीग में करुणारत्ने की टीम कैंडी फैल्कन्स को आखिरी 12 बॉल में 31 रन की जरूरत थी। 19वें ओवर में करुणारत्ने ने 2 बॉल पर 5 रन बनाए। उनके साथी प्लेयर अशेन बंडारा ने 4 बॉल पर 10

रन बनाए। आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी। यहां करुणारत्ने ने शुरुआती 2 बॉल पर ही 2 छक्के जमा दिए। अब 4 बॉल पर 4 रन की जरूरत थी। करुणारत्ने ने साथी प्लेयर के साथ इन्हें बनाकर टीम को जीत दिला दी।

एलपीएल में ही 7 दिसंबर को गॉल ग्लैडिएटर्स के खिलाफ मैच में करुणारत्ने के दांत टूट गए थे। पहली पारी के चौथे ओवर में कार्लोस ब्रैथवेट की बॉलिंग पर ग्लैडिएटर्स के नुवानिडु फर्नांडो ने शॉट खेला, बॉल हवा में गई। करुणारत्ने कैच लेने के लिए बॉल के नीचे आए। उन्होंने कैच तो पकड़ लिया, लेकिन बॉल उनके होठों पर आ गिरी।

मैच के बाद इलाज कराया तो उनके 4 दांत टूट चुके थे। डॉक्टर्स ने उन्हें 30 टांके लगाए। करुणारत्ने ने 8 दिसंबर को इंस्टाग्राम पर डॉक्टर्स के साथ फोटो पोस्ट करते हुए कहा था, 'दांत टूटे हैं, लेकिन स्माइल बरकरार है।' इसके बाद वह 10 दिसंबर को टीम के लिए मैच खेलने भी आ गए। 10 दिसंबर को जाफना किंग्स के खिलाफ करुणारत्ने की टीम कैंडी फैल्कन्स के बीच लीग स्टेज का मैच खेला गया। जाफना ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 147 रन बनाए। करुणारत्ने ने इसमें शोएब मलिक और वेलाल्गे के अहम कैच लिए। मलिक ने 28 और वेलाल्गे ने 20 रन बनाए थे।

148 रन के टारगेट का पीछा करते हुए कैंडी 2 विकेट पर 79 रन बनाकर मजबूत स्थिति में थी। तभी 17 रन पर उनके 4 विकेट गिर गए। टीम का स्कोर 14.1 ओवर में 96/6 हो गया। फिर करुणारत्ने ने अशेन बंडारा और इसुरु उडाना के साथ टीम को जीत दिला दी। एलपीएल के 3 में से 3 मैच जीतकर कैंडी पॉइंट्स टेबल में टॉप पर हैं।

सेमीफाइनल में पहुंचा फ्रांस : इंग्लैंड को क्वार्टर फाइनल में 2-1 से हराया, ओलिवर जीरूड ने दागा डिसाइडर

अल बेत, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में शनिवार देर रात हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में फ्रांस ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया। जीत के साथ ही फ्रांस सेमीफाइनल में पहुंच गया। अब सेमीफाइनल में उसका मुकाबला मोरक्को से होगा। फ्रांस के लिए ऑरेलियन टचौमेनी ने 17वें और ओलिवर जीरूड ने 78वें मिनट में गोल दागा। इंग्लैंड की तरफ से एकमात्र गोल हैरी केन ने पेनल्टी के जरिए किया।

17वें मिनट में आया फ्रांस का पहला गोल

मैच का पहला गोल 17वें मिनट में आया। टीम के मिडफील्डर ऑरेलियन टचौमेनी ने यह गोल दागा। फ्रांस के एम्बाप्पे ने बॉक्स के बाहर से अपने साथी एंटोनी ग्रीजमैन को पास दिया। ग्रीजमैन ने पास लिया और बॉक्स की तरफ दौड़ते हुए ऑरेलियन टचौमेनी को बॉल दी। टचौमेनी ने बॉक्स के बाहर से पावरफुल शॉट मारा और बॉल को नेट के अंदर पहुंचा दिया।

51वें मिनट में मिली इंग्लैंड को पेनल्टी

इंग्लैंड के बुकायो साका बॉल लेकर पेनल्टी बॉक्स में गए। वे ड्रिब्लिंग कर रहे थे, उसी समय फ्रांस के टचौमेनी ने फाउल किया और साका गिर पड़े। बॉक्स के अंदर फाउल होने की वजह से रेफरी ने पेनल्टी दी। इंग्लैंड के स्ट्राइकर हैरी केन ने पेनल्टी ली और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

78वें मिनट में आया जीरूड का विजयी गोल

78वें मिनट में फ्रांस एक ओलिवर जीरूड ने गोल दागा। लेफ्ट कार्नर से आये क्रॉस को जीरूड ने दिशा दी और हेडर मार कर बॉल को नेट के अंदर पहुंचाया। जीरूड के गोल के बाद स्कोर 2-1 हो गया और फ्रांस ने बढ़त बना ली।

केन ने गवाया मौका

इंग्लैंड को 80वें मिनट में पेनल्टी मिली, बॉल को रिसीव करने जा रहे मेसन माउंट को पेनल्टी बॉक्स के अंदर फ्रांस के डिफेंडर थियो हर्नांडेज ने पुश किया और गिरा दिया। VAR ने पेनल्टी दी। टीम के कप्तान हैरी केन ने पेनल्टी ली। उन्होंने शॉट मारा लेकिन वो गोलपोस्ट के ऊपर से चला गया और पेनल्टी मिस हो गई।

स्क्वाश चैंपियनशिप : जोशना चिनप्पा ने 19वीं बार जीता राष्ट्रीय स्क्वाश खिताब, अभय पहली बार बने विजेता

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। जोशना और 14 साल की अनाहत के बीच महिला एकल फाइनल के करीबी होने की उम्मीद थी लेकिन 36 साल की चेन्नई की खिलाड़ी ने सीधे गेम में 25 मिनट में जीत दर्ज की।

स्टार खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने 78वीं राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियनशिप के महिला एकल फाइनल में दिल्ली की अनाहत सिंह को 11-8, 11-9, 11-9 से हराकर 19वीं बार राष्ट्रीय खिताब जीता। पुरुष एकल में शीर्ष वरीय अभय सिंह ने वेलावन सेंथिलकुमार के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए 11-13, 11-7, 11-6, 11-4

की जीत के साथ पहली बार राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया।

जोशना और 14 साल की अनाहत के बीच महिला एकल फाइनल के करीबी होने की उम्मीद थी लेकिन 36 साल की चेन्नई की खिलाड़ी ने सीधे गेम में 25 मिनट में जीत दर्ज की। अभय सिंह ने भी पुरुष एकल फाइनल में पहला गेम गंवाने के बावजूद धैर्य बरकरार रखते हुए 48 मिनट में जीत दर्ज की।

इस साल बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में चिनप्पा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। भारत की पदक की उम्मीदों को तब झटका लगा था, जब जोशना चिनप्पा महिला सिंगल्स राउंड के क्वार्टर फाइनल में हार गईं थीं। उन्हें कनाडा की हॉली नॉटन ने 3-0 से हराया। पहला गेम हॉली ने 11-9 से जीता था। दूसरे गेम में कनाडा की खिलाड़ी ने चिनप्पा को 11-5 से हरा दिया। तीसरे गेम में हॉली ने चिनप्पा को कड़े मुकाबले में 15-13 से हरा दिया।

रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल बाहर

मोरक्को ने नॉकआउट में हराया; वर्ल्ड कप सेमीफइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनी

खेल डेस्क, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में लगातार तीसरे क्वार्टर फाइनल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। मोरक्को ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल को 1-0 से हराकर वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया। मैच के बाद रोनाल्डो अपने इमोशंस कंट्रोल नहीं कर पाए और रोते हुए ग्राउंड से बाहर निकले।

इस जीत के साथ ही मोरक्को वर्ल्ड कप के इतिहास में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बन गई। मैच का इकलौता गोल मोरक्को के युसुफ एन-नेसरी ने 42वें मिनट में किया। इसके बाद मैच में कोई और गोल नहीं लगा।

गोल नहीं कर सका पुर्तगाल

पूरे मैच में पुर्तगाल एक भी गोल नहीं कर सका। टीम ने राउंड ऑफ 16 में स्विट्जरलैंड को 6-1 के बड़े मार्जिन से हराया था। ऐसा लग रहा था कि पुर्तगाल आसानी से क्वार्टर फाइनल में मोरक्को को हरा देगा। लेकिन, मोरक्को ने फर्स्ट हाफ में लीड बनाने के बाद अपनी डिफेंस को स्ट्रॉन्ग किया। जिसके चलते पुर्तगाल पूरे मैच में गोल नहीं कर सका।

मैच में हावी रहा पुर्तगाल

पुर्तगाल की टीम ने मैच में 74% समय बॉल को अपने पास रखा। इसके बावजूद वे गोल नहीं कर सके। टीम ने गोल की तरफ 12 शॉट मारे, लेकिन 3 ही टारगेट पर गए। जिसे मोरक्को के गोलकीपर बोनो ने बचा लिया। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो स्टार्टिंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। वे 53 वें मिनट में रुबेन नेवेस की जगह सब्स्टीट्यूट हो कर मैदान में आए।

पहले हाफ में मोरक्को का गोल आया

मोरक्को ने पहले हाफ में मैच का एकमात्र गोल दागकर बढ़त बनाई। हाफ-टाइम से ठीक पहले 42वें मिनट में मोरक्को के एन-नेसरी ने गोल दागा। उन्होंने क्रॉस से आती बॉल को हेडर से दिशा देकर पुर्तगाल के नेट में पहुंचा दिया। नेसरी वर्ल्ड कप इतिहास में मोरक्को नेशनल टीम के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इस टूर्नामेंट में अब तक तीन गोल दाग दिए हैं।

पहले हाफ में मोरक्को ने बनाया दबाव

पहले हाफ में मोरक्को की टीम हावी रही। उन्होंने इस दौरान 7 शॉट गोल की तरफ मारे। वहीं, पुर्तगाल सिर्फ 5 ही शॉट मार सका। मोरक्को ने पहले हाफ में एक गोल भी दागा। लेकिन, पुर्तगाल ऐसा नहीं कर सकी। बॉल पॉजेशन ज्यादा होने के बावजूद पुर्तगाल फर्स्ट हाफ में चांस नहीं बना पाई। उन्होंने 66% समय बॉल अपने पास रखी।

क्रोएशिया का सामना करेगी मेसी की अर्जेंटीना

मोरक्को से खेलेगा फ्रांस, देखें सेमीफाइनल का शेड्यूल

खेल डेस्क, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। पहला सेमीफाइनलः विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में अर्जेंटीना के सामने क्रोएशिया की चुनौती होगी। अर्जेंटीना की नजर 2014 के बाद फाइनल में पहुंचने पर है। तब उसे जर्मनी ने हरा दिया। इस बार लियोनल मेसी अपनी कप्तानी में पहली बार अर्जेंटीना को चैंपियन बनाने उतरेंगे। यह टीम 1978 और 1986 में टूर्नामेंट जीत चुकी है। दूसरी ओर पिछली बार फाइनल में हारने वाली टीम क्रोएशिया है। लुका मोद्रिच की कप्तानी में यह टीम इस बार खिताब अपने घर ले जाना चाहती है। उसने पिछले विश्व कप के ग्रुप दौर में अर्जेंटीना को हराया था। इस बार भी दोनों टीमों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल सकता है।

दूसरा सेमीफाइनल : गत चैंपियन फ्रांस की टीम की नजर लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने पर है। उसके सामने मजबूत

मोरक्को की टीम है। मोरक्को ने इस विश्व कप में कई उलटफेर किए हैं। उसने बेल्जियम, स्पेन और पुर्तगाल को इस टूर्नामेंट में हराया है। वह एक और उलटफेर करने के लिए सेमीफाइनल में उतरेगा। फ्रांस इस बात को जानती है कि मोरक्को के डिफेंस को भेदना आसान नहीं है।

कब होंगे सेमीफाइनल मैच?

पहला सेमीफाइनल 13 दिसंबर (मंगलवार) को रात 12:30 बजे से अर्जेंटीना और क्रोएशिया के बीच खेला जाएगा। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल 14 दिसंबर (बुधवार) को फ्रांस और मोरक्को के बीच रात 12:30 बजे से होगा।

भारत में सेमीफाइनल मैच किस चैनल पर देख सकेंगे?

फीफा विश्व कप के प्रसारण का अधिकार स्पोर्ट्स18 के पास है। आप स्पोर्ट्स18 के अलावा स्पोर्ट्स18 एचडी चैनल पर मैच देख सकते हैं।

भारतीय दिग्गज का निधन, क्रिकेटर से बने एथलीट

खेल डेस्क, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। केनेथ पॉवेल ने क्रिकेट छोड़कर दौड़ना शुरू किया और 1964 टोक्यो ओलिंपिक तक अपना कमाल जारी रखा था.

भारतीय दिग्गज का निधन,क्रिकेटर से बने एथलीट,खास जूते पहन ओलिंपिक में लगाई थी दौड़केनेथ पॉवेल ने 82 साल की उम्र में बेंगलुरु में दुनिया को अलविदा कह दिया.

क्रिकेट छोड़ एथलीट में कमाल करने वाले भारत के दिग्गज खिलाड़ी केनेथ पॉवेल का रविवार को निधन हो गया है. उन्होंने 82 साल की उम्र में बेंगलुरु में दुनिया को अलविदा कह दिया. केनेथ पॉवेल ने निधन से पूरा देश शोक में है. अपने चेहरे पर हर मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति में भी

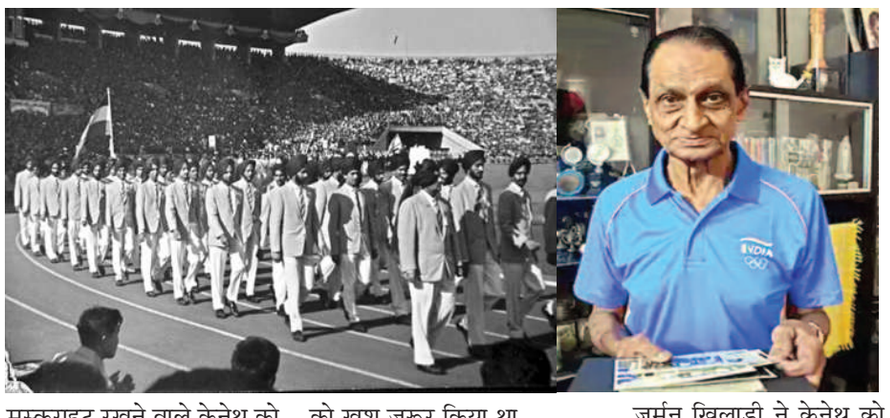

मुस्कुराहट रखने वाले केनेथ को खेल जगत में द जेंटलमैन स्प्रिंटर के नाम से जाना जाता था. उन्होंने 1964 टोक्यो ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था. टोक्यो ओलिंपिक में केनेथ ने कमाल का प्रदर्शन किया था. वो देश के लिए मेडल तो नहीं जीत पाए, मगर उनके प्रदर्शन ने हर किसी को खुश जरूर किया था.

टोक्यो ओलिंपिक में वो 100 मीटर की रेस में दौड़े थे. अमेरिका के बॉब हायस ने 10.0 सेकेंड के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल जीता था. केनेथ हीट 1 में 10.7 सेकेंड के साथ चौथे स्थान पर रहे थे और मामूली अंतर से क्वालिफाई करने से चूक गए थे.

जर्मन खिलाड़ी ने केनेथ को गिफ्ट किए थे जूते

टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू के अनुसार अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित हो चुके केनेथ ओलिंपिक में खास जूते पहनकर दौड़े थे. दरअसल मुकाबले के दौरान टोक्यो में बारिश का मौसम था और एथलीट टखने तक पानी में दौड़े थे. भारतीय खिलाड़ियों के पास पटियाला में बने स्पाइक्स थे, मगर केनेथ के पास बड़े ब्रांड के जूते थे, जो उन्हें जर्मनी के स्टार हेंज शुमान ने इंडो जर्मन मीट के दौरान गिफ्ट किया था.

लौटने पर मिले थे काफी गिफ्ट्स

केनेथ टोक्यो ओलिंपिक में 10.7 सेकेंड के साथ चौथे स्थान पर रहे थे और क्वालिफाई करने से चूक गए थे. जबकि हीट 5 में 10.8 सेकेंड के साथ वेनेजुएला के खिलाड़ी ने तीसरे स्थान पर रहकर क्वालिफाई किया था. केनेथ ओलिंपिक से जब भारत लौटे थे तो उन्हें काफी कंपनियों ने गिफ्ट दिए. किसी ने रेडियो दिया तो किसी ने बैग गिफ्ट में दिया. भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन दैनिक भत्ता 8 डॉलर देता था. उस समय एक डॉलर 5 रुपये का होता था.

हाय-तौबा के बावजूद...कोहली की खराब फॉर्म से बेफिक्र था परिवार

बड़े भाई विकास बोले- घर में कभी भी क्रिकेट पर बात नहीं होती थी

ढाका, खेल डेस्क, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में विराट ने 113 रनों की पारी खेली। यह उनका 72वां इंटरनेशनल शतक है। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को 1214 दिन बाद वनडे शतक (113) जमाया। यह उनका 72वां इंटरनेशनल शतक है। कोहली ने 44 वनडे, 27 टेस्ट और एक टी-20 शतक जमाए हैं। 34 साल के पूर्व भारतीय कप्तान को यह कामयाबी करीब 3 साल की घोर निराशा के बाद मिली है, लेकिन क्या आपको पता है कि जहां क्रिकेट जगत में कोहली की खराब फॉर्म पर हाय-तौबा मची हुई थी, वहीं दूसरी ओर उनका परिवार उनकी फॉर्म से बेफिक्र था। यहां तक कि उनके घर में कभी भी क्रिकेट पर बात नहीं होती थी।

विकास कोहली, विराट के बड़े भाई

यह बात विराट कोहली के बड़े भाई विकास कोहली ने कही। विकास ने शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ आए शतक के बाद विराट के उस दौर को साझा किया, जब विराट आउट ऑफ फॉर्म थे। कोहली की पारी पर विकास ने कहा- 'प्रोफेशनल क्रिकेटर है वो...प्रोफेशनल स्पोर्ट्स पर्सन। जिसमें ये सब चलता रहता है, क्रिटिसिज्म वगैरह...उसका फोकस गेम पर है। ऐज अ फैमिली हम एक नॉर्मल एटमॉस्फियर बनाकर रखते हैं और जो चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं हैं, हम उस पर डिस्कशन नहीं करते हैं ताकि उसका फोकस अपने गेम और प्रायोरिटीज पर रहे।'

विकास ने कहा, 'विराट की फॉर्म को लेकर परिवार उनसे कभी बात नहीं करता था। वे जब भी परिवार के साथ होते थे, तो हमारी कोशिश होती थी, उन्हें घर में बेहतर माहौल मिले। इसलिए कभी भी क्रिकेट पर बात नहीं होती थी। बस सिर्फ परिवार के लोग उन्हें अपने खेल पर फोकस करने के लिए प्रेरित करते थे।' 'क्या परिवार उनकी फॉर्म को नजरअंदाज कर रहा था या आलोचनाओं पर ध्यान नहीं देने की सलाह दे रहा था...' इस सवाल पर विकास ने कहा, 'आप इसका खुद ही अर्थ निकाल सकते हो। घर में उनके खेल पर कोई बात नहीं होती थी...बेहतर माहौल होता था।'

टीआरएस सरकार के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठीं वाईएस शर्मिला की बिगड़ी हालत, अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पदयात्रा की अनुमति न मिलने के विरोध में भूख हड़ताल में बैठी तेलंगाना वाईएसआरटीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला की हालत बिगड़ने से उन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

शर्मिला तेलंगाना सरकार द्वारा 'प्रजा प्रस्थानम पदयात्रा' आयोजित करने की अनुमति नहीं दिए जाने के विरोध में शुक्रवार सुबह से भूख हड़ताल पर बैठी हैं। कुछ भी न खाने के चलते उनकी हालत एकदम से बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, शर्मिला की सेहत अब स्थिर है।

टीआरएस सरकार के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठीं थीं वाईएस शर्मिला

तेलंगाना के टीआरएस सरकार के खिलाफ भूख हड़ताल बैठीं वाईएसआरटीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला को हैदराबाद के एक स्थानीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस द्वारा पदयात्रा की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद वाईएस शर्मिला अनिश्चितकालीन उपवास पर थीं। वाईएस शर्मिला आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी की बहन हैं।

वाईएसआरटीपी प्रमुख ने शनिवार को कहा था, तेलंगाना के पुलिसकर्मी केसीआर के मोहरों की तरह काम कर रहे हैं। मेरे लोग, जिनमें महिलाएं भी शामिल रहीं उन्हें कल गिरफ्तार किया गया और उनके साथ मारपीट की गई। वो अभी भी थाने में ही हैं। आज मेरे लोगों को मुझसे मिलने से रोका जा रहा है। पूरे इलाके में बैरिकेड लगा दिए गए हैं। ये पुलिस की बर्बरता है।

सीएम केसीआर मेरी पदयात्रा को रोकने की कोशिश कर रहे हैं

वाईएस शर्मिला ने कहा, तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव (केसीआर) मेरी पदयात्रा को रोकने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मेरी बस को जला दिया गया, मेरे लोगों को पीटा गया और मुझ पर हिंसा का आरोप लगाया गया। फिर गिरफ्तार करके हैदराबाद ले गए। अगले दिन कोर्ट ने पदयात्रा करने की अनुमति दी लेकिन पुलिस फिर भी हमें जाने नहीं दे रही है।

मां वाईएस विजयम्मा को किया गया हाउस अरेस्ट

वहीं, शर्मिला रेड्डी की मां वाईएस विजयम्मा को गुरुवार को हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। वह अपनी बेटी शर्मिला से मिलने के लिए पार्टी हाउस जाने वाली थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस पर विजयम्मा ने कहा, क्या यह लोकतंत्र है? इससे पहले किसी सरकार ने आपत्ति नहीं जताई।

पहले भी कई नेताओं ने पदयात्राएं की हैं, फिर चाहे वह चंद्रबाबू नायुडू, वाईएस राजशेखर रेड्डी, वाईएस जगहन, बंडी संजय कुमार, राहुल गांधी हो। यह वाईएस शर्मिला की दूसरी पदयात्रा है। सरकार ने सबको पदयात्रा की मंजूरी दी लेकिन वाईएस शर्मिला को इसकी मंजूरी क्यों नहीं दी जा रही। इससे साफ है कि यह सरकार वाईएस शर्मिला से डरी हुई है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर की हत्या

कोत्तागुडेम, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के तेकुलापल्ली मंडल में मुत्यालमपडु चौराहे पर वित्तीय विवादों के चलते एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की बेरहमी से हत्या कर दी गई। भाजपा के तेकुलापल्ली मंडल अध्यक्ष के पुत्र धरावत अशोक (26), मुत्यालमपडु चौराहा ग्राम पंचायत के शांतिनगर टोले के डी बालाजी खम्मम में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करते थे। शनिवार की देर रात वह अपने एक दोस्त का फोन आने के बाद घर से निकला था। जब उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ हो गया और वह घर नहीं लौटा तो उसके परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। मुत्यालमपडु चौराहे पर ग्राम पंचायत कार्यालय के परिसर में अशोक का शव मिला। शरीर पर चाकुओं के कई निशान पाए गए जबकि चेहरा क्षत-विक्षत था। बताया जाता है कि मुत्यलमपडु चौराहे के एक युवक से उसका विवाद हो गया था। पुलिस ने कथित तौर पर आरोपी को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। येल्लंदु डीएसपी, रमन मूर्ति, टेकुलापल्ली सीआई इंद्रसेना रेड्डी और येल्लंदु सीआई बी राजू ने घटनास्थल का दौरा किया।

सभी जातियों व धर्मों का सम्मान करती है सरकार : तलसानी

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशु संवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना सरकार सभी जातियों और धर्मों का सम्मान करती है। रविवार को, उन्होंने ईसाई नेताओं और विभिन्न चर्चों के प्रतिनिधियों के साथ वेस्ट मारेडपल्ली में अपने निवास पर क्रिसमस समारोह के प्रबंधन और व्यवस्था पर बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद सरकार मुख्यमंत्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव के आदेशानुसार सभी त्योहारों को भव्य रूप से मनाने की सभी व्यवस्था कर रही है। इसी तरह क्रिसमस के अवसर पर भी गरीबों को नए कपड़े बांटने और सरकार के तत्वावधान में रात्रि भोज आयोजित करने की याद दिलाई। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी क्रिसमस के अवसर पर सरकार द्वारा दिये गये गिफ्ट पैक इसी माह की 13 तारीख को वितरित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के 8 क्षेत्रों में रात्रि भोज की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद कई विकास और कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इस माह की 12 तारीख को ईसाई कल्याण भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया जाएगा जो ईसाइयों के स्वाभिमान को और बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने भवन निर्माण के लिए दो एकड़ जमीन और दो करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस अवसर पर ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष प्रार्थना की और मंत्री को आशीर्वाद दिया। इस बैठक में पार्षद हेमलता, माहेश्वरी, पूर्व पार्षद नमना सेशुकुमारी, अत्तिली अरुणा गौड़, उप्पला तरुणी, डीएमसी मुकुंद रेड्डी, मोहन रेड्डी, ईसाई प्रतिनिधि डीडी प्रशांत, दयाकर, जयराज, सुदर्शन राव, टीआरएस मंडल अध्यक्ष कोलन बाल रेड्डी, राजू, अथिली श्रीनिवास गौड़, हनमथा राव, श्रीनिवास गौड़, नायक नागुलु, जयराज, अशोक यादव, श्रीहरि और अन्य ने भाग लिया।

डोड्डी कोमरय्या की जुझारूपन ने तेलंगाना आंदोलन में युवाओं को प्रेरित किया : हरीश राव

यदाद्री-भोंगिर, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश रावने रविवार को कहा कि तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष में डोड्डी कोमरैया की लड़ाई की भावना ने युवाओं को एक अलग राज्य प्राप्त करने के लिए तेलंगाना आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। अलेर में डोड्डी कोमरय्या की प्रतिमा का अनावरण करते हुए, हरीश राव ने कहा कि ज़मीन की लड़ाई में कोमरैया के बलिदान और बंधुआ मज़दूरी से मुक्ति ने लोगों को तेलंगाना कृषि सशस्त्र संघर्ष में भाग लेने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जब हम तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष के बारे में बात करेंगे तो कोमारैया को हमेशा याद किया जाएगा। राज्य सरकार ने स्कूल पाठ्यक्रम में डोड्डी कोमारैया पर एक पाठ शुरू किया था, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में सभी जातियों के गरीब छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए आवासीय विद्यालयों की स्थापना की है। कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाना चाहिए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना में सरकारी स्कूलों को शिक्षा और सुविधाओं की गुणवत्ता में कॉर्पोरेट स्कूलों के बराबर विकसित किया गया। हिंदूपुर के सांसद गुरुंतला माधा कुर्मा, सरकारी सचेतक गोंगीडी सुनीता, नलगोंडा डीसीसीबी के अध्यक्ष गोंगीदी महेंद्र रेड्डी और तेलंगाना राज्य कुरुमा संगम के अध्यक्ष एडला मल्लेशम उपस्थित थे।

हैदराबाद में पहले से कहीं ज्यादा बढा ध्वनि प्रदूषण

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ दशक पहले तक, गच्चीबावली अपने शांत और स्वास्थ्यप्रद वातावरण के लिए जाना जाता था। अब शहर का यह 'संवेदनशील' पॉकेट चहल-पहल वाली गतिविधि और वाहनों की अंतहीन धारा के साथ एक रूपांतरित हो गया है, जो इसे हैदराबाद के सबसे शोर वाले क्षेत्रों में से एक बनाता है। पिछले छह सालों से यहां शोर का स्तर निर्धारित सीमा से ऊपर उठने लगा है। इस साल नवंबर तक, गच्ची बावली ने डेसिबल (डीबी) स्तर देखा, जिसमें ध्वनि प्रदूषणको मापा जाता है, वे तेजी से बढ़ते हैं। जनवरी में, गच्ची बावली में दिन के समय शोर का स्तर 50 डीबी की स्वीकार्य सीमा के मुकाबले 59.57 डीबी था। नवंबर के अंत तक इसी क्षेत्र में शोर का स्तर 64.25 डीबी था। दूसरे सप्ताह के दौरान, यह 66.83 डीबी तक पहुंच गया, जो इसके 'संवेदनशील' ज़ोनिंग के मुकाबले लगभग 'व्यावसायिक क्षेत्रों' के मानक डेसिबल स्तर पर था।

यहां तक कि पिछले कुछ महीनों में गच्ची बावली में रात के समय शोर का स्तर 55 डीबी को पार कर गया है और यहां तक कि 40 डीबी की स्वीकार्य सीमा के मुकाबले लगभग 65 डीबी तक पहुंच गया है।

यहां तक कि नेहरू जूलॉजिकल पार्क क्षेत्र, एक अन्य संवेदनशील क्षेत्र, अब शहर के सबसे खराब इलाकों में से एक है। यहां डेसिबल का स्तर मार्च से लगातार बढ़ रहा है और हाल के महीनों में रातों के दौरान यह संख्या 70 डीबी तक पहुंच गई। आवासीय क्षेत्रों में भी शोर के स्तर में वृद्धि दर्ज की जा रही है। नवंबर के दौरान जुबली हिल्स में दिन के समय शोर का स्तर 68.43 डीबी था, जबकि क्षेत्र में रात के समय शोर का स्तर 71.74 डीबी था। इसी प्रकार तारनाका में ध्वनि प्रदूषण दिन के दौरान 64.96 डीबी और रात में 56.53 डीबी तक पहुंच गया है, जबकि दिन के दौरान दोनों क्षेत्रों का स्वीकार्य ध्वनि स्तर 55 डीबी है, और रात में यह 45 डीबी है।

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. शकुंतला घोष के अनुसार, 85 डीबी या उससे अधिक ध्वनि के लगातार संपर्क में आने से सुनने की क्षमता भी कम हो सकती है। तेज आवाज के लगातार संपर्क में रहने के कारण लोगों को लगातार सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी, नींद की गड़बड़ी और श्रवण थकान की शिकायत हो सकती है। रोकथाम काम पर या शोरगुल वाले परिवेश में सुरक्षात्मक ईयर प्लग या ईयर मफ का उपयोग करना है। शुरुआती पहचान नुकसान को रोक सकती है और बहरेपन को रोक सकती है।

इस बीच, अगस्त से पहले, एबिड्स भी राज्य की राजधानी में सबसे अधिक शोर वाले क्षेत्रों में से एक था। वह स्थिति एक स्विच की तरह फ़्लिप हो गई, हमेशा गुलजार रहने वाले इलाके में अब ध्वनि प्रदूषण कम प्रभावित हुआ। तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ध्वनि प्रदूषण रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में यहाँ ध्वनि का स्तर दिन और रात के दौरान 60 डीबी से कम रहा, जबकि स्वीकार्य सीमा क्रमशः 65 डीबी और 55 डीबी तक है।

ध्वनि प्रदूषण को मापने के लिए, तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शहर को आवासीय (जुबली हिल्स और तारनाका), वाणिज्यिक (एबिड्स और जेएनटीयू), औद्योगिक (सनथनगर, जीदीमेटला, और गड्डापोथरम), और संवेदनशील (चिड़ियाघर पार्क और गाचीबोवली) सहित विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित किया। किसी क्षेत्र का स्वीकार्य दिन और रात का डेसिबल स्तर उसके प्रकार के क्षेत्र पर निर्भर करता है।

अगले चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर नालगोंडा से लडूंगा : कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी

नलगोंडा, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भोंगीर सांसद कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, जो अपनी ही पार्टी के भीतर विभिन्न खातों पर विरोध का सामना कर रहे हैं, ने रविवार को स्पष्ट कर दिया कि वह अगले चुनाव में नालगोंडा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे और वह भी कांग्रेस के टिकट पर।

भारी बहुमत से जीत का भरोसा जताते हुए वेंकट रेड्डी ने मीडिया से कहा कि वह अपने कंधों पर कांग्रेस का दुपट्टा लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे और आश्चर्य है कि उन्हें किस पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ना है, इस पर संदेह क्यों है। यह कहते हुए कि वह चुनाव से एक महीने पहले तक राजनीति के बारे में बात नहीं करेंगे, वेंकट रेड्डी ने कहा कि वह अगले साल जनवरी से निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करेंगे। इससे पहले, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के फिर से विलय पर वाईएसआरसीपी नेता सज्जला रामकृष्ण रेड्डी की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, वेंकट रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने लंबे संघर्ष के माध्यम से एक अलग राज्य हासिल किया है। उन्होंने कहा कि 1969 के तेलंगाना आंदोलन में 369 युवाओं और पिछले तेलंगाना आंदोलन में 1200 युवाओं ने अलग राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। फिर से विलय कभी नहीं होगा, उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी नेताओं को इस तरह के बयानों से दूर रहने के लिए कहा।

नलगोंडा के मामले में, उन्होंने आरोप लगाया कि जिले का विकास सिद्दीपेट, गजवेल या सिरसिला के बराबर नहीं हुआ है और उन्होंने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्येक गांव में 300 डबल बेडरूम घरों और प्रत्येक नगरपालिका को 500 डबल बेडरूम घरों को मंजूरी देने का आग्रह किया।

मीर आलम मंडी को लौटाया जाएगा उसका पुराना गौरव

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मीर आलम मंडी, जिसे हैदराबाद का सबसे पुराना बाजार माना जाता है, अपने पुराने गौरव को फिर से हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है। हैदराबाद के पुराने शहर में ऐतिहासिक बाजार को बहाल करने की पहल तेलंगाना सरकार द्वारा 16. 14 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से की जाएगी। रविवार को माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर लेते हुए, नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमए एंड यूडी), विशेष मुख्य सचिव, अरविंद कुमार ने कहा कि, निजाम युग के बाजार से संबंधित कार्य जनवरी 2023 में शुरू होंगे।

उन्होंने बताया कि मीर आलम मंडी सबसे पुराना बाजार 16.14 करोड़ रुपये में मेकओवर पाने के लिए पूरी तरह तैयार है। निज़ाम युग के बाजार का पुनर्निर्माण किया जाएगा और भूमिगत नाली, फ़र्श और एलईडी प्रकाश व्यवस्था को जोड़ते हुए इसकी मूल भव्यता को बहाल किया जाएगा। उन्होंने ट्वीट किया कि सीओटी के साथ निविदाएं और काम जनवरी 2023 में शुरू होने की संभावना है।

महिला ने शादी से कुछ घंटे पहले की आत्महत्या

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले में शादी से कुछ घंटे पहले एक महिला ने आत्महत्या कर ली। शनिवार देर रात रयागला रावली (उम्र 26) ने अपने नवीपेट स्थित घर में फांसी लगा ली। रविवार को दोपहर 12.15 बजे निजामाबाद समारोह कक्ष में शादी होनी थी। हादसा उस समय हुआ जब परिवार शादी की तैयारी पूरी करने के लिए भाग रहा था, जिससे वे मायूस हो गए। रावली के माता-पिता का दावा है कि जिस व्यक्ति से वह शादी करने वाली थी, उसके कथित प्रताड़ना के परिणामस्वरूप उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली। रावली के पिता ने खुलासा किया कि बीती रात करीब 10:30 बजे उनकी को किसी का बेटी का फोन आया। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी ने उनसे छुप छुप कर बात की थी। बेटी ने पूछने पर कहा कि कोई खास वजह नहीं थी। पिता ने कहा, 'मेरी बेटी ने सुबह चार बजे आत्महत्या कर ली।' शिकायत में दावा किया गया है कि बेटी की यह हरकत मानसिक पीड़ा का नतीजा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

चंद्रबाबू ने आंध्र प्रदेश में किसानों की आत्महत्या पर चिंता व्यक्त की

अमरावती, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में किसानों द्वारा बढ़ती आत्महत्याओं पर चिंता व्यक्त की है। ट्विट के माध्यम से उन्होंने बताया कि राज्य ने टीडीपी शासन के दौरान कृषि क्षेत्र और एक्वा निर्यात में रिकॉर्ड बनाया था, अब पिछले तीन वर्षों के दौरान 1,673 किसानों की मौत हुई है, यह एक 'आत्महत्या राज्य' बन गया है।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की रैतू विरोधी नीतियों ने किसानों को कर्ज में धकेल दिया और समर्थन मूल्य की कमी, सब्सिडी बंद करने और अन्य मुद्दों के परिणामस्वरूप आत्महत्याएं हुईं।

सरकार लोगों को परेशान कर रही थी और उन्हें पीड़ित कर रही थी, चंद्रबाबू ने आरोप लगाया, वाईएसआरसीपी सरकार लोगों की समस्याओं को दूर करने के बजाय, 'एकजुट आंध्र प्रदेश' पर बयान दे रही है। उन्होंने यह बयान देकर कि दोनों राज्यों को विलय कर देना चाहिए, लोगों का ध्यान हटाने के लिए भ्रम पैदा किया, उन्होंने टिप्पणी की और किसानों की आत्महत्याओं और लोगों की समस्याओं के कारणों को तुरंत दूर करने का आह्वान किया।

नेत्रहीनों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए : मंजुला रथ

हैदराबाद, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया कॉन्फेडरेशन ऑफ ब्लाइंड्स की राष्ट्रीय सचिव मंजुला रथ (दिल्ली) ने मांग की है कि बिना लैंगिक भेदभाव के सभी सामान्य दृष्टिहीन लोगों के लिए ब्लाइंड जॉब नियुक्तियों में महिलाओं के लिए 6वां रोस्टर सिस्टम लागू करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। अखिल भारतीय नेत्रहीन परिसंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक काचीगुड़ा के ग्रैंड अभिनंदन होटल में रविवार को हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, मंजुला रथ ने नेत्रहीनों के प्रति केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दिखाए गए ध्यान की कमी पर अफसोस जताया। उन्होंने मांग की कि विकलांग अधिनियम, जो 2016 में उपलब्ध कराया गया था, को यथावत लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारें दृष्टिहीनों की समस्या का समाधान करने में विफल रही हैं। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से अंधों की समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने की मांग की। ऑल इंडिया कॉन्फेडरेशन ऑफ ब्लाइंड के राष्ट्रीय सचिव पोनुगोटी चोक्काराव (तेलंगाना) ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने 10 वीं कक्षा में बधिरों के लिए दो भाषाओं की छूट में एक भाषा चुनने की व्यवस्था शुरू की थी, लेकिन दृष्टिहीनों के मामले में यह संभव नहीं है। पहले की तरह तीन भाषाओं को रखा जाना चाहिए और गणित की छूट के विकल्प को भी अंधा छोड़ देना चाहिए और सरकार को इस दिशा में कदम उठाने चाहिए। पोनुगोटी छोकाराव ने कहा, भले ही नए दृष्टिहीन विद्यालयों की स्थापना न हो, कम से कम वर्तमान विद्यालयों में दृष्टिहीन छात्रों की संख्या बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकलांगता अधिनियमों के कार्यान्वयन के लिए एक प्रभारी नियुक्त करना और विशेष रूप से एक स्वतंत्र स्थिति वाले आयुक्त स्तर के अधिकारी को नियुक्त करना अनुचित था। उन्होंने राज्यसभा सांसद वदिराजू रविचंद्र, वाशिंगटन तेलंगाना एसोसिएशन और सुजाता एजुकेशनल सोसाइटी को हैदराबाद में संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित करने में उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बारिश से फसलों को नुकसान, आंध्र के कुछ हिस्सों में सामान्य जनजीवन प्रभावित

अमरावती, 11 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवाती तूफान मaडौस के प्रभाव से आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट और रायलसीमा क्षेत्रों में रविवार को भी बारिश जारी रही। लगातार बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया है, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है, सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और फसलों को नुकसान पहुंचा है। एसपीएसआर नेल्लोर, प्रकाशम, तिरुपति, चित्तूर, अन्नामय्या और वाईएसआर कडप्पा जिलों में भारी बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया। शुक्रवार से हो रही लगातार बारिश से नाले, नाले और झीलें उफान पर हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, रविवार सुबह 8.30 बजे तक 24 घंटे के दौरान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हुई और केरल, तमिलनाडु, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई। एसपीएसआर नेल्लोर जिले के अतमकुर में सबसे अधिक 13 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। मरकापुर (प्रकाशम), अमलापुरम (पूर्वी गोदावरी) और वेलीगंडला (प्रकाशम) में 10-10 सेंटीमीटर बारिश हुई। प्रकाशम जिले के कंदुकुर और मारीपुडी में 9 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। ओंगोल (प्रकाशम) उदयगिरि (एसपीएसआर नेल्लोर) और पोडिली (प्रकाशम) में से प्रत्येक में 8 सेमी वर्षा दर्ज की गई। अवनिगाडा (कृष्णा) और कोंकणमितला (प्रकाशम) में से प्रत्येक में 7 सेमी वर्षा हुई। प्रकाशम जिले में रविवार को दूसरे दिन भी व्यापक बारिश हुई। पेदारवीदु मंडल में प्रभावित क्षेत्रों की कुछ कॉलोनियों में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया। प्रकाशम जिले के एक हिस्से में लगातार हो रही बारिश से मिर्च की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों का कहना है कि अगर दो-चार दिन और बारिश होती रही तो उनकी पूरी फसल बर्बाद हो जाएगी। फसल में भारी निवेश करने वाले किसानों ने सरकार से उनके बचाव में आने की अपील की है। नेल्लोर जिले के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भी बारिश जारी है। जिले के 118 गांवों में बारिश से सैकड़ों एकड़ में लगी फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। कृषि विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, लगातार बारिश से धान, कपास, मूंगफली, अरहर और उड़द की फसल को नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक अनुमान बताते हैं कि 17,127 एकड़ में धान की फसल बर्बाद हो गई थी। 200 एकड़ में लाल चने को नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि 1,467 एकड़ में फैली कपास की फसल और 360 एकड़ में काले चने को नुकसान हुआ है। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से गुंटूर जिले के किसानों को भी बड़े पैमाने पर फसल का नुकसान हुआ है। जिले के कुछ हिस्सों में धान की फसल जलमग्न हो गई। किसान कुछ दिनों में फसल काटने की उम्मीद कर रहे थे और नुकसान से व्याकुल है। उत्तर तटीय आंध्र के श्रीकाकुलम जिले में पिछले दो दिनों में हुई बारिश से खेतों में फसल के बाद तैयार धान को भी नुकसान पहुंचा है। किसानों का आरोप है कि धान की खरीद में सरकार की ओर से देरी से नुकसान हुआ है। सत्य साईं जिले में बुक्कापट्टनम में 6.8 सेंटीमीटर बारिश हुई जबकि कुट्टाचेरुवु में 6.4 सेंटीमीटर बारिश हुई। अमादगुरु में 5.8 सेंटीमीटर बारिश हुई जबकि पेनुकोंडा में 5.7 सेंटीमीटर बारिश हुई। लगातार बारिश के कारण वाईएसआर जिले के गोपवरम मंडल में झीलों और टैंकों में भारी बाढ़ आ गई। बुडवेल में 5.5 सेमी बारिश हुई। आईएमडी के अनुसार, उत्तरी तमिलनाडु के ऊपर शनिवार का डीप डिप्रेशन (चक्रवाती तूफान मंडौस का अवशेष) रविवार तड़के उत्तर आंतरिक तमिलनाडु और इससे सटे दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और उत्तर केरल में कम दबाव के क्षेत्र में कमजोर हो गया।

"यह आज, 11 दिसंबर, 2022 को 8.30 घंटे आईएसडी पर कम चिह्नित हो गया। हालांकि, संबंधित चक्रवाती परिसंचरण उसी क्षेत्र में बना हुआ है और मध्य-क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है। इसके दक्षिणपूर्व और आसपास के पूर्वी मध्य अरब सागर में उभरने की बहुत संभावना है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.